

प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

सं॰ 19]

मर्चे विल्ली, शनिवार, मर्चे ८, 1999 (वैशाब 18519:21)

No. 19

NEW DELHI, SATURDAY MAY 8, 1999 (VAISAKHA: 18, 1921)

इस माग में मिन्न पृष्ठ संस्था की जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के कप में एका जा सके। (Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग ग्रा—खण्ड 4 [PART III—SECTION 4]

[सांविधिक निकायों द्वारा जारी की गई बिविध अधिसूचनाएं जिसमें कि आवेश, विकापन और सूचनाएं सम्मिलित हैं]

[Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies]

भारतीय स्टेट वैंक केन्द्रीय कार्यालय मुम्बई, विमांक 20 अप्रैल 1999

सं• एस'बी डी 3/1999—मारतीय स्टेट बैंक (समनुषंगी बैंक) अधिनियम 1959 (1959 का 38वां) की धारा 25 धारा (1) के अनुक्छेद (ग) के अनुसार भारतीय स्टेट बैंक श्री एस॰ आर० अय्यर, के स्थान पर श्री डी॰ पी॰ राय, उप का निदेशक एवं समूह कार्यपालक (सहयोगी एवं समनुषंगियां समूहों), भारतीय स्टेट बैंक, केम्ब्रीय कार्यालय, मुम्बई को नोक 20-4-99 से निम्नलिखित सहयोगी बैंकों के निदेशक के रूप में नामित करता है:---

- 1. स्टेट बैंक आफ बीकानेर एण्ड जयपुर
- 2. स्टेट बैंक आफ क्षेत्राबाद
- स्टेट वैंक आक प्रस्वीर
- 4. स्टेट बैंक आफ मैसूर
- स्टेट वैंक आफ पटियासा
- 6. स्टेट बैंक आक सीराष्ट
- 7. स्टेट बैंक आफ बावणकोर

जी० जी० **वं श** अध्यक्ष

कर्मबारी भविष्य निर्मिध संगठन (केन्द्रीय कार्यालय)

नई चिल्ली-66, चिनांक 7 अप्रौन् 1999

सं. 2/डी. एल. आई/एकजम/89/भाग-2274- उहां उन्-सूची-1 में उल्लिखित नियोक्ताओं ने (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापना कहा गमा है) कर्मचारी भिवष्य निधि और प्रकीर्ण उपनिथ अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा 2(क) के अंतर्गत छूट के विस्तार के लिए आवेदन किया है। (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है)।

चूंकि केन्द्रीय भौज्ञय निधि आयुक्त इस बात से संतुष्ट हैं कि उक्त स्थापना के कर्भचारी कोई अलग अंशवान या प्रीमियम की अवायगी किए विना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहें हैं जो कि एसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी निक्षंप सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 के अन्तर्गत स्वीकार्य लाओं से अधिक अनुकूल हैं (जिसे इसमें इसके पहचात स्कीम कहा गया हैं)।

अतः उक्त अधिनियम की भारा के उपधारा 2(क) द्वारा प्रदत्त पाविस्पों का प्रयोग करते हुए तथा श्रम मंत्रालय, भारत सरकार/केल्पीय भविष्य पिधि आयुक्त की अधिसूषना मं. तथा तिशि जो प्रत्येक म्थापना के नाम के सामने दर्शाकी गयी है के अनुसरण में सथा संलग्न अनुसूची-2 के निर्धारित बार्ली के रहते हुए केल्प्रीय भविष्य निधि आयुक्त ने स्कीम के सभी उपबंधों के संचानन से प्रत्येक उक्षत स्थापना को आगे 3 वर्ष की अविध के लिए छूट प्रदान कर वी है जैसा कि संजर्भ अन्मुणी-1 में उनके नाम के सामने दर्शाया है।

अनुसुची-1

कम सं०	स्थापना का नोमं और पंता	कोड सं०	संरकारी अधिसूचना की सं व विनांक जिसके द्वारा छूट प्रदाम/विस्तार की गई	**	हुट विंहतार के ० की तिथि	
1.	मैं ॰ डिकान पोलोपैक्स लि॰, 142,, बोलारम, नरसापुर, तहसीर मेडक, जिला आं॰ प्र॰	ए पी/एचवाई 1 9842	2/1959/डीएलआई एक्जम/89/पीटी-1537 दिनांक 25-10-96		1−2−98 ₹ 1−1−2001	2/4593/ डी एल आई
2.	मै॰ विजय इलैक्ट्रीकल्स लि॰, रुद्राराम, पटनचेरू (मंडल) जिला मेडक-502329	ए पी/ 1 7868	दिनांक 7-4-93	29-2-96	1-3-97 से 28-2-99	2/3033/90 डी एल आई
3.	में ० सन्डीस्या जनरल इण्डस्ट्रीज 15-6-5, इति सैलेण्वर रोड्, महारानीपेटा, विशाखापट्टनम- 530002	ए पी/ 1 4020	विनांक 261090	28-2-93	1-3-93 年 29-2-96 1-3-96 就 28-2-99	2/3064/90
4.	मै० साहुवाला सिलंडरस लि०: प्लाट नं० 242 डी ब्लाक, आटोनगर, विषाखापट्टनम	ए पी/ 16956 	दिनांक 9-9-9 ₁		1-10-97 神 30-9-2000	2/3394/90

अनुसूची- 🎞

- 1. उन्त स्थापना के सम्बन्ध में निर्वाणक (शिप्से इसके विष्णां) निर्याणक कहा गया हैं) सम्मन्धित क्षेत्रीय भीषका निर्धि अध्यक्ष को एरेरी विवरणियां भेजेगा और लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के निए एरेरी सृष्यिक्षएं प्रवान करेगा जो केन्द्रीय भीषका निर्धि आयुक्त समय-समय पर निर्धिष्ट करें।
- 2. नियंजिक एसे चिरिक्षण प्रभारी का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार उन्त विधानियम की भारा 17 की उपधारा (2-क) के चण्ड के क्षीन सक्य-समय पर निवांश करें।
- 3. सामृहिक बीमा स्कीम के प्रवासन में जिसके छन्य लेखाओं का रवा जाना, विवरिणयों को प्रस्तृत किया जाना है. प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अन्तरण, निर्दाक्षण प्रभारों संदाय आचि भी हो, होने वाले सभी न्यां का बहन नियंजिक द्वार. किया जायेगा ।
- 4 नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुसीदित. साम्भिक वीमा स्कीम के नियमों की एक प्रीत और जब कभी उसमें संबोधन किया जाए, तब उसे संबोधन की प्रीत सभा कर्मवारियों की बहु-संख्या की भाषा में उसकी भृष्य शासी का अनुवाद स्थापन के सुबाग पट्ट पर प्रविद्यास करेगा।

- 5. यदि काहें कर्मचारी जो भविष्य निधि या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना की भविष्य निधि का पहले ही सदस्य हैं, उसको स्थापना में नियोजित किया जाता है तो नियोजिक सामूहिक बीमा स्कीम के सबस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त वर्ज करोगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संबत्त करोगा।
- 6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध साभ बढ़ाए जात हैं तो नियंजक सामूहिक बीमा स्कीम के नधीन कर्म-चारियों को उपलब्ध लाभों में सामूहिक रूप से बृद्धि किए जाने की व्यवस्था करोगा, जिसमें कि कर्मचारियों के लिए सामृहिक बीमा स्कीम के अधीन लाभ उपलब्ध लाभों से अधिक अनुकृत हों जो उक्त स्कीम के अधीन अनुकोष हैं।
- 7. सामृहिक बीमा स्कीम में फिसी बात के होते हुए भी यिष किमी कर्मचारी की मृत्यू पर इस स्कीम के अधीन संदेय रामि से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संदेय हो तो जब बह उक्त स्कीम के अधीन होता तो नियोजक कर्मचारी के विभिक्ष वारिसों/नाम निवें वितों को प्रतिकार के रूप में दोनों राशियों के अन्तर के बरावर राचि का संदाय करेगा !
- 8. सामूहिक बीमा स्कीम को उपकर्षों में कोई भी संशीधन संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त को पूर्व अनुमोधन को बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मकारियों को हित पर प्रतिकृत प्रभाव पड़ने को सम्भावना हो बहां क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त उपना अनुमोदन दोने को पूर्व कर्मचारियों को अपना दौष्टकोण स्पष्ट करने का बुक्कियुक्त अवसर दोगा।
- 9 यदि किसी कारणवह स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामृष्टिक बीमा स्क्रीम के, जिसे स्थापना पहले अपना चुकी है, अधीन नष्टी रह जाता या इस स्क्रीम के अधीन कर्मचर्शियों की प्राप्त होने वाली किसी राशि से कम ही जाए तो रब्दू की जा सकती हैं।
- 10. यदि किसी कारणवश उस नियस तारीस के भीतर जो जीवन वीमा निगम नियस कर प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है और गालिसी को व्यपगत होने दिया जाता है तो छूट रख्द की जा सकती है।

- 11. निर्यालक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किह गए व्युतिकम की दशा में उन मृत सदस्यों के नाम निद्धिक्तों या विधिक वारिसों को यदि यह छूट दी गई होती हो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते, बीमा लाभों के संदाय का उत्तरदागित्य निर्ाणक पर होगा ।
- 12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के अधीन आने वासे किसी सवस्य की मृत्यु होने पर उसके हकदार नाम निवाधितों/जिधिक नारिसों को बीमाकृत राशि को संबाध तत्परता से और प्रत्येक वक्षा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर सुनिश्चित करोगा।

के ए दिव्यदी क्षेत्रीय भविष्य निधि अयुक्त

सं 2/1959/डी. एल. आई./एकजम/89/भाग-2/284—आहां अनुसूची-1 में उल्लिखित नियांव्यामों ने (जिस इसमें इसके परचात् उत्तर स्थापना कहा गया हैं) कमैंचारी भविष्य निधि और प्रकीण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा 2 (क) के अन्तर्गत छूट के विस्तार के लिए आवेदन किया है। जिस इसमें इसके परचात् उत्तर अधिनियम कहा गया है।

चूंकि केन्द्रीय भिषय निधि जायुक्त इस बात में मंतूष्ट है कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई अलग अंशदान या प्रीर्मियम की बदायगी किए बिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम की सामृहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहें हैं जो कि एसे कर्मचारी के लिए कर्मचारी निक्षंप सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 के उन्तर्गत स्वीकार्य लाभी से अधिक अनकाल है। जिसे इसमें इसके पश्चात स्कीम कहा गया है।

अतः उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2 (क) द्यारा प्रदत्त रिक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा श्रम मंत्रालय, भारत सरकार/केन्द्रीय भिष्य निधि आयुक्त की अधिसूत्रना सं तथा निधि की प्रत्येक स्थापना के नाम के सामगे दर्शायी गयी है के अनुसरण में तथा संलग्न अनुसूची-2 के निधिरित शर्ल के रहते हुए केन्द्रीय भिष्य निधि आययन ने उक्त स्कीम के सभी उपविधी के संचालन से प्रत्येक उक्त स्थापना को आगे 3 वर्ष के लिए छुट ब्रीहान कर दी है जैसा कि संलग्न-1 में उनके नाम के सामने दर्शाया है।

अनुसूची--[

कम सं∘	स्थापना क्या नाम और पता	कोड सं०	सरकारी अधिभूचनाकी सं० व दिनांक जिसके द्वारा छूट प्रदान/विस्तार की गई			के०भ०नि०आ। की फाइल मं०
7	2	3	4	5	6	7
I.	मै॰ पैरिज कम्फैंक्शनरी लि॰, पो॰ बा॰ नंज, 240, चेन्नई—1 तथा शास्त्राए	डी एन/ 345-की 345-सी	2/1 959/डी एल आई एक्जम/89/पीटी-1, दिनांक 17-2-96	31-3-96	1-4-96 से 31-3-98	2/4018/92/ डी एल अन्तर्रः

			 			
1		3	4	<u></u>	6	7
2.	मै० अन्नभवत्लार मिल्स लि०	टी एन/	17-2-96	6-5-98	7-5-98	2/859/85/
	पो० बो० नं० 2, पोस्ट बेगमपुर,	1115			म	डी एल आई
	भिभिगल-627002	5 /			6-5-200	-
3.	मै० पियोंसर ईजीनियरिंग इन्डस्ट्रीज	टी एन/	17-7-92	30-9-94		2/2339/89
	बी -1 , इन्डस्ट्रियल स्टेट,मदुराई -7	4339-ए			से	_
					30-9-9	
					1−10−97 से	1
					30-9-20	0.0
	A	-0 t	22 2 25	2. 10. 61		
4.	मै • रामालिंगा मिल्स लि •	टी एन/	26-2-90	3-12-91	4-12-91 से	14/166/96
	212, राम स्वामी नगर, पो० बा०	5252				
	सं• 1 8, अरुपामुट्टई-626101				3-12-94 4-12-9	
					3-12-9	7
					4-12-0	
					से	•
					3-12-2	000
5 .	मै० मदुरई जिला को-आप स्पिनिय	टी एन/		18-3-95	19-3-95	2/843/82
•	मिल्स लि॰, मलूर, मदुरई	5518			मे	, -, -
	जिला तमिलनाकू				18-3-98	
£.	मै॰ सावरेन इंजिनियसं प्रा० लि॰	टी एन/	6-4-93	30-11-93	1-12-93	2/4603/92
-	पोस्ट बाक्स नं ० 4415, इण्डस्ट्रियल	8467			मे	1
	इस्टेंट, पोस्ट कोयम्बद्र-641021		•		30-11-	96
					तथा	
					1-12-9	6
					से	
	•				30-11-9	9
					तंक	,
7.	मै० तमिलनाडु स्टेट ट्रांसपोर्ट कार्पी०	टी एन/	10-11-97	3 0- 11-97	1-12-97	14(11)95
	विल्लूपुरम, डिविजन−II, रंगपुरम	10209			से	
	बैस्लोर-9				30-11-2	000
					तकः	
8.	मै॰ मैक कन्ट्रोस्स एण्ड सिस्टमस सि॰,	टी एन/	6-4-93	31-10-93	1-11-93	2/4606/92
	122. अप्पूरवामी रोड़, रैडफील्ड्स	10824			से'	
	क्रोयम्बटूर−641045				31-10-9	
					तक , त	पा
					1-11-96	
					- 	•
					31-10-9	9
		•			तक	-1 4
9.	मै । के । बी । हास्पीदत्स मेबीसल	टी एन/	17-2-98	31-1-97	1-2-97	2/3190/90
	ट्रस्ट ग्वर्नमेंट आर्टन कालेज रोड़,	10901			से	
	कोयम्बदूर-18				3 1-1-2	000
					तक	

1	2	3	4	5	6	7
ι Ο.	मै० यू० आर० फाउण्ड्रीज, पीकेडी नगर, पोस्ट बाक्स नं० 1 635, पीलामेडू, कोयम्बटूर−44	टी एन/ 11075	21-7-92	31-12-90	11-1-91 中 31-12-93 1-1-94 中 31-12-96 中 31-12-99	
11	मैं० भॉति मेल्न लि०, 304-ए ट्रिजि मार्ग, सिगानालूर, कोयम्बेट्र-5	टीएन/ 1 72 90	29-3-93	31-3-94	1-4-34 में 31-3-97 1-4-97 में 31-3-2000	2/4711/92
12.	मैं० स्तैप नैचुरल एण्ड एलियनेट प्रोडक्टस लि०, प्लाट नं० 1, सिपकोट इस्डस्ट्रीयल काम्पलेक्स रानीपेट-632403	टीएन/ 17716	1 1 1 95	31-3-96	1-4-96 स 31-3-99	2/4370/9
13.	मै॰ ऐत्जी अत्द्रा इन्डस्ट्रीज ऐ रुजी हाउस, जिचि मार्ग, कोयम्बेटूर-641045, (पहला नाम ऐस्जी पोलीटक्स लि॰)	टी एन/ 2 1440	13-1-94	30-4-95	1-5-95 से 30-4-98 1-5-98 से 30-4-2001	2/4285/92
14.	मै० श्री आर० ची० होटल ३11-ऐ भारतीयर मार्ग सिद्यापुढूर कोयम्बेट्र-641 406	टी एन/ 2 1 5 0 1	6-4-93	31-5-94	1-6+94 中 31+5-97 1-6-97 中 31-5-2000	2/4616/92
15.	में ० साऊथर्न टैक्सपेयर मैन्युक्षैक्चर्स , वेस्केटेस्पूर्म , गनपति, कोयस्बेट्र – 6	टी एन/ 21 6 9 1	2 4- 2-93	31-5-92	1-6-92 中 31-5-95 1-6-95 中 31-5-98 1-6-98 中 31-5-2001	2/ 4286/ 92
16.	मै० श्री रामको स्पीनर्स पी० बी० नं० 1 27, कृष्णापूरम मार्ग, राजापालायम-626117	टी एन/ 24656	26-3-93	.31 - 1 2- 9 4	1 - 1 - 95 章 31 - 12 - 97 1 - 1 - 98 章 31 - 1 2 - 200	2/489,7 <u>/</u> ईडीएलआई

1	2	3	4	5	6	7
1 7.	मैं० रोथ प्लास्टिकस, 48, न्यू तिरुवालय मार्ग, कटपाडी बेस्लूर-7	टी एन/ 2 35 35	23-11-95	31-3-96	1-4-96 से 31-3-99	2/4274/92
I 8.	मै० आर० एस० एल० इन्डस्ट्रीज लि० फुटवियर डिविजन, बेगलोर मार्ग, वेस्लूर-1.	्; टी एन/ 23532	23-11-95	28-2-97	1-3-97 से 29-2-200	2/4375/92 0
1 9.	मै॰ दुराईराज मिल्स प्रा॰लि॰, पटना ईकाष्ट्राइम, पोनांलूर, पी० औ॰ अवनाशी–638459	टी एन/ 25002	31~1-94	31-1-96	1-2-96 中 31-1-99	2/5174/93
20.	मै॰ कीयम्बदूर अर्बन लैप्रोसोईरा- डीकेशन स्कीम, टी॰की॰एस॰ नगर, ऐदयाराप्र्लायम, कोयम्बदूर-25	टी एन/ 2581 7	31-1-94	30-9-95	1-1 0-95 से 30-9-98	2/5176/93
21.	मै० ई० आई० डी० पेरी (इंडिया) लि०, रानीपेट-632401	टी एन/ 344	1 9-1 0-95	31-3-96	1-04-96 से 31-3-99	2/3956/92
22.	मै० माजन्ट मिट्र फार्मास्यूटिकल्स लि०, नं० 1 6, नीरटन मार्ग, मैडाक्लीपुरक, चेल्मई—28	टी ए न ∤ 599	21-8-95	30-9-97	1-10-97 से 30-9-200	•
23.	मैं॰ सिकक्स लि॰, सिपकोट, 1 8, इंटलैंड बेट स्ट्रीट,	टी एन/ 981 7	2-1 2-96	30-11-96	1 -1 2-96 से 30-11-9	2/1895/88
	मै० मही इंजीमियरिंग कं० अम्मानकुलाम मार्ग, पी० एन० पालायम, कोयम्बटूर 18	धी एन/ 10649	25-1-94	30-11-93		2/4413/92 6
	मैं ∞पुत्तिको सेल्स 89, सिडको, कोयम्बेटूर-21	टी एन/ 10896-ए	7-5-93	31-3-94	1-4-94 中 31-3-97 1-4-97 中 31-3-20	2/4911/93
	मै व्टिताईजेशन डिस्पेंसरी ई० आई० डी० पैरी (इंडिया) लि०, रानीपेट-632401	टी एन/ 11083	16-2-96	31-3-96	1-4-96 से 31-3-99	2/4017/92
27.	मैं० विजयराजा एण्ड कं०, 120, सेन गुप्ता स्ट्रीट, 11467 रामनगर, कोयम्बटूर-9	टी एन/	2-12-91	28-2-94	1-3-94 和 28-2-97 1-3-97	2/3912/91

1.	2	3	4	5	6	7
28.	मै० यूनाइटेड मणीनरी वक्स प्रा० लि०; भारती नगरम, गनपति कोयम्बद्दर—6	टीएन/ 11929	27-4-91	28-2-90	1-3-90 से 28-2-93 1-3-93 से 29-2-96 1-3-96-से 28-2-99	2/3408/92
29.	मै॰ साऊधरन सैंधेटिक्स लि॰, प्लाट सं॰ 14, सिपकोट इण्डस्ट्रियल काम्पलेक्स रानीपेट-632403	टीएन/ 12223	2-12-96	30-8-97	1-10-97 से 30-9-2000	2/2584/90
30.	मै० रामु रिद्रुडर्स गोपाल बाग, 317, अवनाणी मार्ग, कोयम्बदूर-18	टीएन/ 12279	24-2-93	31-5-91	1-6-91 से 31-5-94 1-6-94 से 31-5-97 1-6-97 से 31-5-2000	2/4287 /92
1.	मै॰ मेक इविडया प्रा॰ लि॰, बक्सं, 122, अप्पुस्वामी न्य लेआकट रेडफिल्ड्स, कोयस्बद्र-45		16-12-97	31-10-96	1-11-96 से 31-10-99	14/82/95
2.	मै० मेक इण्डिमा प्रा० लि०, वर्क्स, 122, अप्पुस्वामी न्याबू, लेआऊट, रेडफिल्टस, कोयम्बदूर-45	18021-		31-10-96	1-11-96 ₹ 31-10-99	14/151/95
3.	मै० अवनाशी इंजीनियरिंग कं० लियार्ड रोड, अवनाशी∸832654	टी एम/ 16846	10-5-94	31~3~93	1-4-93 से 31-3-96 1-4-96 से 31-3-99	2/3453/91
	मै॰ फाइला मेंदूस एण्ड बाइडिंगस (इण्डिया) प्रा॰ लि॰, 63, सिडको इण्डस्ट्रियल स्टेट, कोयम्बदूर-641021	टी एन/ 17455 ा	17-2-96	31-1-97	1-2-97 वे 31-1-2000	2/4710/92

,	1 2	3	4	5	в	7
	मै० कोयम्बदूर राजेन्द्रा इण्डस्ट्रीज आयारामप्लायाम मार्ग, गणपति, पी० ओ० कोयम्बदूर-641006।	टी एन/ 17520	3-3-94	31-12-93	1-1-94 章 31-12-96 1-1-97 章 31-12-99	2/3128/90
36.	मैं० जी० प्लास्ट प्रा० लिए गोपाल बाग, 316, अवनापी मार्ग, कोमम्बद्धर-18	टी एन/ 21235	29-3-93	30-4-91	1-5-91 से 30-4-94 1-5-94 से 30-4-97 1-5-97 से	2/4726/92
37.	मै० विजय सिन्टेक्स प्रा० लि०, 8–ए, टी० टी० कालोनी, कोयम्बट्र–18	टी एन/ 21341	3-8-93	28-2-93	1-3-93 〒 2 9-2-9 6 1-3-96 〒 28-2-99	2,3260/90
38-	मै० एम० एम० एण्ड सन्स टैम्सटाईल्स स्तारीपल्याम, कोयम्बटूर-28	ही एन/ 21346	17-2-96	29-2-96	1-3-96 से 28-2-99	2/3246/90
39.	मै० जयलक्ष्मी मणीन वर्क्स मारसी नगर, कोयम्बट्ट्र-6	टी एन/ 21425	3-5-91	28-2-90	1-3-90 〒 28-2-93 1-3-93 〒 29-2-96 1-3-96 〒 28-2-99	2 3427 91
40.	मै॰ कोयम्बटूर सिक्योरिटी प्रा॰ लि॰, गोपाल काग, 317, अवनाशी मार्ग, कोयम्बटूर-18	टी एन 21615	9-12-92	31-12-91 .	1-1-92 से 31-12-94 1-1-95 से 31-12-97 1-1-98 से	2/4179/92

1	2	3	4	5	6	7
41.	म० यूनिवर्सल ब्रेकम प्रा० लि०, एस० एफ० नं० 270, 1-बी, बोलाचि मार्ग, मालामी- चामपाटटी (पी० ओ०) कीयम्बट्र21	टीएन/ 1114	13-5-97 8	28-2 -97	1-3-97 中 29-2-2000	2/2437/90
42.	मै ० तमिलताडू इन्डस्ट्रियल - एक्सपोलीसोवर्स लि०, काटपाडी, वेल्लोर——632059	टीएन/ 2310।	3	31-3-96	1-4-96 में 31-3-99	2/5385/93
43.	मैं व्युन्द्रम मोटर्स तं व 180, अन्ता सलाई चैन्तई600006	टीएन/ 1135	2-10-97	28-2-97	1-3-97 में 2 9-2-2000	
44.	मैं विहतेयनी सर्वोवय मंघ, 59,साऊथ कार स्ट्रीट, तिहतेयली——627006	: टीएन/ 2901	13-5-94	31-3+93	1-4-93 में 31-3-96 1-4-96 में 31-3-99	2/5310/93
45.	मै॰ एक्सलैस इंडिया लि॰, सिगांपरूमल, कोयल स्ट्रीट,श्री परिमुदूर602105 तथा गाखाएं क यस्तिय	टीएन/ 1 87 93	18-9-89	31-8-89	1-9-89 से 31-8-92 1-9-92 से 31-8-95 1-9-95 मे 31-8-98	l 4/433/98
46.	मै० श्री कारी चित्र या इण्डस्ट्रीज प्लाट नं० 87 एण्ड 1 32 , सिडको इन्डस्ट्रियल स्टेट रानीपेट—6 324 03	टीएन/ 16900	24-11-95	30-11-97	$ \begin{array}{c} 1 - 12 - 97 & \stackrel{\frown}{\mathcal{H}} \\ 30 - 11 - 2000 \end{array} $	1 4/1 02/95
47.	मैं जय मोटर्स लिं , तं 10, यमिति मार्ग, चैन्तई600000 तथा शा व ाएं	टीएन/ 11920	26-10-97	31-8-96	1-9-96 से 31-8-99	2/2587/90
48.	मैं आडोमेटिव अन्सलेरी सविमज, महाबलीपुरम मार्ग, चैन्नई-96	टीएन/ 8567	1-11-95	28-2-97	1-3-97 से 29-9-2000	2/2596/90
49.	मै० आई० डे॰ए० सूडर स्कूल ऐसीसिऐ _श न कालिन्जुर, मैन मार्ग, कालिन्जुर, वल्लुर 6 32 0 0 6	टीएन/ 1 5 8 5 4	23-11-95	31-1-98	1-2-98 就 31-1-2001	2/3690/91
5 0-	मै॰ सीड्स मैटल इंडस्ट्रीयल सी-12, इंडस्ट्रीयल सैटर मद्रास-32	टीएम 19277	23-11-95	28-2-97	1-3-97 से 29-2-2000	2/4059/92
51.	मै० वैल्लोर कौप्यसुगर मिल्म लि०, वैल्लौर सुगर मिल्स पोवआ०—632519 एम० ए० जिला	टीएन/ 11117	16-2-96	30-9-97	1-10-97 से 30-9-2002	2/697/82

जनुसूची-1

- 1. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियंग्यक (विश्रं इसके परवास् नियंग्यक कहा गया है) सम्बन्धिक संबीय भीवण्य निर्धिय आयुक्त को एसी विवर्णियां भेशंगा और ऐसा लेका-जीका रखंगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रवास करोग जो कोन्द्रीय भीवज्य निधि आयुक्त समय-समय पर भिविष्ट करों।
- 2. नियोजक एसे निरक्षिण प्रभारी वह प्रस्थेक मास की समाप्ति के 15 विन के भीसर संवाय करेगा जो कोन्द्रीय सरकार उक्त मीधीनयम की धारा 17 की उपधारा (2—क) को अब्ब के अधीन समय-समय पर निवास करें।
- 3. सामृहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में जिसकों मन्त्रपंत लेकाओं का रखा जाना, विवारणियों का प्रस्तृत किया जाना, बीबा शिमियम का संवाय, लेकाओं का अन्तरण, निरीक्षण प्रभारी का संवाय आवि भी ही, होने बांकों सभी व्ययों का बहन नियोजक क्वारा किया जाएगा।
- 4. निर्माणक, केन्सीय तरकार व्यारा अनुमीचित सामृहिक बीमा स्कीम के निवर्मी की एक प्रीत और खब कभी उनमें संनोधन किया जाये. तब उसे संघोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की राहागंख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातीं का अनुवाद स्थापना के सूचना-पट्ट पर प्रदक्षित करेगा।

- 5. याद आंहं एसा कर्मचारी आ भविष्य निधि या उक्त आधानयम के अधीन छुटूट प्राप्त किसी स्थापना के भविष्य निधि का पहले ही सदस्य ही, उसकी स्थापना में नियाजित किया जाता है ता नियाजिक सामूहिक बीमा स्काम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रोम्पयम भारतीय जीवन भीमा निगम के संदत्त करेगा।
- 6. यां प उक्त रकीम के अधीन कमंद्रात्यों को उपलब्ध लाभ बढ़ायं जाते हैं तो नियोजक सामृहिक बीमा स्कीम के अधीन कमंद्रात्या की उपलब्ध लाभों मा सामृहिक रूप से बृद्धि किए जाने की व्यवस्था करोगा, जिसमें कि कर्मचारियों के लिए सामृहिक बीमा स्कीम के अधीन लाभ उपवन्ध लाभों से अधिक अनुकृत कृत हों जो उक्त स्कीम के अधीन अनुअय है।
- 7. साम्हिक बीमा स्कीम म किसी बात के हाते हुए भी यि किसी कर्मबारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संबय गिका से कम है जो कर्मबारी को उस बशा में सबेय हो तो जब वह उसस स्कीम के अधीन होता तो नियोजक कर्मबारी विधि/वारिस नाम निवंधिकों को प्रतिकार के रूप में दोनो राधियों के बराबर राशि का संबाय करेगा।
- 8. सामृहिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन संबंधित क्षेत्रीय भिवष्य निधि आयुक्त के पूर्व अनुमादन को बिना नहीं किया आयेगा और जहां किसी मंशोधन से कर्मनारियों के हिस पर प्रतिकृत प्रभाव पड़ने की संभावना हो वहां क्षेत्रीय भिषया निधि आयुक्त अपना अनुमीवन वोने के पूर्व कर्मनारियों को अपना शिष्टकक्राण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवसर वेगा।
- 9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मनारी भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामृहिक बीमा स्कीम के जिसे स्थापना पहले जपना चुकी है अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मनारियों को प्राप्त होने वाली किसी राशि में कम हो आये ही खब की जा सकती है।
- 10. यदि किसी कारणवंश उस नियस तारीक के भीतर जीवन बीमा नियम नियत करे प्रीमियम का संवाय करने में असफल रहता है और पालिसी को व्यपगत होने विया जाता है तो छाट रहव की जा सकती है।
- 11. नियां जक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किए गए वहितकम की दशा में उन मन सदस्यों के नाम निविधितों गा विधिक वारिसों को यदि यह छूट वी गई हो ती उक्स स्कीन के अन्तर्यत्त होते बीना लाभी के संवाय का उत्तरकाशित्व निर्वाजक पर होगा।

12. उस्त स्थापना के सम्बन्ध में निवोक्षक इस स्कीम के वधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हकतार नाम निविधिक वगौरसीं को बीमाकृत राश्चि का संसव तत्परता से और प्रत्येक वशा में भारतीय जीवन वीमा निगम से बीमाकृत राशि तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत राशि प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत राशि प्राप्त होंगे के एक माह के भीतर मृतिधिचत करेगा।

के. ए. ख़्बिश्यी क्षेत्रीय भीषण्य निधि आयुक्त

सं. 2/1959/डी. एल. आई./एक्जम/89/माग-2/259—जहां अनुसूची-1 में उल्लिखित नियांक्साओं के (जिसे इसमें इसके पश्चास् उक्स स्थापना कहा गया है) कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा 2 (क) के अन्तर्गत छूट के विस्तार के लिए आवेषन किया है। जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है।

चूंकि केन्द्रीय भिवष्य निधि आयुक्त इस बात से संतृष्ट है कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई अलग अंशदान या प्रीमियम की अवायगी किए बिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा किगम की सामृहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहें हैं जो कि एसे कर्मचारी के लिए कर्मचारी निक्षेप सहबव्ध बीमा स्कीम, 1976 को अन्तर्गत स्वीकार्ज साभों से अधिक अनुकूल हैं। जिसे इसमें इसके पदचात स्कीम कहा गया है।

अतः उक्त अधिनियम की धारा के उपधारा 2 (क) ब्वारा प्रवस्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा श्रम मंत्रालय, भारत सरकार/केन्द्रीय सरकार/केन्द्रीय भीवच्य निधि आयुव्त की अधिन्म्चना सं. तथा तिथि श्रो प्रत्येक स्थापना के नाम के सामने बर्गायी गई है के अनुसरण में तथा मंत्रान अनुसूची-2 के निधिरित शक्ती के रहते हुए केन्द्रीय भविच्य निधि आयुक्त ने उक्षत स्कीम के सभी उपनंधों के संचालन से प्रत्येक उक्षत स्थापना को आगे 3 वर्ष की अविध के निए छुट प्रवान कर दी है असा कि संचरन अनुसूची-1 में उनके नाम के सामने वर्गायां है ।

अनुसूची-1

 ऋ०सं	 रिषापना का नाम और पना	कोड नं०	सरकारी अधि- सूचना की सं० व दिनोक जिसके द्वारा छूट प्रदाम/ विस्तार की गई	छूट प्रभावी की तिथि	छूट विस्तार तिथि	के०भ०नि०आ० की फाईल नं०
<u> </u>	2	3	4	5	6	7
0 1.	मैं० श्री वेकेटण्बरा ग्रामीण वैक पो० बा० नं०-17, बित्र-517001	ऐपी/ 1 3 27 3	2/1959/डीएलआई/एमजम/ 89/भाग-II दिनांक 3-3-94	30-9-95	1-10-95 就 30-9-98 1-10-98 就 30-9-2001	2/1563/86/ डो एल आई

1	2 3		4	5	6	7
02	मैं० जी० पुलारेड्डी इंजीनियरिंग कालेज कुरनूल-518002 (अर० प्र०)	ऐपी/ 16295	विनांक 12-8-97		1-10-95 से 30-9-98 1-10-98 में 30-9-2001	2/31/96
0 3.	मै० मुलकान्र को० आप० रूरल बैंक लि० मार्केटिंग सोसायटी लि०, मुलकान्र, भीमा देवरापरली जिला, कारोम नगर-505471	केंकी/ 3151	विनांक 7-2-96	28-2-98	1-3-98 28-2-2001	1/59/96
04.	मै० दि० जिला कोपरेटिय सेंट्रल लि० एम०जी० रोड पो० बा० नं॰ 16. खमाम-507703	लेकी/ 263 5	विनां रु 24-3-93	31-7-94	1-8-94 和 31-7-97 1-8-97 和 31-7-2000	2/4595/92
05.	मैं० विशाखा इंडस्ट्रीज लि० विशाखा टावर्स, 1-8-303/ 69/3, एस० पी० रोड सिकन्दराबाद जिला सेंडक आ० प्र०	ऐपी/ 17125	विनोक 27-10-97	31-1-97	1-2-97 से 31-1-2000	2/1137/89
06.	मै० चोगले मेट्रमसहोच्य लि० 26 ए० आई० ई० पटानमेरू मेडक जिला-502319	ऐपी/ 5726	दिनांक 27-10-97	2 8-2- 9 8	1-3-98 ₹ 28-2~2001	2/3177/90
07.	मै० एडमिनिस्ट्रेडिव रष्टाफ कालेज ग्राफ इंडिया, बेलाविता हैदराबाद—500082	ऐपी/ 11420	विनोक 21-2-97	30-11-98	3 -11-200	
08.	a and a share all the same	ऐयी/ 5865	विनाक 27-10-97	31-12-98	1-1-98 स 31-12-200	2/3178/90 00
09.	4 - A	ऐकी/ 5 8 5 5	. विशोक 3-3-94	30-9-95	1-10-95 से 30-9-98 1-10-98 से 30-9-2001	2/4113/92/ डी एल आई

अम्सूसी-1

- 1. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियाजिक (जिसे इसके परचात् नियोजिक कहा गया है) सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि आमुक्त की एनी विधरणियां भेजेगा और रुखा रखेगा तथा जिरक्षिण के निए एनेसी मुणिधाएं प्रधान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त समय-समय पर निधिष्ट करें।
- 2. नियोजिक एसे निरक्षिण प्रभारी का प्रत्येक मास की समाणि। के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो करेबीय सरकार उकत अधि-नियम को धारा 17 की उपधारा (2-क) के रूपड के आधीन समय-समय एर निर्वोध करें।
- 3. साम्बिह्ह बीमा स्थीय के प्रशासन में जिसके अन्तर्गत संक्षाओं का रला जाना विवरणियों को प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संवाय लेखाओं का अन्तरण निरीक्षण प्रभारी का संवाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का बहुन नियोगक द्वारा किया जायेगा।
- 4. नियांजक, केन्द्रीय सरकार दुवारा अनुमोदित सामृष्ट्रिक हीमा स्क्रीम के नियमों हो एक प्रति और जब कभी उसमें संशोधन किया आये, इब उसे संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों को बहा-संस्था की भाषा में उसकी मुख्य बातों की अनुवाद स्थापना को सूचना पद्ध एक प्रदर्शित करेगा।

- 5. बिष कोई एसा कर्मबारी को भीषण्य निर्मिया जबत अभिनियम के अभीन छूट प्राप्त किसी स्थापना की भीषण्य निर्मि का पहले से ही सदस्य है, उसको स्थापना में निर्देशित किया जासा है तो नियोजक सामृष्टिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त वर्ज करोगा और उसकी बाबत बांबबयक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संदत्त करोगा।
- 6. यदि उक्त स्क म के अधीन कर्मचारियों के उपलब्ध लाभ बढ़ाए जाते हैं तो नियोजक सामृहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों में सामृहिक रूप से वृद्धि किए जाने की व्यवस्था करेगा, जिसमें कि कर्मचारियों के लिए सामृहिक बीमा स्कीम के अधीन उपबन्ध लाभों से अधिक अन्क ल हों जी उसत स्कीम के अधीन उन्होंय हैं।
- 7. सामृहिक बीमा स्काम में किसी बात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यू पर इस स्कीम के अधीन संबंध राणि उस राणि से कम है जो कर्मचारी को उस वजा में संबंध होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो नियोजक कर्मचारी के शिक्षिक वारिस/नाम निवंधितों को प्रतिकर के रूप में दोनों राणियों के अन्तर के बराबर राणि का संवाय करगा :
- 8. साम्हिक बीमा स्कीम के उपबंधी में कोई भी मंद्रोधन संबंधित क्षंत्रीय भविष्य निश्चित्र आयुक्त के पूर्व अनुमादन के बिना नहीं किया जाएगा और एड़ां किसी मंद्रोधन में कर्मचारियों के हिस पर प्रतिकृत प्रभाव पड़ने की संभावना हों, बहां क्षंत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन दोने के पूर्व कर्मचारियों को अपना इष्टिकाण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवसर दोगा।
- 9. यदि किसी कारणतश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापना पहले ही अपना चुकी हैं अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाली किसी राणि में कम हैं। जाये तो रच्द की जा सकती हैं।
- 10. यदि जिसी कारणवदा उस नियत तारीच के भीतर जी भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करो, प्रीमियम का सदाय करने में असर्पन रहता है और पालिसी की व्यपगत होने दिया जाता है तो छूट रदद की जा सकती है।

- 11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संवाय में किए गर्म ध्यानिकम की द्वा में उन मृत स्वस्यों के नाम जियांचिती या विधिक वारिमों को याँद यह छूट दी गई होती तो उकत स्कीम के अंतर्गत होते, बीमा नाभी के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।
- 12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के जधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यू होने पर उस के हकवार नाम निविधिकां/विधिक वारिसों को बीमाकृत राशि का संवाय तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीतन वीमा निगम में बीमाकृत राशि तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन वीमा निगम में बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर म्यीनिध्यत करेगा।

के. ए. दिवनेदी क्षेत्रीय भविषय निधि जायुक्त

दिनांक 19 अप्रैल 1999

मं. 2/1959/डी. एल. आर्ड/शाम-1/360—
गरां अन्यूची-1 में उिल्लिखन नियोक्ताओं ने िजसे
इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापना कहा गया है कर्मचारी अविष्य निधि और प्रकीण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का
19) की धारा की उपधारा 2(क) के अंतर्गत छूट के विस्तार के लिए प चंदन किया है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त औध-नियम कहा गया है)।

चंकि केन्द्रीय भीक्ष्य निधि आयक्त इस बाह से मंन्छ हैं कि उक्त स्थापना के कर्मचारी काहें अलग अंशदान या प्रीमियम की अवायमी किए बिना जीवन बीमा के रूप में भागतीय जीवन बीमा निगम की सामृष्टिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रही हैं जी कि एमें कर्मचारियों के लिए कर्मचारी निक्षेत महत्वद्व बीमा स्कीम, 1976 के अंतर्गत स्थीकार्य लाभों में अधिक अन्कर्ल हैं (जिसे इसके पश्चात स्कीम कहा गया हैं)।

जतः जन्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2(क) द्वारा धदस शिकारों का प्रयोग करते हुए तथा इसके साथ संजय अनुसूची में उप्लिखित शती के अनुसार केन्द्रीय भीष्य निष्धि आयुक्त ने प्रत्येक उकत स्थापना की प्रत्येक के सामने उल्लिखित पिछली तारी के प्रभावी जिस सिथि से उकत स्थापना को धोनीय भीवच्य निधि आयुक्त, गुजरास ने स्कीम की धारा 28(7) के अन्तर्गत दीन प्रवान की है, 3 वर्ष की अविधि के जिए उकत स्कीम के संचालन की छुट प्रवान कर दी है।

अनस्ची---1

क्रम सं०	स्थापना का नाम और पता	कोडनं०	ळूट की प्रभावी तिथि	के० भ० नि० आ० की फाईल सं०
بنر جمعتوجه				
1.	मै० मार्गल ट्रेडिंग कम्पनी अजी इम्डम्ट्रीयल एस्टेट, भावनगर रोड कालेज, राजकीट, एन० टी० पी० मी० के पास 360003	সীসें/443S-সী	1-7-91 में 30-6-94 1-7-94 में 30-6-97 1-7-97 सें 3 -6-2000	4/1 08/9 9/ डी एल मा ई

कापी 14	- ,	-,	
2. मैं • पंचशील अस्पताल वैनाराबैंक के पास, हाईबें रोड, रामनगर,	जीजे/23660	1-3-94 से	4/22/97
सावरमती, अह्मदाबाद⊷–5		28-2-97	
		1-3-97 से	
		29-2-2000	
3. मैं० द्रि ^इ ट कम्यूनिकेशन्स प्रा० सि० जवाहर रोड़, राजकोट	र्जाजे/2 45 40	1-3-96 से	4/5/98
		28-2-99	, ,

अनुसूची- 2

- 1. उन्नरे स्थापना के सम्बन्ध में नियांजक (जिसे इसके परचात निवोजक कहा गया है) सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त को एसी विवरणियां भंजंगा और एसा लेखा-जोखा रखेगा तथा निरिक्षण के लिए एसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त समय-समय पर निर्विष्ट करें।
- 2. नियोजक एंसे निरक्षिण प्रभारी का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2-क) के सण्ड के अभीन समय-समय पर निर्देश करें।
- 3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में जिसके अन्तर्गत संवाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तृत किया जाना, बीमा प्रीमीयम का संदाय, लंखाओं का अन्तरण, निरीक्षण प्रभारों का संदाय आदि भी हैं, होने याले सभी व्ययों का बहुन नियोजक व्वारा किया जायेगा।
- 4. निर्माणक, केंग्द्रीय सरकार ब्वारा अनुमीचित सामृहिक बीमा स्कोम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उसमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहु-संख्या की भाषा में उसकी मृख्य बालों का अनुबाद स्थापना के सूचना पट्ट पर प्रविधित करोगा।
- 5. यदि कोई कर्मचारी जो भविष्य निधि या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी रथापना को भविष्य निधि का पहले ही सबस्य है, उसको स्थापना में नियोजिए किया जाता है तो नियोजिक सामृहिक बीमा को सबस्य को रूप में उसका नाम त्रन्त वर्ज करेगा और उसकी बाबस आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा नियम को संदश्त करेगा।
- 6. यदि उक्त स्कोम के अधीन कर्मचारियों के उपलब्ध लाभ बक्यों जाने हैं तो नियांजक सामृहिक वीमा स्कीम के अधीन कर्म-चारियों को उपलब्ध लाओं में सामृहिक रूप से बद्धि किए जाने की व्यवस्था करोगा, जिस्मों कि कर्मचारियों के लिए सामृहिक बीमा स्कीम के अधीन लाभ उपलब्ध लाओं से अधिक अनुकर्ण हों जी उद्यव रकीम के अधीन अनुक्षेय हैं।
- 7 मामहिल बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी येदि हिली कर्मकारी की मत्य पर इस स्कीम के अधीन संदेय राशि में कम है जो कर्मकारी की उस दशा में संदेय होती हुन वह उक्त स्कीम के आधीन ब्रोसा के नियोजक कर्मचारी को ब्रिटिंग परिस्त/ नाम निद्वितिकों की प्रतिकार के रूप में दोनों स्वितियों के बराबर राशि का संदाय करोगा।

- 8. साम्हिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संभोधन संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निध्नि आयुक्त के पूर्व अनुमोदन के विना नहीं किया जायेगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकृत प्रभाव पड़ने की सम्भावना हो वहां क्षेत्रीय शिवष्य निध्नि आयुक्त अपना अनुमोदन बोने के पूर्व कर्मचारियों को अपना डीविंट-कोण स्पष्ट करने का युक्तियक्त अवस्त दोगा।
- 9. यदि किमी कारणवश स्थापना के कर्मधारी भारतीय जीवन बीमा निगम को उस सामृहिक बीमा स्कीम के जिसे स्थापना पहले अपना चूकी है अथीन नहीं रह जाता या इस स्कीम के अवीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाली किसी राशि है कम हो जाए तो रदद की जा सकरी है।
- 10. यदि किसी कारणवृक्ष उस नियत तारीख के भीर र बीमा नियम नियत कर प्रीमियम का संवाय करने में असफल रहता है और पालिसी को व्यपगत होने दिया जाता है तो छूट रब्द की जा सकती है।
- 11. नियोजक दबारा प्रीमियम के संवाय में किए गए क्यितिकम की दशा में उन नत सवस्यों के नाम निव^{क्ष}शतों या विधिक वारिसों को यदि यह छुट दी गई हो तो उकत स्कीम के अन्हर्गत होते बीमा लाभों के संवाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।
- 12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में निर्णाजक इस स्कीम के अधीन वाली किसी सदस्य की गया होने एउ जयके इक्टार नाम निद्यिश्ता/विधिक वारिसों की बीमाकृत राशि संदाय हत्यरता से बीर प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निर्णम में बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर स्विनिद्यन करेगा।

के. ए. दिव्येदी क्षेत्रीय भविष्य निधि आयक्त

मं. 2/1959/डी. एलं. आई./भाग-1/369—जहां असमनी-1 में उल्लिखित नियोजनाओं ने (जिसे इसमों इसके एक्नान उक्त स्थापना कहा गया है) कर्मचारी भिन्छ निधि और प्रकीण उपन्नध अधिनियम. 1952 (1952 का 19) की धारा की उपधारा 2/को के अन्तर्गत छट के लिए आनेहन किया है जिसे इसमों इसके एक्नान उन्हर अधिनियम कहा गया है।

चंकि केन्द्रीय भीवष्य निधि आसकत इस बात से संतर्क्ट है कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई अलग अंशदान सा प्रीभागम की अदायमी किए जिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन सीमा निगम की सामहिक बीमा स्कीम का लाभ सका रहा है जो कि एके कर्मचारियों के लिए कर्मचारी निक्षेप सहबद्ध बीमा स्कीम. 1976 के अन्तर्गत स्थीकार्य नाभी से अधिक अनकाल है। जिसे इसमें इसके एक्चात् स्कीम कहा गया है।

3-59GI/99

अतः उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2 (क) स्वारा प्रवन्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा इसके साथ संलग्न अनुसूची मा उल्लिमित शक्ति के अनुसार केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त ने प्रत्येक उक्त स्थापमा की प्रत्येक के सामने उल्लिमित पिछली तारीख से प्रभावी जिम तिथि में उक्त स्था-

पना की श्रीकीय भिन्धा निष्य आयका, विल्ली ने स्कीम की नारा 28 (7) के अन्तर्गत दील प्रदान की है, 3 वर्ष की अरुधि के लिए उक्त स्कीम के भंचालन की छूट प्रवान कर दी गई है।

अनुसूची---II

ऋ० र	io स्थापनाकानाम और पता	कोड सं०	छूट की प्रभावी तिथि	के० भ० नि० आ० फा० नं०
1.	मैं न्यू विल्ली वाई० एम० सी० ए० जयमिंह रोड, नई	डीएल/1155	1-4-89 से	3/50/98/ डी ०एल०आई०
	विल्ली110001	• •	31-2-92	,
			1-4-92 में	
			31-3-9 5	
			।−4−95 से	
			31-3-98	
			1-4-98 से	
			31-3-2001	
2.	मै॰ प्रेम ब्रादर्स, 73, शारदा नन्द मार्ग, दिल्ली110006	डीएल/160 0	1-12-94 से	3/77/99
			30-11-97	
			1-12-97 से	
			30-11-2000	
3.	मैं एवराईट एजेन्सीस प्रा० लिं० 5, सैंट्रल मार्केंट, पंजाबी	डीएल/6329	1-3-92 से	3/78/99
	त्राग (बंस्ट) नई दिल्ली1 10026		28-2-95	
			1−3−95 से	
			28-2-98	
			1 −3 −98 से	
			28-2-2001	
4.	के के आई० सी० फूड प्रोडक्टन लि०, बी-12, सारेन्य	डीएल/6387	1-3-89 से	3/79/99
	रोड, नई दिल्ली35		29-2-92	•
			1-3-92 से	
			28-2-95	
			1-3-95 से	
			2 8-2-9 8	
			1-3-98 से	
			28 -2-200 1	
5.	मै॰ मैद्रिक्स कुलोधिंग प्रा० लि॰, सी-65/1, मायापुरी	डीएल/8348	1-3-90 से	3/23/98
	इन्डस्ट्रियल एरिया, फेस-II, नई दिल्ली-64	• 1	28-2-93	, 1 -
			1-3-93 से	
			29-2-96	
			1-3-96 से	
			28-2-99	
6.	मैं इनकॉम इन्जॉनियर्स प्रा० लिं० उच्ल्यू ए च-116,	डीएस/8372	1~1~88 से	3/28/98
	मायापुरी इंडस्ट्रियल, एरिया, फेस-I, नई विल्ली-64	-17110012	31-12-90	-1-0100
	y		1-1-91 से	
			31-12-93	
			1-1-94 से	
			31-12-96	
			ा−1 −9 7 से	
			31-12-99	

अनुसूखी-।

- 1. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक (जिसे इसके पश्चात् नियाजक कहा गया है) सम्बन्धि क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त को एसी विवरणियां भेजेगा और लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए एसी स्विधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त समय-समय पर निविष्ट करें :
- 2. नियोजक पुरेसे निरीक्षण प्रभारी का प्रत्यंक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संवाय करोगा जो केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2-क) के खण्ड के आधीन समय-समय पर निर्दोध करो।
- 3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रक्षा जाना विवरणियों को प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संवाय लेखाओं का अन्तरण निरीक्षण प्रभारी का संवाय आदि भी हैं। हांने वाले सभी व्ययों का वहन निर्याजक द्वारा किया जायेगा।
- 4. नियांजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमांदित साम्हिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उसमें संशोधन किया जाये, तद उसे संशोधन की प्रति तथा कर्मधारियों को बहा-संख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद स्थापना के सुनना पट्न पर प्रविशिक्त करेगा ।
- 5. यदि कोई कर्मचारी जो भविष्य निधि या उक्त अधिनियम के अधीन छाट प्राप्त किसी स्थापना को भविष्य निधि का पहले ही सबस्य हो, उसकी स्थापना में नियांषित किया जाना हो तो नियों- जक सामृष्टिक बीमा स्कीम के सबस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त वर्ष करोगा और उसकी बाबत आदश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम संदत्त करोगा।
- 6. यदि उसत स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपरूष्य साभ ज्वायं जाते हैं तो नियोजक सामृहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों में सामृहिक रूप से वृद्धि किए जाने की व्यवस्था करेगा, जिसमें कि कर्मचारियों के लिए सामृहिक बीमा स्कीम के अधीन लाभ उपबंध लाभों से अधिक अमृकूल हों जो उबह स्कीम के अधीन अनुत्रेय हैं।
- 7. सामृहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी रिष्ट किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संबंध राशि से कम है जो कर्मचारी को उस द्या में संबंध हो तो तब यह उक्त स्कीम के आधीन होता तो नियाजक कर्मचारी को शिध बारिस/ नाम निवासित की प्रतिकार के रूप में दोनों राशियों के बरावर राशि का संबाध करेगा ।
- 8. सामूहिक बीमा स्कीम कं उपबन्धों में कोई भी संशोधन संबंधित क्षेत्रीय भिवच्य निधि आयुक्त के पूर्व अनुमंदन के किना नहीं किया जायेगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हिल पर प्रिक्त प्रभाव पड़ने की सम्भावना हो वहां क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमंदन दोने के पूर्व कर्मचारियों को अपना चिष्ट-कोण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवसर घोगा।

- 9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन जीमा निगम को उस सामृहिक बीमा स्कीम के जिसे स्थापना पहले अपना चुकी है अधीन नहीं रह जाता या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाली किसी राशि है कम हो जाए तो रहद की जा सकती है।
- 10. यदि किसी कारणवश उस नियम तारीस के भीतर बीमा निगम नियत कर प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है और पालिसी को व्ययगत होने विया जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है ।
- 11. निशोजक व्यारा प्रीमियम् के संवाय में किए गए व्यक्तिकम की दशा में उन मृत सबस्यों के नाम निवासितों या विधिक वारिसों को यदि यह छूट दी गृह हो तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते बीमा लाभो के संवाय का उत्तरवायित्व नियोजक पर होगा।
- 12. उक्ह स्थापना के सम्बन्ध में निर्माणक इस स्कीम के कधीन आने वाली किसी सदस्य की मृत्यू होने पर उसके हकदार नाम निर्देशितों/विधिक वारिसों की बीमाकृत राशि संवाय सस्परता से अरि प्रत्यंक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक भाह के भीतर सुनिध्वत करेगा।

के. ए. विवर्धदी क्षेत्रीय भविष्य निधि आयक्त

स. 2/डी. एल. आई./एकजम/89/भाग-2/380—जहां अनुसूची-1 में उच्लिखिस नियंक्ताओं ने (जिसे इसमें इसके एक्चास् उक्त स्थापना कहा गया हैं) कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा 2 (क) के अन्तर्गत छूट के विस्तार के लिए आवेषन किया है। जिसे इसमें इसके परभात उक्त अधिनियम कहा गया है।

कृषि केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त इस बात से संतृष्ट हु कि उक्त स्थापना के कर्मकारी कोई अलग अंशदान या प्रीमियम की अदायगी किए बिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम की सामृहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रह है जो कि एसे कर्मचारी के लिए कर्मचारी निक्षंप सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 के अन्तर्गत स्वीकार्य लाभों से अधिक अनुकृत है । जिसे इसमें इसके पश्चात् स्कीम कहा गया है ।

अतः उकत अधिनियम की धारा के उपधारा 2 (क) व्वारा प्रदत्त शिक्तयों का प्रयांग करते हुए तथा अम मंत्रास्य, भारत सरकार/केन्स्रीय सरकार भविष्य निधि आयुक्त की अधिस्वना सं तथा तिथि जा प्रत्यंक स्थापना के नाम के सामने वर्षायी गयी हैं के अनुसरण में तथा संसन्न अनुसूची-2 के निधिरित शर्सों के रहते हुए केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त ने उक्त स्कीम के समी छपबंधों के संचासन से प्रत्यंक उक्त स्थापना को आगे 3 वर्ष की अवधि के लिए छूट प्रदान कर वी हैं जैसा कि संसन्न अनुसूची-1 में उनके नाम के सामने दशाया हैं।

	अनुसूची1							
物 ₹	सं≽ स्थापनाकानामऔर पता	कोड नं०	सरकारी अधिपूचना की सं• वह दिनांक जिसके द्वारा छूट प्रदान की	छूट समाप्ति तिथि	छूट विस्तार तिथि	কৈ০ भ ০ বি০ फাৰ্ন০		
1	2	3	4	5	6	7		
1	मैं० तुमत इलैंक्ट्रोकल कापोरेशन लिं०, पो०बा० नं० 42, रीवा 486001 म०प्र०	एमपी/3073	2/1959/डी०एत०अ⊹ई/ एक्जम/89/भाग–1	31-3-93		2/33 12/91 डी०एल०आई		

अनुसूची-2

- 1. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक (जिसे इसके परचात् नियोजक कहा गया है) संबीधत क्षेत्रीय भिटच्य निधि आयुक्त, को ऐसी विवर्राणयां भेजेगा और ऐसा लेखा-जेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भिवट्य निधि आयुक्त, समय-समय पर निरिद्ध करें।
- 2. नियाजक, एसे निरक्षिण प्रभारी का प्रत्यंक मास की समाप्ति के 15 विन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2-क) के वण्ड के अधीन समय-समय पर निर्वोध करें।
- 3. सामृहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरिजयों का प्रस्तुत किया जाना, वीमा प्रीम्थिम का संदाय, लेखाओं का अंतरण, निरीक्षण प्रभारों का संदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का पहन नियोजक द्यारा किया जायेगा।
- 4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार ध्वारा अनुमोवित सामृहिक नीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और अब कभी उसमें संबोध्य किया जाए, तब उस संबोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य बाली का अनुबाद स्थापना के स्वना उट्ट पर प्रविश्वत करेगा।
- 5. यदि एसा काई कर्मचारी जो भविष्य निर्धि या उकत अभिनयम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना की भविष्य निर्णेश का पहले से ही सदस्य हैं, उसको स्थापना में नियो-जिन किरण जाता हैं ती, नियोजक सामृष्टिक बीमा स्कीम के सदस्य के एप में उसका नाम तुरस्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत जा स्थक प्रीमियम भारतीय जीवन दीमा निगम को संवस्त करेगा।
- 6. यदि उकत स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध साभ बढ़ाये जाते हैं तो नियंजिक सामृष्टिक बीमा स्कीम के अधीन कर्म-चारियों को उपलब्ध लाभों में सामृष्टिक रूप से वृद्धि किए जाने की व्यवस्था करेगा, जिसमें कि कर्मचारियों के लिए सामृष्टिक बीमा स्कीम के अधीन लाभ उपलब्ध लाभों से अधिक अनुकर्ल हाँ जी उक्त स्कीम के अधीन अनुजैय हैं।

- 7. सामृहिक बीमा स्कीम में किसी बाद के हांते हुए भी
 यदि किसी कर्मचारी की मृत्यू पर इस रकीम के अधीन संवये
 राशि से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में
 संवये होती तो जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो नियोजक
 कर्मचारी के विधिक वारिसीं/नाम निवाधिक तो प्रतिकर के रूप
 में दोनों राशियों के बराबर राशि का संवाय करोगा।
- 8. सामृष्टिक बीमा स्कीम के उपबंधों में कोई भी संशोधन संबंधित क्षेत्रीय भिषय निधि आयुक्त के पूर्व अनुमंदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन में कर्मचारियों के हिस पर प्रतिकृत प्रभाव पड़ने की संभाधना हो, वहां क्षेत्रीय भीषय निधि आयुक्त अपना अनुमंदन दोने के पूर्व कर्मचारियों को अपना उच्चित्र वृक्त स्थार दोना ।
- 9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम को उसी सामृहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापना, पहले ही अपना चुकी है, अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाली किसी राशि से कम हो जाए तो वह रब्द को जा सकती है।
- 10. यदि किसी कारणवश नियांशक उस नियत तारीख के भीतर जीवन बीमा नियत कर प्रीमियम का संवाय करने में असफल रह जाता है और पालिसी को ध्यणत होने दिया जाता है तो छूट रवव की जा सकती है ।
- 11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संवाय में किए गए व्यक्तिकम की दशा में उन मृत सबस्यों के नाम निविधितों या विधिक बारिसों को यदि यह छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अंतर्गत होते, तो बीमा लाभों के संवाय का उत्तरवायित्व नियोजक पर होगा।
- 12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सवस्य की मृत्यू होने पर उसके हकदार नाम निविधितां/विधिक वारिसों को बीमाकृत राशि का संदाय बीमाकृत राशि तस्परता से और प्रत्येक दक्षा में भारतीय पीवन तस्परता से और प्रत्येक दक्षा में भारतीय पीवन तस्परता से और प्रत्येक दक्षा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर सनिचित करेगा।

के. ए. विवर्वर्दा क्षेत्रीय भविष्यु निधि आयुक्त मं. 2/1959/डी. एल. आई./एक्जम/89/भाग-1/392 — जहां मेंसर्म भारत डायनिमक लि./भारत सरकार का उदम/कंचनवाग हैंदराबाद-500 258 तथा एक शाखा ए. पी/3487 ने कर्मचारी भिवष्य निधि और प्रकीर्ण उपवन्य अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा 2 (स) के अंतर्गत छूट विस्तार के लिए आर्थदन किया है (जिसे इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है)।

चूं कि मैं केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त इस बात से संतुष्ट है कि स्थापना के कर्मचारी कोई अलग अंशदान या प्रीमियम की अदायगी किये बिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम का लाभ उटा रहे हैं, जोकि ऐसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी निक्षेप सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 के अन्तर्गत स्वीकार्य लाभों से अधिक अनुकूल हैं (जिसे इसमें इसके पश्चात स्कीम कह गया है)।

अतः उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2(ख) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा अम मंत्रालय भारत सरकार/अंन्द्रीय भिक्ष्य निर्धि आयुक्त को अधिस्वना सं. 2/1959/डी. एलं. आई./एक्जम दिनांक 28-1-98 के अनुसरण में तथा संलग्न अनुसूची में निर्धारित श्ली के रहते हुए मी, केन्द्रीय भीवन्य निधि आयुक्त उनत स्कीम के सभी उपबन्धों के संचालन से उक्त स्थापना को और 3 वर्ष को अवधि के लिए छुट प्रवान करता हूं, विनांक 25-09-97 से 24-9-2000 तक लागू होगा जिसमी यह तिथि 24-9-2000 मी शामिल ही।

अनुसूची-1

- 1. उक्त स्थापना के संबंध में नियोजक (जिसे इसके परचात् नियोजक कहा गया है) सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयक्त को एसी थिवरणियों भेजेगा और लेखा रक्षेगा तथा निरीक्षण के लिए एसी सृथिधाएं प्रवान करगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयक्त समय-समय पर निर्दिष्ट करें।
- 2. नियांजक एसे निरीक्षण प्रभारी का प्रत्यंक मास की समाप्ति के 15 विन के भीतर मंदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार उक्त अधि-नियम की धारा 17 की उपधारा (2-क) के खण्ड के अधीन समय-समय पर निर्देश करें।
- 3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तृत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अंतरण, निरीक्षण प्रभारी का संदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जायेगा।
- 4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार व्यारा अनुमीवत सामृष्टिक वीमा स्कीम के नियमों की एक प्रीत और जब कभी उसमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों को वहाँ-संख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अन्वाद स्थापना के सूचना पटट पर प्रदक्षित करेगा।
- 5. यदि कोई कर्मधारी जो भिवष्य निर्धि या उक्त अधिनियम को अधीन छाट प्राप्त किसी स्थापना का भिवष्य निर्धि का पहले ही

- सबस्य है, उसको स्थापना में नियोगित किया जाता है तो नियोन जक सामूहिक बीमा स्कीम के सबस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करोगा और उसकी बाब्स आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम संदत्त करोगा ।
- 6. यदि उक्त स्कीम के अशीय कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ बढ़ाय जाते हैं तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीय कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों में सामूहिक रूप से वृद्धि किए जाने की व्यवस्था करेगा, जिसमें कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन लाभ उपबन्ध लाभों से अधिक अनुकृत हों जो उक्त स्कीम के अधीन अनुष्य हैं।
- 7. सामूहिक बीमा स्कीम भी किसी बात के होते हुए भी मदि किसी कर्मचारी की मृत्यू पर इस स्कीम के अधीन संदाय राशि से कम ही जो कर्मचारी को उस दशा भी संवय हो तो जब वह उक्ता स्कीम के अधीन होता तो नियंजिक कर्मचारी को त्रिधि बारिस/नाम निवासिती को प्रिकार के रूप में दोनों राशियों के बराबर राशि का संवाय करेगा।
- 8. सामूहिक बीमा स्कॉम के उपवन्धों में कोई भी संशोधन संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आगुक्त के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संबोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकृत प्रभाव पड़ने की सम्भावना हो वहां क्षेत्रीय भिष्य निधि आगुक्त अपना अनुमोदन दोने के पूर्व कर्मचारियों को अपना पिट-कोण स्पष्ट करने का गुक्तियुक्त अवसर दोगा।
- 9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निरुम को उस सामृहिक बीमा स्कीम के जिसे स्थापना पहले अपना चुकी है अथीन नहीं रह जाता या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाली किसी राशि से कम हो जाए तो रद्द की जा सकती है।
- 10. यदि किसी कारणवंश उस नियत तारीख के भीतर बीमा निगम नियत कर प्रीमियम का संदाय करने में असफल रह जाता है और पालिसी को व्यपगत होने दिया जाता है से छूट रद्द की जा सकती है।
- 11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में कियो गये व्यतिकाम की दशा में उन मृत सदस्यों के नाम निद्धिता या विधिक विश्वितों को यदि यह छूट दी गई हो तो उन्ह स्कीम को अन्तर्गत होती बीमा लाभों के संदाय का उत्तरविधिक्ष नियोजक पर होगा।
- 12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध मैं नियां जक इस स्कीम के आधीन आने वाले किसी सवस्य की मृत्यु होने पर उसके हकदार नाम निविधितों/विधिक वारिसों को बीमाकृत राशि का संवाय तत्परता से और प्रत्यंक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर स्निध्चित करेगा।

के. ए. विवनेदी अंटीय भविष्य निधि आयुक्त सं. 2/1959/डी. एल. आहर्./भाग-1/223—जहां मंसर्स हाई एनजीं बेट्रीज (हाण्डया) लि. माथूर इण्डोस्ट्र्यल स्टेट, पी. औ. माथूर-622515, पृडुकुट्टाई जिला नजदीक त्रिक्टिपल्ली (टी. एन. 116284) ने कम बारी भिषण्य निधि और प्रकर्णि उपबन्ध विधिनयम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा 2(क्ष) के जन्तर्गत छूट विस्तार के लिए आतंदन किया है (जिसे इसके पश्चास उक्त अधिनियम कहा गया है)।

चूंकि में, केन्द्रीय भिष्य निधि आयुक्त इस वात से संतुष्ट हूं कि उपल स्थापना के कर्मधारी कोई अलग अंशवान या प्रीमियम की अवायगी किए बिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम की सामृहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं जीकि एसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी निक्षेप सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 के अन्तर्गत स्वीकार्य लाभों से अधिक अनुकृष है (जिसे इसमें इसके परचाल स्कीम कहा गया है)।

अतः उक्त अभिनियम की धारा 17 की उपधारा 2 (क) व्यारा प्रदत्त शिक्तयों का प्रयोग करते हुए तथा श्रम मंत्रालय भारत सरकार/केन्द्रीय भिवष्य निधि आयुवत की दिधसूचना एस-35104 (103) 86-एस. एस. -2 दिनांक 10-3-86 के अनुसरण में तथा संलग्न अनुसूची में निर्धारित शर्ती के रहते हुए में, केन्द्रीय भिवष्य निधि आयुक्त उक्त स्कीम के सभी उपबंधा के संघालन से उक्त स्था-पना को और 3 वर्ष की अवधि के लिए छुट प्रदान करता हूं, दिनांक 10-3-89 से 9-3-92 10-3-92 से 9-3-95 तथा 10-3-95 से 9-3-98 तक लागू होगा जिसमें यह तिथि 9-3-98 भी शामिल हैं।

बनुस्बी-2

- 1. उक्त स्थापना के संबंध में नियोजक (जिसे इसमें इसके पश्चात् नियोजक कहा गया है) संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त को एंसी विवरिणयां भंजेगा और एसा लेखा-जीका रहेगा तथा निरीक्षण के लिए एसी सुविधाएं प्रवान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त, समय-समय पर निर्दिध्ट करें।
- 2. नियंजिक एसे निरीक्षण प्रभारी का प्रत्यंक मास की समाप्ति के 15 विन के भीसर संवाय छरेगा को केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2-क) के खण्ड के अधीम समय-समय पर निर्वोध करें।
- 3. सामृहिक बीमा स्कीम के प्रधासन में, जिसके बंतर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरिणयों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अन्तरण, निरीक्षण प्रभारी का संदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का बहुन नियोजक ख्वारा किया जाएगा।
- 4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार व्वारा अनुमोवित सामृहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संशोधन किन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की वहु संख्या की भाषा में उसकी मृख्य बातों का अनुवाद स्थापना के स्चना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।
- 5. यदि कोइ एसा कर्मचारी जी भविष्य निधि या उक्ट अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना की भविष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसकी स्थापना में नियोजित किया जाता

- है तो नियंश्यक सामुहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवर्यक प्रीमियम भार-नीय जीवन बीमा निगम को संदत्त करेगा।
- 6. यदि उनस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपसब्ध साम बहायं जाते हैं तो नियोजक सामृष्टिक बीमा स्कीम के अधीन कर्म-चारियों को उपलब्ध लाओं में सामृष्टिक रूप से वृद्धि किए जानं की व्यवस्था करेगा, जिसमें कि कर्मधारियों के लिए सामृष्टिक बीमा स्कीम के अधीन लाभ उपबन्ध लाभां से अधिक अनुकृत हों जो उन्ह स्कीम के अधीन अनुश्रंय है ।
- 7 सामृहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यू पर इस स्कीम के अधीन संदेय राशि उस राशि से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संदेय होती जब वह उक्त स्कीम को अधीन होता तो नियोजक कर्मचारी के विधिक बारिसों/नाम निदेशिसों को प्रतिकार के रूप में बोनों राशियों के बराबर राशि का संदाय करेगा।
- 8. सामृहिक थीमा स्कीम के उपबन्धों में कां**हें भी संकोधन** संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त के पूर्व अनुमोदन के जिना नहीं किया जायेगा और जहां किसी संकोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकाल प्रभाव पड़ने की सम्भावना हो वहां क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन केने के पूर्व कर्मचारियों को अपना क्षेत्रकाण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवसर देना।
- 9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामृहिक वीमा म्झीम के जिसे स्थापना पहले अपना चुकी है अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों की प्राप्त होने थाली राशि किसी राशि से कम हो जाए तो स्कीम रदद की जा सकती है।
- 10. यदि किसी कारणवश नियंजक उस नियंत तारीख के भीतर जो बीमा निश्म नियंत करें प्रीमियम का संवाय करने में असफल रहता है और पालिसी को व्यपगत होने दिया जाता है तो छुट रद्द की जा सकती है।
- 11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किये गये व्यक्तिकम की दशा में उन मृह सदस्यों के नाम निविधिकों या विधिक वारिसों को यदि यह छूट न दी गई हो सो उक्ल स्कीम के अन्तर्गत होते, बीमा लाभों के संवाय का उत्तरवायित्व नियोजक पर होगा।
- 12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियंजिक इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्य होने पर उसके हकवार नाम निवर्णेशिती/विधिक वारिसी को बीमाकृत राशि का संवाय तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम थे बीमाकृत प्राप्त होने के एक माह के भीतर सुनिश्चित करेगा ।

के. ए. दिवयेदी क्षेत्रीय भिषय निधि आयुक्त

হিনাক ও লগ্নৰ 1999

ग 2/1959/ःि ्ा जिल्हें /नीव-1/398—जहां अनुसूची-1 के उल्लिखित नियास्ताओं ले (जिसे इसमें इसके प्रचात उक्त स्थापना कहा गया है) कर्मचारी भिक्रक निधि और प्रकीण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा की उपथारा 2(क) के अन्तर्गत छूट के लिए आयेदन किया है जिसे इसके प्रचात उक्त अधिनियम कहा गया है।

चूंकि केन्द्रीय भिक्ष्य निधि आयुक्त इस बास से संत्र्य है कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई अलग अंशदार पा प्रीमियम की अवायगी किए बिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम की सामृहिक बीमा स्कीम का साभ उठा रहे हैं जिल कर्मचारी निक्षेप महबद्ध दीमा स्कीम,

1976 के अन्तर्गत स्वीकार्य जाभी से अधिक अनुकर्ण हैं। जिसे इस के परचात् स्कीम कहा गया है।

अतः उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2 (क) त्वारा प्रदन्त शिक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा इसके साथ मंलग्न अनुसूची में उल्लिखित श्रुती के अनुसार केन्द्रीय भिष्यप्र निधि आयुक्त ने प्रत्येक उक्त स्थाना को प्रत्येक के सामने उल्लिखित गिष्ठाली तारीख में प्रभावी जिस विधि से उक्त स्थापना के क्षेत्रीय भिष्ठप्य निधि आयक्त, पिष्टम बंगाल ने स्कीम की धारा 28 (7) के अन्तर्गत ढील प्रदान की है, 3 वर्ष की अविध के लिए उक्त स्कीम के संचालन की छुट प्रदान कर दी है।

अनुसूची—1

羽0	सं० स्थापना का नाम और पता	कोड नं०	छूट की प्रभावी तिथि	के० भ० नि० आ० फा० नं०
1.	मैं वीलीप राय पेकेजिंग एण्डवीटलिंग एण्ड कं प्रा० लिं घदका पों ओं कल्ला सी० एच०713340 असनसोल (पं० वं०)	डब्लूबी/16496	1-7-97 से 30-6-2000	16 (36) 98/স্থীতদ্পত্সাৰ্ছত
	मैं • जेतपुर टी • कं • लि • , धुनसेरी हाऊप , 4-ए , बुटवर्न पार्क कलकत्ता20	डब्लूबी/33275	1-8-96 से 31-7-99	16(8)98/डीएलआई

अनुसूची-1

- 1. उक्त स्थापना के संबंध में नियंजिक (जिसे इसमें इसके परचात् नियंजिक कहा गया है) संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त को एसी विवरणियां भेजेगा और एसा लेखा-जोखा रखेगा कथा निरक्षिण के लिए एसी सृविधाएं प्रवान करेगा जो कोन्द्रीय भिवाल निधि आयुक्त समय-सभय एक निधिक्ट करें।
- 2. नियोजक एसे निरक्षिण प्रभारी का प्रत्यंक मास की समाप्ति के 15 विन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, इक्त अधिनियम की धारा 17 की उपजारा (2-क) के सण्ड के अधीन समय-समय पर निर्देश करें।
- 3. सामृहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अंतर्गत के बाजों का रखा जाना, विधरणियों का प्रस्तृत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेकाओं का अन्तरण, निरक्षिण प्रभारी का संदाय. जावि भी हो, होने वाले मभी व्ययों का बहन नियंजिक द्वारा किया जाएगा।
- 4. नियंजक, केन्द्रीय सरकार व्यारा अनुमीवित सामित्रक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उसमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या की भाषा में उसकी मन्य वानों या अनुमाद स्थापना के सुखना पटट पर प्रवर्धित करेगा।
- 5. यदि कोर्ड कर्मचारी जो भविष्य निधिया उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना की भिष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसकी स्थापना में नियोजित किया जाता है तो नियोजिक सामहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में अपना

नाम सुरन्त वर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमिश्यम भारतीय जीवन बीमा निगम को संदल्त करेगा।

- 6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ बढ़ाये जाते हैं तो नियोजक सामृहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों में सामृहिक रूप से वृद्धि किए जाने की व्यवस्था करेगा, जिसमें कि कर्मचारियों के लिए सामृहिक बीमा स्कीम के अधीन लाभ उपलब्ध लाभों से अधिक अनुकृत हों जो उक्त स्कीम के अधीन अनुजय हैं।
- 7. सामृहिक बीमा स्कीम में किसी बात के हासे हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेय राशि में कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संदेय हो सो जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो नियंजक कर्मचारी के विधिक वारिसों/नाम निवंधिशों को प्रसिक्षर को रूप में दोनों राशियों के वरावन राशि का संदाय करगा।
- 8. सामृहिक बीमा स्कीम के उपबंधी में कोई भी संशोधन संविधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त के पूर्व अनुमंदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकृत प्रभाव पड़ने की संभावना हो, वहां क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन दने के पूर्व कर्मचारियों को अपना इष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवसर होगा।
- गिर्मा किसी कारणका स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामृहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थाबना पहले ही अपना चृकी है, अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाली किसी राशि से कम हो जाए तो उक्त स्कीम रदद की जा सकती है।

- 10. यदि किसी कारणवंश नियांजिक उस नियंत तारील के भीतर जीवन बीमा निगम नियंत करने, प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है और पालिसी को ध्यपगत होने विया जाता है तो छूट रदेव की जा सकती हैं।
- 11. नियोजक व्वारा प्रीमियम के संदाय में किये गये बिना किसी व्यक्तिकम की दशा में उन मृत सदस्यों के नाम निद्रितों या विधिक वारिसों को यदि छूट दो गई होती तो उक्स स्कीम के अन्तर्गत होती, हीमा लाभों के संवाय का उत्तरवायित्व नियंजक पर होगा ।
- 12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के अधीन आनेपाला किसी मदस्य की मृत्य होने पर उसके हकदार नाम निदंशिकों/विधिक वारिसों को वीमाकृत राशि का संदार तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत राशि तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत राशि तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर मुनिश्चित करोगा।

के. ए. विवयंदी क्षेत्रीय भविष्य निधि आयवत

सं. 2/डी. एल. आई./एकजम/89/भाग-4 406---जहां अनस्ची-1 में उल्लिखत नियंक्ताओं ने (जिमें इसमें इसके पश्चीत् उक्त स्थापना कहा गया है) कर्मचारी भविष्य दिश और इकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधीरा 2 (क) के अन्हर्गत छूट के विस्तार के लिए आवंदन किया है। जिसे इसमें इसके एटचाए उक्त अधिनियम कहा गया है।

चूंकि केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त इस बात से संतुष्ट हैं कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई अलग अंशवान या प्रीमियम की अदायगी किए किना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहें हैं जो कि एभे कर्मचारी के लिए कर्मचारी निक्षेप सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 के अन्तर्गत स्वीकार्य लाभों से अधिक अनुकर्ण है। जिने इसमें इसके एंडचान स्कीम कहा गया है।

अतः उक्त अधिनियम की धारा के उपधारा 2 (क) द्वारा प्रदल्त शिक्षियों का प्रयोग करते हुए तथा श्रम मंत्रातय, भारत गरकार/केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त की अधिसूचना मुं. तथा तिथि जो प्रत्येक स्थापना के नाम के सामने दर्शायी गयी है के अनुसरण में तथा संनगन अनुसूची-2 के निधारित शर्ती के रहते हुए केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त ने उक्त स्कीम के सभी उपधंधं के संचालन से प्रत्येक अका स्थापना को आगे 3 वर्ष को स्थित सं रिए छूट प्रदान कर वी है जैसा कि संलग्न अनुसूची-1 में उनके नाम के सामने दर्शाया है।

अनुसूची---1

邪o	सं० स्थापनाकानाम और पत≀ को	ड सं० सरकारी अधिसूचना की सं०व दिनांक जिसके द्वारा छूट प्रदान/विस्तार की गई	भी तिथि	छूट विस्तार की तिथि	के ० भ० नि० आ ० की फा ईल सं०
1.	मैं० एम० एम० टी० सी० कोर नं० 1, डीएर स्कोप कम्पलैक्प, लोधी रोड, नई दिल्ली-110003	त/1267 2/1959/डी०एल०आई/ एनजम/89/पीटी-1 दिनांक 1-8-89	30-9-89	1-10-89 से 30-9-92 1-10-92 से 30-9-95 1-10-95 मे 30-9-98	2/1512/85/ স্তী০एল ০ আর্হ
2.	मै॰ नैसेल इंडिया लि॰, एम-5-5ए कनॉट डी प्लेस, नई दिल्ली-1	एल/4398 दिनाक- 255-98	3-9-97	4-9-97 से 3-9-2000	2/1334/88/ डो०एल०आई०

अनुसूची-1

- 1. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक (जिसे इसके पश्चास नियोजक कहा गया है) सम्बन्धित क्षेत्रीय भिवच्य निधि आयुक्त को एसी विवरणियां भेजना और एसा लेखा-जीसा रक्षेता तथा निरीक्षण के लिए ऐसी स्विभाएं प्रवान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त समय-समय पर निर्दिष्ट करें।
- 2. नियोजक एसे निरीक्षण प्रभारों का प्रत्येक मास की प्रमाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार प्रकत अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2-क) के लण्ड के आधीन समय-समय पर निर्देश करें।
- 3. साम्हिक बीमा स्कीम के प्रशासन में जिसके कस्तर्गत शिवाओं का रखा जाना, विवरिणमें का प्रस्तुत किया जाना, बीमा गिमियम का संदाय, लेखाओं का अंतरण, निरीक्षण प्रभारी का संदाय बावि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन निर्माजक हवारा किया जायेगा।
- 4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार व्यारा अनुमोदित सामृहिक दोमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमां संशोधन किया आये, तब उसे संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहु संख्या की भाषा में उसकी मृख्य बातों का अनुवाद स्थापना के मृचना पट पर प्रविश्ति करेगा 1

- 5. यिष कोई एसा कर्मचारी जो भिषय निर्धिया उसत विध-नियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना की भविष्य निधि का पहले ही सबस्य हैं, उसको स्थापना में नियोजित किया जाता है तो नियोजिक सामृहिक बीमा स्कीम के सबस्य के रूप में उसका नाम सुरन्त वर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा नियम को संबस्त करेगा।
- 7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यू पर इस स्कीम के अधीन संबेय राशि से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संबेय हो को जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो नियोजक कर्मचारी के विधि बारिस/नाम निद्गिशातों की प्रतिकार के रूप में वानी राशियों के बराबर राशि का संवाय करेगा।
- 8. सामृष्टिक श्रीमा स्कीम के उपवंधों में कॉई भी संबोधन संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त के पूर्व अनुमौदम के बिना नहीं किया आएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हिस पर प्रतिकृता प्रभाव पढ़ने की संभावना हो, वहां क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमौदन दों के पूर्व कर्मचारियों को अपना सौक्टकोण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवसर दोगा ।
- 9. बिंद किसी कारणवंध स्थापना के कर्मचारी भाउतीय श्रीवन बीमा निगम की उस सामृहिक बीमा स्कीम के जिसे स्थापना पहले अपना धुकी है अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाली किसी राशि से कम हो आए हो उच्च की जा सकती हैं।
- 10. यदि किसी कारणवंश उस नियंत तारीख के भीतर जीवन बीमा निगम जियत करने प्रीमियम का संवास करने में असफल रहता है और पतिसी को व्ययगत होने दिया जाता है ते छूट रहद की जा सकती है।

- 11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किए गए व्यक्तिकम की दशा में उन मृत सदस्यों के नाम निदं शिक्षों या विधिक वारिसों को यदि यह छुट दी गृई हो तो उक्त स्कीम के अंतर्गत होते बीमा लाभों के संदाय का उत्तरदायिस्व नियोजक पर होगा।
- 12. उक्त स्थापना के संबंध में नियंजिक इस स्कीम के अधीन जाने वाले िकसी सदस्य की मृत्यु क्षाने पर उसके हकदार नाम निविधिक वारिसों की बीमाकृत राशि संवाय तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत प्राप्त राशि तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत राशि प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर स्निचिषत करगा।

के. ए. दिवयंदी क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त

सं 2/1959/डी एल. आई./भाग-1/414—जहां अनुसूची-1 में उल्लिखित नियोक्ताओं ने (जिसे इसमें इसके एक्चाश उक्षत स्थापना कहा गया है) कर्मचारी भविष्य निर्धि और प्रकीण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 को 19) की धारा की उपधारा 2(क) के अन्तर्गत छूट के लिए आवदन किया है जिसे इसके परचात उक्त अधिनियम कहा गया है ।

मू कि केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त इस बात से संतुष्ट हैं कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई अलग अंशवान या प्रीमियम की अवापगी किए बिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम की सामृहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहें हैं जो कि एसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी निक्षेप सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 के अन्तर्गत स्वीकार्य लाभों से अधिक अनुकृत है जिसे इसके परचात् स्कीम कहा गया है।

अतः उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2 (क) द्वारा प्रदत्त शिक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा इसके साथ संलग्न अनुसूची में उल्लिखित शर्तों के अनुसार केन्द्रीय भिवष्य निधि आयुक्त ने प्रत्येक उक्त स्थापना को प्रत्येक के सामगे उल्लिखित पिछली तारीख से प्रभावी जिस तिथि से उक्त स्थापना के क्षंत्रीय भिवष्य निधि आयुक्त, विल्ली ने स्काम की धारा 28 (7) के अन्तर्गत ढील प्रदान की है, 3 वर्ष की अवधि के लिए उक्त स्कीम के संचालन की छूट प्रदान कर वी है।

ऋ०सं०	स्थापना का नाम और पता	कोड सं०	छूट की प्रभावी तिथि	के०भ०नि०आ०फा०नं०
1	2	3	4	5
1.	मै॰ प्रेंटाइस हाल आफ इंडिया	डीएल/	1-7-93 से	3/70/98/डी एल आई
	(मा०) लि०, एम/97, कनाट	2341	3 0- 6-96	, , , ,
	प्लेस, गई विरुली-1 10001		1-7-98 से	
	•		30-6-99	

1	2	3	4	5
2.	मै० बी०के० प्रोजेक्ट कनमलटैटस	डीएल/	1-8-89 से	3/41/98
	प्रा०लि०,सी-4/43, सफदरजंग	6106	31-7-92	
	डक्लपमेंट एरिया, नई विल्ली-16		1-8-92 से	
			3 1-7- 95	,
			1−8−95 से	
			31-7-98	
3,	मैं पी० एस० वेदी एण्ड कं०,	क्टीएल/	1-11-94 से	3/71/98
	ई-43/1, औखला इण्ड० एरिया,	10877	31-10-97	
	फेज-II, नई दिल्ली-20		1119 7 स	
	•		31-10-2000	
4	मै० एक कान पब्लिक स्कूल.	डीएल/	1-1-93 से	3/72/98
	मयूर विहार, फेज-1, नई दिल्ली	12563	31-12-95	
	-110091		1-1-96 से	
			31-12-98	
5.	र्म० एलकान नर्सरी स्क्रूल, मयूर	डीएल/	1−1−93 से	3/73/98
	विहार, फेज-1, नई दिल्ली	12564	31-12-95	
	-110091		1-1-96 से	
			31-12-98	
6.	मै॰ महान फूडस लि॰, 78/3	ढीएल/	1-1-93 से	3/10/96
	जनपथ, दूसरी मंजिल, नई दिल्ली-	1 49 50	31-12-95	
	110001		1-1-96 से	
			31-12-98	

अनुराची-1

- 1. उक्त स्थापना के सबंध में नियोजक (जिसे इसमें इसकें परचात् नियोजक कहा गया हैं) संबंधित क्षेत्रीय भिवष्य निधि आयुक्त को ऐसी विवरिणयां भेजंगा और लेखा-जोखा रखंगा सथा निरीक्षण के लिए ऐसी सूविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त समय-समय पर निविष्ट करें।
- 2. नियंजिक एसं निरीक्षण प्रभारी का प्रत्यंक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2-क) के बंह के अधीन समय-समय पर निवांश करां।
- 3 सामृहिक बीमा स्कीम के प्रशासन म² जिसके अंतर्गत संवालाँ का रका जाना, विवरणियों को प्रस्तूत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संवाय, लेखाओं का अंतरण, निरीक्षण प्रभारी का संवाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक व्वारा किया जाएगा।
- 4. नियंजक, केन्द्रीय सरकार व्वारा अनुमंत्रित सामृष्टिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रीत और जब कभी उसमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहु-संख्या की भाषा में उसकी मृद्य बातों का अनुवाद स्थापना के सृचना पट्ट पर प्रविश्वत करेगा।

- 5. यदि कोई कर्मचारी जो भिवष्य निधि या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना की भिवष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसको स्थापना में नियोजित किया जाता है तो नियोजिक सामृहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबद आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संदत्त करेगा।
- 6. यदि उनत स्कांम के अधीन कर्मशारियों को उपलब्ध लाभ बजाय जाते हैं तो नियाजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्म- सारियों को उपलब्ध लाभों में सामूहिक रूप से वृद्धि किए जाने की ध्यवस्था करोगा, जिसमें कि कर्मशारियों के लिए सामृहिक बीमा स्कीम के अधीन लाभ उपाबन्ध लाभों से अधिक अनुकूत हों जो उसत स्कीम के अधीन अनुकूष हैं।
- 7. सामृहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यवि किसी कर्मचारी की मृत्यू पर इस स्कीम के अधीन संबंध राशि से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संबंध हो तो जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो नियोजक कर्मचारी को विधि बारिस/नाम निविधिशों को प्रतिकार के रूप में विभी राशियों के बराबर राशि का संवाय करेगा।
- 8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन संबंधित कोत्रीय भविष्य निधि आयुक्त के पूर्व अनुमोदन के बिमा नहीं किया आएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकर् प्रभाव पड़ने की संभावना हो वहां क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन बोने के पूर्व कर्मचारियों को अपना दिन्द्रकीण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवसर देगा ।

- 9- यिष किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन वीमा निगम की उस सामृष्टिक थीमा स्कोम के जिसे स्थापना पहले ही अपना चुकी है अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाली किसी राशि से कम हो जाए तो रह्व की जा सकती है ।
- 10 यदि किसीकारणविश उस नियस तारीख के भीतर जीमा जीवन बीमा निगम नियत कर प्रीमियम का संदाय करने में असफल एह जाता है और पालिसी को व्यपगत होने दिया जाता है तो छूट रहद की जा सकती है।
- 11 नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किये गये व्यक्तिकम की दशा में उन मृत सदस्यों के नाम निदिंगिकों या विधिक वारिकों को यदि यह छूट न दी गई हो तो उनस स्कीम के अंतर्गत होते, बीमा लाभों के संदाय का उत्तरदाधित्व नियोजक पर होगा।

12. उन्स स्थापना के सम्बन्ध में नियोषक इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यू होने पर उसके हकदार नाम निविधितां/विधिक वारिसों की बीमाकृत राशि सदाय हत्परता से और प्रस्थेक वहा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत राशि सरपरना से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर स्निविह्य करोगा।

के. ए. **चि्ववंदी** क्षंत्रीय भविष्य निधि आयक्त

विनांक 12 अप्रैल 1999

गं 2/1959/डी एल आई/भाग-1/426—अहां अनु सूची-1 में उल्लिखित नियोकताओं ने (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापना बहु गया है) कर्मचारी भीषण्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 कि उपधारा 2 (व) के अन्तर्गत छूट के लिए आर्थवन किया है। जिसे इसमें इसके पश्चार उक्त अधिनियम कहा गया है।

असः उक्त अधिनियम की धारा 17 के उपधारा 2(क) क्वारा उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई अलग अंशदान या प्रीमियम की अदायगी किए बिना जीवन बीमा के दूप में भारतीय जीवन बीमा निगम की सामृहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहें हैं जोकि एसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी निक्षेप सहबद्ध बीमा स्कीम. 1976 के अंतर्गत स्वीकार्य लाभों से अधिक अनुकृत हैं (जिने इसमें इसके पश्चात स्कीम कहा गया है)।

अतः उक्त अधिनियमं की धारा 17 की उपजारा ? (क) द्वारा प्रदत्त ग्रांकिनयों का प्रयोग करते हुए तथा इसके साथ संलग्न अन्-स्ची में उन्लिखन घताँ के अनसार केन्द्रीय भीषण्य निधि आय्कत ने प्रत्येक छे सामने उल्लिखन पिछली नारीक से प्रभावी जिस तिथि से उक्त स्थापना को क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त दिल्ली ने स्कीम की धारा 28 (7) के अंतर्गत उत्ति प्रदान की है, 3 वर्ष की अवधि के लिए उक्त स्कीम के संजालन की छूट प्रवान कर दी हैं।

अनुसूची-1

		अनुसूचा−1		
ऋ०सं०	स्थापना का नाम और पता	कोड सं०	छूट की प्रभावी _{वि} धि	के ०भ०नि० आ० की फाईल सं०
1.	मै॰ क्लैरीजिस होटल, 12,	डीएल/	1-3-92 से	3/49/98/डीएलआई
	औरगाबाद रोड नई दिल्ली-	5 3 4	7 2 8-2-9 5	
	-110011		1-3-95 से	
			28-2-98	
2.	मैं० नितिन होम एप्पाएनसिंस	डीएल/	1-2-91 से	3/5 /98/डीएलआ ई
	प्रा०लि०, बी-56, माया पुरी	7828	31-1-94	
	इंडस्ट्रीयल एरिया, फैस-1,		1-2-94 से	
	नई दिल्ली – 64		31-1-97	
			1−2−97 से	
			31-1-2000	
3.	मैं० सीबर मोडिया (इंडिया)	डोएल/	1-8-90 से	3/52/98/डीएलआर्ड
	लिं , 708-709, में धवूत, 94	8413	31-7-93	
	ने हरू प्लेस, नई दिल्ली—110019		1−8∽ 93 से	
			31-7-96	
			1−8−96 से	
			3 1-7- 99	
4.	मैं ० अरावली इंटरने शतल अशोका	डीएस∕	1−8−91 सें	3/5 3/ 98/ डीए लआई
7	सेंटर 4 ई/15, झरूडे वाला	8475	31-7-94	
	एक्सटैन्श्रम, पी०वी० नं-5719,		1-8-94 से	
	नई दिल्ली-55		31-7-97	
			18-97 से	
			31-7-2000	

अम्सूची-2

- 1. उयस स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक (जिसे इसकें परचात् नियोजक कहा गया है) सम्बन्धित श्रंत्रीय भीवष्य निधि आयुक्त को ऐसी विवरणियां भेजंगा और लेखा रखेगा सथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रवान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त समय-समय पर निविष्ट करें।
- 2 नियोजक एसे निरोक्षण प्रभारी का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संवाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2-क) के बण्ड के अधीन समय-समय पर निर्दोध करें।
- 3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों को प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अन्तरण, निरीक्षण प्रभारी का संदाय आदि भी है, होने वाले सभी ब्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जाएगा।
- 4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामृहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उसमें संशोधन किया जाए, तब उसे संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहु-संस्था की भाषा में उसकी मूस्य बालों का अनुवाद स्थापना के सूचना पट्ट पर प्रदक्षिल करेगा।
- 5. यदि कोर्ड कर्मचारा जो भविष्य निधि या उक्त विधिनयम के अधीन छुट प्राप्त किसी स्थापना की भविष्य निधि का पहले ही सदस्य हैं, उसको स्थापना में नियोजित किया जाता हैं सो नियोजिक सामृहिक बीमा स्कीम के सवस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम संदत्त करेगा।
- 6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ बढ़ाये जाते हैं तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभी में सामूहिक रूप से बृद्धि किए जाने की व्यवस्था करोगा, जिसमें कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन नाभ उपबंध लाभों में अधिक अनुकूल हों जो उक्त स्कीम के अधीन अनुकूष हैं।
- 7. सामूहिक नीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारों की मृध्य पर इस स्कीम के अधीन मंदरे राशि से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संदरेय होती जब यह उक्त स्कीम के अधीन होता तो नियोजक कर्मचारी को विधिक वारिस/नाम निदंशियों को प्रतिकार के रूप में दोनी राशियों के बराबर राशि का संदाय करेगा।
- 8. साम्हिक बीमा स्कीम के उपबंधी में कोई भी संशीधन संबंधित क्षेत्रीय भिवज्य निधि आय्क्त के पूर्व बन्मोदन के बिना नहीं किया जायेगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकृत प्रभाव पड़ने की सम्भावना हो वहां क्षेत्रीय भिवज्य निधि आयुक्त अपना अनुमीदन देने के पूर्व कर्मचारियों की अपना दिख्कीण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवसर देगा।

- 9. यदि किसी कारणकश स्थापना को कर्मवारी भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामृहिक बीमा स्कीम के जिसे स्थापना पहले ही अपना जुकी है, अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के आधीन कर्मवारियों को प्राप्त होने वासी किसी राशि से कम हो जाए ही यह रव्य की जा सकती है।
- 10. यदि किसी कारणवश उस नियह तारी क के भींसर जीवन बीमा निगम नियत करें, प्रीमियम का संवाय करने भें असफल रहता है और पालिसी को व्ययगत होने दिया जाता है तो छूट रहेद की जा सकती हैं।
- 11. नियोजक व्वारा प्रीमियम के संदाय में किये गये व्यक्तिकम की दशा में उन मृत सदस्यों के नाम निविधितों था विधिक वारिसी को यि यह छूट दी गर्ध होती तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते जीमा लाभों के संदाय का उत्सरवायित्व नियोजक पर होगा।
- 12 उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्क्रीम के अधीन जाने वाले किसी सवस्य की मृत्य होने पर असके हकवार नाम निव्यितिनिधिक वारिसों को बीमाकृत राशि संदाय तत्परता से और प्रत्येक वशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर सनिष्ठिक करोगा।

के. ए. विश्ववेदी कोत्रीय भविष्य निधि जायुक्त

सं. 2/1959/डी. एल. आई./भाग-1/436—आहां अनुसूची-1 में उल्लिखित नियोकताओं ने (जिस इसमें इसकें परवात 'उक्त स्थापना' कहा गया हैं) कमीचारी भविष्य निधि और प्रकीण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा की उपधारा 2 (क) को अंतर्गत छुट को लिए आवंदन किया हैं (जिस इसमें इसके परचार 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं)।

जूं कि केन्द्रीय भिष्य निष्ध आयुक्त इस बात से संतुष्ट है कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई अलग अंखवान या प्रीमियम की अवायनी किए बिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम की सामृहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं जिलि एसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी निक्षंप सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 के अंतर्गत स्वीकार्य लाओं से अधिक अनुकर्ण है (जिसे इसमें इसके परुचात् 'स्कीम' कहा गया है) ।

अतः उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2 (क) व्वारा प्रवत्त शिक्तथीं का प्रयोग करते हुए तथा इसके साथ संतर्न अनुसूची में उदिलाखित शतीं के अनुसार केन्द्रीय भिषय निधि आयुक्त ने प्रत्येक उक्त स्थापना की प्रत्येक के सामने उदिलाखित शिक्ष कि सामने उदिलाखित पिछली तारीख से प्रभावी जिस तिथि से उक्त स्थापना को क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त, दिल्ली ने स्कीम की धारा 28(7) के अंतर्गत ढील प्रवान की है. 3 वर्ष की अविधि के लिए उक्त स्कीम के संचालन की छूट प्रदान कर दी है।

	_0		_
अनस	ч	-	1

予 。	स्थापना का नाम और पता	को ड सं०	छूट की प्रभावी	के०भा०ति० आ०
सं०			तिषि	की फाइल सं०
01.	मैं० गेसटेटनर (इंडिया) लिं∘, 6, की० एस० जफर मार्ग, मई दिल्ली⊢110002	डीएल/3548	1-3-91 सें 28-2-94 1-3-94 सें 28-2-97 1-3-97 से 29-2-2000	3/3 2/98/डोएलआ ई
02.	मैं० गूजराल डिजाईन प्लस ओवर सीज प्रा० लि०, 16, फिरोज गांधी रोड, नई विल्ली—110024	डीएल/14502	1-2-94 से 31-1-97 1-2-97 से 31-1-2000	3/33/98/ डी एलआई
03.	मैं० इनालसा फिलैक्सानिक्स लि०, 11वी मंजिल सूर्या किरन 19, के० जी० मार्ग, नई दिल्ली1	डीएल/18890	1−7−9 7 से 3 0−6−200 0	3/34/98/ डीए लआई
04.	मैं विभुवन इत्जीक्टेबल्स, 8/39, कीर्ति नगर इण्ड॰ एरिया, नई दिल्ली-15	डीएल/4451	1-6-91 से 31-5-94 1-6-94 से 31-5-97 1-6-97 से 31-5-2000	3/35 / 98/ डीएलआ ई
-05.	मै० अरावली इन्टरनेशनल प्रा० लि०, अशोक. सेंटर 4ई/15, झन्डेबालान एक्सटैंशन पी० बी० नं० 5719, नई विल्ली-110055	डीएल/8149	1-8-91 से 31-7-94 1-8-94 से 31-7-97 1-8-97 से 31-7-2000	3/36/98/डीएलआई
06.	मैं० ओ॰ पी॰ जी॰ कम्पयूटर एडिड डिजाईन लि॰, इन्डेयर हाउस, डी॰ एल॰ एफ॰ सॅटर ग्रेटर कैलाश—11, नई दिल्ली −48		1-10-88 से 30-9-91 1-10-91 से 30-9-94 1-10-94 से 30-9-97 1-10-97 से 30-9-2000	3/37/98/ डी एलआई
07.	मैं० एलकोन (इंडिया) डी० डी० ए० शेंड नं० ए~121, ओखला इण्डस्ट्रियल एरिया, फैज-II, नई विरुली-20 केरल	डीएल/8162	1-9-89 崔 31-8-92 1-9-92 崔 31-8-95 1-9-95 崔 31-8-98	3/9/9 7/डी एसआई

वनुसुची-2

- 1 उन्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक (जिसे इसके परवात नियोजक कहा गया है) सम्बन्धित क्षेत्रीय भविषय निधि आयुक्त को एसी विवर्णियां भेजेगा और लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जी केन्द्रीय भविषय निधि जायुक्त समय-समय पर निरिष्ट करें।
- 2. नियोजक एसे निरीक्षण प्रभारी का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करोगा जो केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनयम की धारा 17 की उपधारा (2-क) के खण्ड के अधीन समय-समय पर निर्देश करें।
- 3. सामृहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरिणयों का प्रस्तुत किया जाना, थीमा प्रीभियम का संदाय, लेखाओं का अंतरण, निरीक्षण प्रभारी का संवाय आदि भी हैं, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक व्यारा किया आयेगा।
- 4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामृहिक वीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और अब कभी उसमां संशोधन किया जाए, तब उसे संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहा- बहु संख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अन्वाद स्थापना के स्वना पटल पर प्रवर्धित करेगा।
- 5. यदि कोई कर्मचारी जी भविष्य निधि या उवत अधि-नियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना को भविष्य निधि का पहले ही सवस्य है, उसको स्थापना में नियोजित किया जाता है तो नियोजिक सामृहिक बीमा स्कीम के सवस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त वर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम संवत्त करेगा।
- 6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ बढ़ाए जाते हैं तो नियां जक सामृहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों में सामृहिक रूप से बृद्धि किए जाने की व्यवस्था करेगा, जिसमें कि कर्मचारियों के लिए सामृहिक बीमा स्कीम के अधीन साभ उपबंध लाभों से अधिक अनुकृत हो जो उक्त स्कीम के अधीन अनुक्रेय हैं।
- 7. सामृहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यिव किसी कर्मचारी की मृत्य पर इस स्कीम के अधीन संबेध राचि से कम है जो कर्मचारी को उस बशा में संबेध हो तो एवं बहु उक्त स्कीम के अधीन होगा तो नियोजक अर्मचारी को विधिक बारिसीं/नाम निविधितों को प्रतिकार के रूप में दोनीं राधियों के बराबर राधि का संबोध करेगा।
- 8. साम्हिक बीमा स्कीम के उपवन्धों में कोई भी संशोधन संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया आयेगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रसिक्त प्रभाव पड़ने की सम्भावना हो वहां क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुभेदन देने के पूर्व कर्मचारियों को अपना दिख्कीण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवसर देगा।
- 9. यदि किसी कारणवंश स्थापना क्षें कर्मचारी भारतीय जीवन कीमा निगम की उस सामृहिक बीमा स्क्षीम के जिसे स्थापना पहले जपना चुकी है अधीन नहीं रह जाता या इस स्क्षीम के अधीन

कर्मचारियों को प्राप्त होने वाली किसी राशि से कम हो जावे तो पढ़व की जा सकती हैं।

- 10. यदि किसी कारणवश उस नियत तारीस के भींसर बीमा निगम नियस कर प्रीमीयम का संदाय करने में असफल रह जाता है और पालिसी को व्यपगत होने दिया जाता है तो छूट रदद की जा सकती है।
- 11 नियोजक व्वारा प्रीमियम के संदाय में किये गये व्यक्तिकम की दशा में उन मृत सदस्यों के नाम निविधितां या विधिक वारिसों को यवि यह छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते, बीमा साभौं के संवाय का उत्तरवायित्व नियोजक पर होगा।
- 12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यू होने पर उसके हकदार नाम निदंशिकों/विधिक वारिसों को बीमाकृत राशि संदाय तत्परता से और प्रस्थेक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत प्राप्त तत्परता से और प्रस्थेक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत प्राप्त राशि तत्परता से और प्रस्थेक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के मीतर स्निचित करेगा

के. ए. विवयेती क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त

मं 2/1959/डी एल . आई /भाग-1/449-- जहां अनुसूची-1 में उल्लिखिस नियोक्ताओं ने (जिसे इस में इस के परचात् उक्त स्थापना कहा गया है) कर्मचारी भिंदाष्य निधि और प्रकीण उपवन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 क्यी उपधारा 2(क) के अन्तर्गत छूट के लिए आवंदन किया है जिसे इसके परचात् उक्त अधिनियम कहा गया है ।

चूंकि केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त इस बात से संस्कृट हैं कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई अलग अदावान या प्रीमियम की अवायगी किए बिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम की सामृहिक बीमा स्कीम कर लाभ उठा रहें हैं जांकि एमें कर्मचारियों के लिए कर्मचारी निक्षेप सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 के अंतर्गत स्वीकार्य लाभों से अधिक अनुकृत हैं (जिसे इममें इसके पदचास स्कीम कहा गया हैं)।

अतः उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2(क) द्वारा प्रदल शिक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा इसके साथ संलग्न कन्-सूची में उल्लिखित शर्तों के अनुसार केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त ने प्रत्येक उक्त स्थापना को प्रत्येक के सामने उल्लिखित पिछली नारीक से प्रभावी जिस तिथि में उक्त स्थापना को क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त, विल्ली ने स्कीम की धारा 28(7) के अंतर्गक हीन प्रवान की है, 3 वर्ष की अवधि के लिए उक्त स्कीम कैसंबानन की छूट प्रवान कर दी है।

		अनुसूची-1		
邪 0 सं0	स्थापना का नाम और पता	कोड सं०	छ्ट की प्रभावी े तिथि	के० भ० नि० आ० फाइल सं०
1-	म० बस् एसोसिए गन प्रा० लि०, पॉकेट बी-2, जे- ब्लाक; मार्केट साकेस, नई दिल्ली-110017	डीएन/6609	1-3-90 就 28-2-93 1-3-93 就 29-2-96 1-3-96 就 28-2-99	3/25/98/ग्रीएलआई
2.	में व पौषाक सी-65/1, मायापुरी इंडस्ट्रीयल एरिया, फेस-11, नई विस्ली-64	डीएल /7164	1-3-90 से 28-2-93 1-3-93 से 29-2 -96 1-3-£6 से 28-2-99	3/23/98/डीएलआई
3.	मैं० अधिवती मेडीकल सेक्टी एप्तायन्संस प्रा० लि०, अशोका सेक्टर, 4ई/,15, फण्डेवालान एक्सटे० पी० बी० नं०—5719, नई दिल्ली—55	अ एल/8474	1-8-91 से 21-7-94 1-8-94 से 31-7-97	3/29/98/डीएलआई

अनुस्ची-2

- 1. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक (जिसे इसमें इसके परचात नियोजक कहा गया है) सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त को ऐसी विवरणियां भेजेगा और लेखा जोखा रखेगा तथा निरक्षिण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जी कोन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त समय-समय पर निर्दिष्ट करें।
- 2. नियोजक एरेसे निरक्षिण प्रभारी का प्रत्येक मास की समाप्ति के 1'5 विन के भीतर संदाय करोगा जो केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2(क) के खण्ड के अधीन समय-समय पर निर्देश करों।
- 3. सामृहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में जिसके अन्तर्गा लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तृत किया जाना, बीमा पीमियम का संदाय, लेखाओं का अन्तरण, निरीक्षण प्रभारी का संदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का बहन नियोजक द्वारा किया आयेगा।
- 4. नियोजक, कोन्द्रीय सरकार द्वारा अनुयोदित सामृहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और नव कभी उसमें संशोधन किया जाये, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहु-संख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद स्थापना के सुचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।
- 5. यदि कोई कर्मचारी जी भविष्य निधि या उक्त अधिनियम के अधीन कृट प्राप्त किसी स्थापना की भविष्य निधि का पहले ही संदस्य है, उसकी स्थापना में नियोजित किया जाता है ती नियोजित सम्मिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तूरक वर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम-की संदत्त करेगा।

- 6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपसम्भ लाभ बढ़ाए जाते हैं तो नियोजक सामृहिक बीमा स्काम के अधीन कर्म-चारियों को उपलब्ध लाभों में सामृहिक रूप से वृष्ट्रिध किए जाने की व्यवस्था करेगा, जिसमें कि कर्मचारियों के लिए सामृहिक बीमा स्कीम के अधीन लाभ उपबन्ध लाभों से अधिक अनुकर्ल ही जे उक्त स्कीम के अधीन अनुक्षेय हैं।
- 7. साम्हिक बीमा स्कीम में किसी बात के हाते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यू पर इस स्कीम के अधीन संदेय राशि से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संदेय हो तो जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नाम निदेंशियों को प्रतिकर के एए में दोनों राशियों के बराबर राशि का संदाय करना।
- 8 सामृहिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त के पूर्व अनुसंदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकृत प्रभाव पड़ने की सम्भावना हो वहां क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन देने के पूर्व कर्मचारियों की अपना दिख्लाण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवसर योगा।
- 9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन दीमा निगम की उस सामृहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापना पहले अपना चुकी है, अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वासी किसी राशि से कम हो जाए तो रहद की जा सकतीं है।
- 10. यदि किसी कारणवश नियाजक उस नियत सारीक के भीतर बीमा निगम नियत करे, प्रीमियम का संवाय करने ये कच-फल रह जाता है और पालिसी को व्यपगत होने दिया जाता है हो छुट रख्द की जा संकती है ।

- 11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संवाय में किए गए किसी व्यक्तिकम की बशा में उन मृत सवस्यों के नाम निवर्णियों या विधिक वारिसों को यदि यह छूट दी गई होती तो उकत स्कीम के अंतर्गत होते, बीमा लाओं के संवाय का उत्तरवायित्व नियोजक पर होगा।
- 12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हकदार नाम निविधिक वारिसों को बीमाकृत राशि का संदाक तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय श्रीवन बीमा निगम से बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर सुनिरिक्त करेगा।

के. ए. प्रिवंदी क्षेत्रीय भविष्य निधि आगुक्त

सं. 2/1959/डी. एलं. जाइं./भाग-1/ — जहाँ अनुसूची-1 में उपलिखित नियंक्ताओं में (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापना कहा गया है) कर्मचारी भविष्य निरिध और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उप- धारा 2(क) के अंतर्गत छूट के लिए आवेषन किया है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है)।

चूंकि केन्त्रीय भीवष्य निधि आयुक्त इस बात से संतुष्ट हैं कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई अलग अंशवान या प्रीमियम की अदायगी किए बिना जीवन बीगा के रूप में भारतीय जीवन बीगा निगम की सामृहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहें हैं जोकि एसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी निश्चेष सहबव्ध बीमा स्कीम, 1976 के बंतर्गत स्वीकार्य लाभं से अधिक अनुकृत हैं (जिसे इसमें इसके परचात् स्कीम कहा गया हैं)।

अतः उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपभारा 2(क) बुबारा प्रदत्त शिक्तयों का प्रयोग करते हुए तथा इसके साथ संसम्म अनुसूची में उल्लिखित शर्तों के अनुसार केन्द्रीय भिवष्य निधि आयकत ने प्रत्येक उक्त स्थापना को प्रत्येक के सामने उल्लिखित पिछली तारीख से प्रभावी जिस तिथि गे उक्त स्थापना को क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त तिमलनाडु ने स्कीम की धारा 28 (7) के अंतर्गत दिल प्रदान की हैं, 3 वर्ष की अविध के लिए उक्त स्कीम के संभावन की खूट प्रदान कर दी हैं।

अत	रु	प	[_	1

66

По	सं०	स्थापना का नाम और पता	नोड सं०	छूट की प्रभावी तिथि	के० भ० नि० आ० फा० नं०
<u>.</u>		जी० आर० इन्टरप्राइजेज बी० टी० यू० दरबार हिल्स मार्ग, कोजीन682016	केआर/10495	1-9-89 से 31-8-62	8/110/98
	Alcian	4441 1000 11113 1114111 002010		1 -9-92	
				31-8-95	
				1−9−95 से	
				31-8-98	
	मै० दि	फटिलाइजर्स एण्ड कैमिकल्स त्रवनकोर	केआर/केसी	1 −5−92 से	8/102/98
		फक्ट लि०) अम्बालामेडू692303 तथा	3805	30-4-95	
	मा खाए	-		1–5−95 से	
				30-4-98	
١.	मैं० टार्व	प्रफेयर ऐ-डिविजन ऑफ टाटा टैलकोम	केआर/केके	1-8-91 से	8/102/98
		जला, पालाकाड-678633 (अ1० प्र)	11426	30-7-94	
		·		1894 से	
				31-7-97	
				1-8-97 से	
				31-7-2000	
·	मै० मह	डबरत स्केल सर्विमज मेट्रो ह।उस, स्टट वैं क	केआर/केके	1-9-91 से	8/107/98
	मार्ग, प	ালাক্ড −678014	4657	31-8-94	
				1−1−94 से	
				31-8-97	
5.	मै० इस	तो एस सिपिक्स एण्ड कौसिकरुस आयल	के आ र/5 990 3	।−12−95 से	8/50/97
	क्षिक, उ	खान टावर्स तिसरा तल, पथनामधित्या 45, केरल	-	30-51-98	

अनुसूची-1

- 1. उन्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक (जिसे इसके परवात् नियाजक कहा गया है) सम्बन्धित क्षेत्रीय शिवटय निधि आयुक्त को एरेरी विवर्राणयां भेजेगा और लेखा-जोखा रखेगा तथा निरीक्षण के निए एरेसी सुविधाएं प्रवान करेगा जो केन्द्रीय भिनिष्य निधि आयुक्त नमय-नमय पर निर्विष्ट करें।
- 2. नियांजक एसे निरीक्षण प्रभारी का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जां केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की थारा 17 की उपधारा (2-क) के लण्ड को अधीन समय-समय पर निर्देश करें।
- 3. सामृहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना विवरणियाँ को प्रस्तृत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संवाय, लेखाओं का अंतरण, निरीक्षण प्रभारी का संवाय आदि भी ही, होने वाले सभी व्यथां का वहन नियोजक द्वारा किया ज्ययेगा।
- 4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अन्मोवित सामहिक .(मा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उसमें संदोधन किया जाए, तब उस संघोधन की प्रति तथा कर्मचारियों को वह-संख्या की भाषा में उसकी मृज्य बातों का अनुवाद स्थापना के सूचना पटट पर प्रविधित करेगा ।
- 5. यदि कार्य कर्मचारी जो भीवज्य निरिध या उनस्त अधिनियम को अधीन छुट प्राप्त किसी स्थापना को भीवज्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसकी स्थापना में नियोजित किया जाता है तो नियोजिक साम्हिक बीमा के सदस्य के रूप में उसका नाम त्रन्त वर्ण करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संबस करेगा।
- 6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध ताम बढ़ाए जाते हैं तो नियोजक सामृहिक ग्रीमा स्कीम के अधीन कर्म चारियों को उपलब्ध लाओं में सामृहिक रूप से बृद्धि किए जाने की व्यवस्था करोगा, जिसमें कि कर्मचारियों के लिए सामृहिक बीमा स्कीम के अधीन लाभ उपबन्ध साभी से अधिक अमृहाल हो की उक्त स्कीम के अधीन जन्मैय हैं।
- 7. सामहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होने हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यू पर इस स्कीम के अधीन संदेय राशि उस राशि से कम है जो कर्मचारी को उस उक्षा में संवेय होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिसी/नाम निवेकिसी को प्रतिकर के रूप में दोने राशियों के असबर राशि का संवाय करेगा।
- 8. सामित्रक वीमा स्कीम के उपवंशीं में कोर्ड भी संजोशन संबंधित अंद्रीय अधिकय निष्ध जायका के पर्व जन्मीयन के बिना नहीं किया जाएगा और उहां किसी संबंधित से कर्मचारियों के हिस पर प्रतिकृत प्रभाव पड़ने की सम्भावना हो वहां क्षेत्रीय प्रशिक्त निष्ध जायका अपना अनुसंबन दोने के पर्व कर्मचारियों की जलना इंडिटकोण स्पष्ट करने का युक्तियकन उपसर दोगा।
 5—59 GI/99

- 9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन वीमा निगम की उस सामृहिक बीमा स्क्रीम के, जिसे स्थापना पहले अपना जुकी हैं, अधीन नहीं रह जाता है या इक स्क्रीम के अधीन कर्मचारियों की प्राप्त होने वाली किसी राशि से कम हो जाए तो यह रखद की जा सकती हैं।
- 10 यदि किसी कारणवंश उस नियत तारीस के भीतर जीवन नीमा निगम नियत कर प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है और पालिसी को व्ययगत होने विया जाता है तो छुट रदद की जा सकती है।
- 11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किए गए व्यक्तिकम की द्वा में उन मृत सदस्यों के नाम निविधातों गा विधिक वारिसों को यदि यह छूट दी गई हो तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते बीमा लाभों के संदाय का उत्तरदायित्व निर्धाजक पर होगा।
- 12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यू होने पर उसके हकदार नाम निवाधितां/विधिक वारिसों को बीमाकृत राशि का संवाय तत्वरता में और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर स्निश्चित करेगा।

के. ए. विवयंदी केन्द्रीय भिशन्य निर्मिश आयुक्त

रं 2/1959/डी. एल. आई./भाग-1/468--जहां अन्यची-1 में उल्लिखित नियोक्ताओं ने (जिसे इसमें इसके पदचान उक्त स्थापना कहा गया है) कर्मचारी भित्रिष्ठ निधि और प्रक्रीण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा 2(क) के अंतर्गत छाट के विस्तार के लिए आयेदन किया है (जिसे इसमें इसके पदचान उक्त ाधिनियम कहा गया है)।

चंकि केन्द्रीय भविष्य निधि आग्रकत इस बात से संसष्ट है कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई अलग अंगवान या प्रीमियम की अदायगी किए बिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम की मामृहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं जेकि एसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी निष्टेप सहब्वध बीमा स्कीम 1976 के अंतर्गत स्थीकार्य लाभों ने अधिक अनक ल है (जिसे इसमें इसके एक्सा स्कीम कहा गया है)।

अतः उक्त अधिनियम की गारा 17 की उपधारा 2(क) दवारा प्रवन शिवनयों का प्रयोग करने हांग गंधा एक से गाथ मंजरन अन-सनी मों जिल्लिकित शर्लों के असमार हिन्द्रीय भविष्य निर्धि आयुक्त में प्रत्मेक तक्त स्थापना को प्रत्मेक से प्रभावी जिस निधि में उक्त स्थापना को क्षेत्रीय भिक्य दिधि आयुक्त में प्रभावी जिस निधि में उक्त स्थापना को क्षेत्रीय भिक्य दिधि आयुक्त गुजरात ने स्कीम की धारा 28 (7) के अंत्रमैं दिधि प्रवान की है. 3 वर्ष की अविध के लिए उक्त स्कीम के संनालन की छुट प्रवान कर वी है।

	·	भ	नुस्ची-1	
% सं०	स्थापना का नाम और पता	कोड नं०	खूट की प्रभावी तिथि	के०भ०नि०आ० फाईल नं०
1.	मै० प्रावित पथिकाश्रम कुम्भारिका रोष्ट, अम्बाजी जिला बनसकाचा	जीजें/1563	1-3-95 में 28-2-98	4/56/98/স্থীएলআর্ছ
2.	मै॰ अहमदाबाव डिस्ट्रिम्ट को॰ ओप॰ भिल्क त्रोड्सर्स यूनियन लि॰, सुखराम नगर गौमतीपुर, अहमदाव।द-380021	जीजे/2346	1-2-94 से 31-1-97 1-2-97 से 31-1-2000	4/57/98/ ধী ए ন গাৰ্চ
3.	मै॰ कवाकिया प्लास्टिक्स एण्ड केमिकल्स, 285/1, जी॰आई०डी॰सी० अम्बर गांव-396171	जीजे / 16078	1-10-97 से 30-9-2000	4 /21/98/सीएल् अार्ड्
4.	मै० श्री अम्बेष्वर कैमिकस्स प्लाट मं० 144, जी०आई०डी०सी० अंकलेख्यर-393002	জীजै/1820 0	1-10-97 से 30-9-2000	4/30/98/डीएलआई
5.	मै॰ मोहनलाल दयाल प्रस्ति गृह एण्ड जनरल होस्पीटल, किला-पारवी जिला-बलसाद	जीजें 815 9	1-1-96 से 31-12-98	4 26 97 डीएलआई

अनुस्ची-2

- 1. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियंत्रक (जिसे इसके प्रचात् नियंत्रक कहा गया है) सम्बन्धित क्षेत्रीय भीवच्य निधि बायुक्त को एसी विवरणियां भेजेगा और लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए एसी सुविधाएं प्रवास करेगा जो केखाय भीवच्य निधि बायुक्त समय-समय पर निर्दिष्ट करें।
- 2. नियोजक, एसे निरीक्षण प्रभारी का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 वित्र के भीतर संवाय करेगा जो कोन्द्रीय सरकार, उक्तं अधिनियम की धारा 17 की उपभारा (2-क) के समझ के अधीन समय-समय पर निवर्षेक करें।
- 3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में जिसके बंतर्गत लंखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तृत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संवाय, लंखाओं का अंतरण, निरीक्षण प्रभारी का संवाय आवि भी है, होने वाले सभी क्ययों का बहुन नियोजक बुवारा किया जायेगा।
- 4 नियोजक, केन्द्रीय सरकार व्वारा अनुमोदिस सामृहिक वीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की वह संख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद स्थापना के सूचना पट्ट पर प्रविधित करेगा।
- 5. यदि कांई कर्मचारी जो भविष्य निधि या जनत अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना की भविष्य निधि का पहले ही सबस्य हो, उसको स्थापना मां नियोषिक किया जाता है तो नियोषक सामृहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप मां उसका नाम तुरस्त वर्ष कर्गा और उसकी वाष्ट्र आध्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा नियाम को संबक्त कर्गा।

- 6. यदि उसत स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपसब्ध साभ बज़ाए जाते हैं तो नियोजक सामूहिक थोमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाओं में सामूहिक रूप से वृद्धि किए जाने की व्यवस्था करेगा, जिसमें कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बोमा स्कीम के अधीन साभ उपवन्ध लाओं से अधिक अनुकर्स हों जो उक्त स्कीम के अधीन अमुजोय ही।
- 7. नामहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्य पर इस स्कीम के अधीन संदे राशि से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संदे होती जब वह उसत स्कीम के अधीन होता तो नियोजक कर्मचार के विधि यारिस/नाम निविधिता को प्रतिकार के रूप में बोन राशियों के अन्तर बराबर राशि का मंग्राय करना।
- 8. साम्हिक बीमा स्कीम के उपविभी में काई भी संबोधन संबंधित क्षेत्रीय भविषय निधि आयुक्त के पूर्व अनुमोदन के जिना नहीं किया जायेगा और जहां किसी संबोधन से कर्मचारियों वे हित पर प्रतिकृत प्रभाव पड़ने की सम्भावना हो बहां अचीय भविष्या निधि आयुक्त अपना अनुमोवन वेने के पूर्व कर्मचारियों को अपना दिख्लाण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवसर दोगा।
- 9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामृहिक बीमा स्क्रीम के जिसे स्थापना पहले अपना चुकी है अधीन नहीं रह जाता या इस स्क्रीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाली किसी राशि से कम हो जाए, ते रदद की जा सकती है।
- 10. यदि किसी कारणवृश नियोजक उस नियह तारी के भीतर जीवन बीमा नियम नियह कर प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है और पालिसी को व्यपनत होने दिया जाता है ते छह रदद की जा सकती हैं।

- 11 नियोजक व्यारा प्रीमियम के संवाय में किए गए व्यक्तिकम की दक्षा में उन मृत सर्वस्यों के नाम निविधिकती या विधिक वारिसों को यदि यह छूट दी गई होती तो उकत स्कीम के अंतर्गत होते, बीमा लाभी के संदाय का उत्तरदायित्य नियोजक पर होगा।
- 12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यू होने पर उसके हकदार नाम-निवर्गे किसी/विधिक वारिसों को वीमाकृत राशि का संदाय सल्परता से और प्रत्येक वशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से वीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर सुनिश्चित करेंगा ।

में. ए व्विवेदी क्षेत्रीय भविष्य निधि सांगुबत

दिनांक 13 अप्रील 1999

सं. 2/1959/डी.एल.आई./एक्जम/89/भाग-2/479
-- जहां अनुसूची-। में उल्लिखित नियांक्ताओं ने (जिसे इसमें इसके परचात् उक्त स्थापना कहा गया है) कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकर्णि उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा

17 की उपधारा 2(क) के अन्तर्गत छूट के विस्तार के लिए आधेदन किया है (जिसे इसमें इसके पृश्वात उक्त अधिनियम कहा गर्या है)।

कृति केलीय भविष्य निधि आयुक्त इस बात से संतृष्ट हैं कि उक्त स्थामना के कर्मचारी कोई असग अंग्रहान या प्रीमियम की अवायनी किए जिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम की सामृहिक जीमा स्कीम का लाभ उठा रहें हैं जोकि एसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी निक्षेप सहवद्ध बीमा स्कीम, 1976 के अन्तर्गत स्वीकार्य जाओं से बीधक अनुकृत हैं (विषे पुस्क इसके पश्चाह स्कीम कहा गया हैं)।

अल: उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2(क) द्वारा प्रवत्त शिक्तयों का प्रयोग करते हुए सथा अस मंत्राखय, भारत सरकार/केल्यीय सरकार भिक्या निधि आयुक्त की अधिसूचना सं तथा तिथि जो प्रत्येक स्थापना के नाम के सामने दर्शायी गयी है के अमुसरण में सथा संलग्न अनुसूची-2 के निधिरित शर्ती के रहते हुए केन्द्रीय भिष्ठाय निधि आयुक्त ने उक्त स्कीम के सभी उपबंधों के संचालन से प्रत्येक उक्त स्थापना को आगे 3 वर्ष की अवधि के लिए छूट प्रवान कर दी है जैसा कि संलग्न अमू-सूची-1 में उनके नाम के सामने दर्शाया है।

अनुसूची-I

50 सं o	स्थापना का नाम और पना	कोड सं०	सरकारी अधिसूचना की संत य विनाक जिसके द्वारा छूट प्रदान/विस्तार की गई	• छूट समाप्टि की तिथि	ा छूट विस्तार की तिथि	के अभ० नि० आ० काफा•न०
	मै॰ बादा इंडियः लि॰, 6-ए -एस-एन॰ बनर्जी संगै, कलकत्ता-700013		2/1959/डीएलआई/एक्जम/ 89/पार्ट-1 विनांक-18-3-92	30-11-94	1-1 2-94 से 30-1 1-97	2/2243/89/ डाएलआई
	मैं विसिकों चाफित मंगानस प्राव्हिक, 23 बारव्हनव मुखर्जी मार्ग, कलकत्ता- 700001, तथा माखाएँ	डब्लूबी/ 5003	दिन†क− <i>7</i> −4−9 3	31-10-9 5	1+11-95 से 31-10-98	2/ 34 85/90/ डीएलआई
3.	मैं दूर्गारुट किन तल्त लिं०, पी० ओ० दुर्गापुर- 15	डक्लूमी/ 1 35 3 7	दिनांक- 16-2-96	31-1-98	1-2-98 से 31-1-2001	2/2379/90/ डीएलअ.ई
	मै॰ हंगे तेंद्रज प्रा॰ ति॰, 38, स्टरेंड मार्गे, कलकत्ता— 1 सथा इसकी माखाएँ ।	डब्तूबी/ 25128	दि तौक-4-9 -92	28-2-95	1~3-95 से 28-2-98	2/355 1/9 1/ श्रीप्रस्
	मैं विजूट कार्पोरेगत आफ इडिया लिंव, 1, भेकापेयर सरानी, कलकत्ता-700071	44 - 1	दिनांक-11-1-92 2	86-12-94	27-12-94 से 26-12-97 27-12-97 से 26-12-2000	2/274/79/ डीएलअरई

अन्स्ची-2

- 1. उक्स स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक (जिसे इसके परचार नियोजक कहा गया है) सम्बन्धित क्षेत्रीय भविषय निधि आयुक्त को ऐसी विवर्णायां भेजेगा और लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भविषय निधि आयुक्त समय-समय पर निधिष्ट करें।
- 2. नियोजक एसे निरीक्षण प्रभारी का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2-क) के खण्ड की अधीन समय-समय पर निर्देश करें।
- 3. सामूहिक बीचा स्कीम के प्रशासन में जिसके अंतर्गत लेखाओं का रखा जाना, विधरिणयों की प्रस्तृत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अंतरण, निरीक्षण प्रभारी का संदाय, आदि भी है, होने वाले सभी व्ययं का वहन नियंजिक द्वारा किया जायेगा।
- 4. नियोजक, कन्द्रीय सरकार व्वारा अनुमोवित साम्हिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रीत और जब कभी उनमें संबोधन किया जाए, तब उस संबोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुं-संख्या की भाषा में उसकी मृख्य बातों का बनुवाद स्थापना के सृचनापट्ट पर प्रवर्णित करेगा।
- 5. यदि कोई एसा कर्मचारी जी भविष्य निधि या चक्त अधिनयम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना की भविष्य निधि का पहले स ही रादस्य है, उसकी स्थापना भे नियोजित किया जाता है ही नियोजिक सामूहिक बीमा स्कीम के स्वस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करना और उसकी वाधत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा नियम को संदत्त करना।
- 6. यां व जनत रक्तीम के अधीन कम सारियों को उपलब्ध लाभ बढ़ाए जाते हैं तो नियंजक सामूहिक बीमा स्क्रीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों में सामूहिक रूप से वृद्धि किए जाने की व्यवस्था करेगा, जिसमें कि कर्मचारियों के लिए सामृहिक हीमा स्क्रीम के अधीन लाभ उपलब्ध लाभों से अधिक अनुक्रूल हों जो उक्त स्क्रीम के अधीन अनुष्रीय हैं।
- 7. सामृहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यू पर इस स्कीम के अधीन संदेय रािर सं कम ही जो कर्मचारी को उस दशा में मंदेय हो तो अब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो नियाजक कर्मचारी के विधिक वािरनों। /नाम निद्देशितों को प्रतिकर के रूप में दोनों रािशां के अस्तर के बराबर रािश का संवाय करेगा
- 8. सामृहिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयक्त की पूर्व अन्मीयन के दिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के किन पर प्रतिकाल प्रभाव पष्टे की संभावना हो बला अंजीय भविष्य निधि वायुक्त अपना अनुमीयन बोने के पूर्व कर्मचारियों की अपना इच्छिकोण स्पष्ट करने का युवितयुक्त अवसर दोगा।

9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम की उस साम्बिक बीमा स्कीम के जिसे स्थापना पहले अपना चुकी है अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाली राशि उस राशि से कम हो जाए तो स्कीम रख़्य की जा सकती है ।

- 10. यदि किसी कारणवृश् नियंजिक उस नियंत तारीख के भीतर जो जीवन बीमा निगम नियंत कर प्रीमियम का संवाय करने में अस्फल रहता है और पालिसी को व्यपग्न होने दिया जाता है तो स्कीम रदद की जा सकती है ।
- 11. नियोजक व्वारा प्रीमियम के संदाय में किए गए व्यक्तिम की दशा में उन मृत सदस्यों के नाम निविधितों या विधिक वारिसों को यवि यह छृट वी गई होती तो उक्त स्क्रीम के अंतर्गत होते, बीमा लाभी के संदाय का उत्तरदाधित्व नियोजक पर होगा।
- 12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के अधीन आने धाले किसी सदस्य की मृद्य होने पर उसके हकदार नाम निविधिकां विधिक वारिसों को बीमाकृत राधि का संवाय सदस्यता से और प्रत्येक वशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत राधि प्राप्त होने के एक माह के भीतर मृतिविध्दा करोग ।

के. ए. द्वियंबी क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त

सं. 2/1959/डी. एल. आहं./भाग-1/490—जहां अनुसूची-1 में उल्लिखित नियांक्ताओं ने (जिसे इसमें इसके प्रकात उक्त स्थापना कहा गया है) कर्मचारों भी बण्य निधि और प्रकर्णि उपबन्ध अधिनियम 1952 (1952 का 19) की धारा की उपधारा 2(क) के अंतर्गत छूट के लिए आवंदन किया है (जिसे इसके प्रचात उक्त अधिनियम कहा गया है)।

चूकि केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त इस बास से संतृष्ट हुँ कि उकत स्थापना के कर्मचारी कोई अलग अंशवान या प्रीमिन्यम की अवायनी किए बिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम की सामृहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहें हैं, जिंकि एर्स कर्मचारियों के लिए कर्मचारी निक्षा सहबक्ष बीमा स्कीम, 1976 के अंतर्यत स्वीकार्य लाशी से अधिक अन्कर्ज हैं (जिसे इसमें इसके परचात् स्कीम कहा गया हैं)।

अतः उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2(क) द्वारा प्रदक्त शिक्तयों का प्रयोग करते हुए तथा इसके साथ संस्थन अनु-सूची में उल्लिखित शर्तों के अनुसार केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त ने प्रत्येक के सामने उल्लिखित पिछली तारीख से प्रभावी **िस तिथि** से उक्त स्थापना को क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त दिल्ली ने स्क्रीम की धारा 28 (7) के अन्तर्यंत ठील प्रदान की है, 3 वर्ष की अविध के लिए उक्त स्कीम के संचालन की छूट प्रदान कर दी है।

अनुसूची-1

ऋ∘सं∘ े	स्थापना का नाम और पता	कोड सं०	छूट की प्रभावी सिधि	के० भ० नि० आ ० फा० नं०
1.	मै ० सेंट स्टीफन हास्पीटल,	डी० स०/	1−4−88 से	3/40/98/জী ০ চুল ০ সাই ০
	तीस हजारी, दिल्ली-54	3413	31-3-91	
			1-4-91 में	
			31-3-94	
			1-4-94 म	
			31-3-97	
2.	मैं० होवल्स इंडिया लि०, 1, राज नारायण मार्ग, सिविल लाइंस, दिल्ली–54	र्ड ०एल०/	1-9-89 स	3/42/98
		7953	31-8-92	
			1-9-92 से	
			31-8-95	
			1−9−95 सें	
			31-8-98	
3,	मै ० बक्ष्तावर सिं ह बालकिशन	স্থী ০খু ল ০/	1-9-89 से	3/43/98
	इंजीनियरस प्रा० लि० बोमे हाऊन एल-8, ग्रोन पार्क एक्तटेंशन, नई दिल्ली-110016	8939	31-7-92	•
			1 -8 -92 रेंग	
			31-7-95	
			1-8-95 सें	
			31-7-98	

अनुसूची-2

- 1. उसत स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक (जिसं इसमें इसके परमात नियोजक कहा गया है) सम्बन्धित क्षेत्रीय भविषय निधि आयुक्त को एसी विवरणियां भेजेगा और एसा लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रकान करेगा जी केन्द्रीय भेविष्य निधि आयुक्त समय-समय पर निरिद्ध करें।
- 2. नियोजक एसे निरक्षिण प्रभारी का प्रस्थंक गांस की समित के 15 विन के भीतर संदाय करेगा जी केन्द्रीय सरकार उक्त अभिनियम की धारा 17 की उपधारा (2-क) के खण्ड के अधीन समय-समय पर निर्वोध करें।
- 3. सामृहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में जिसके अन्तर्गते लेखाओं का रखा जाना, विवरिणयों का प्रस्तृत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अन्तरण, निरीक्षण प्रभारी का संदाय आचि भी हो, होने वाले सभी व्ययों का बहुत नियोजक द्वारा किया जायेगा।
- 4. नियां जक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामृहिक जीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उसमें मंद्राधन किया जाए, नब उसे संबोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुं-संख्या की भाषा में उसकी मृख्यः बातों का अनुवाय स्थापना के सचना पट्ट पर प्रवर्षित करेगा।

- 5. यदि कां इं कर्मचारी जा भविष्य निर्धि या उक्त अधि-नियम के अधीन छूट प्राप्त किभी स्थापना की भविष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसके स्थापना में नियां जिल किया जाता है तो नियाजक सामृहिक बीमा स्कीम के सवस्य के रूप में उसका नाम तूरन्त वर्ज करोगा और उसकी दाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा नियम को संदत्त करोगा।
- 6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मधारियों को उपलब्ध लाभ बढ़ाये जाते हैं तो नियोजक सामृहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों में सामृहिक रूप से वृद्धि किए जाने की व्यवस्था करेगा, जिसमें कि कर्मधारियों के लिए सामृहिक बीमा स्कीम के अधीन लाभ उपलब्ध लाभों से अधिक अमृकृत हों जो उक्त स्कीम के अधीन अनुश्रम हैं।
- 7. सामृहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यू पर इस स्कीम के अधीन संदेय राशि उस राशि से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संबेय हां उब बह उबल स्कीम के अधीन हाना हो नियोजक कर्मचारी को विधिक वारिस/नाम निर्देशितों को प्रतिकर के रूप में दोनों राशियों के अन्तर के बराबर राशि का संदाय करोगा।
- 8. साम्हिक बीमा स्कीम के उपबंधां में कोई भी संशोधन मंत्रीय भविष्य निधि आयुक्त के पूर्व अनुमंदम के बिना नहीं किया जाएगा और जाहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रिकृत प्रभाव पड़ने की संभावना हो, वहां क्षंत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन देने के पूर्व कर्मचारियों को अपना इंडिटकोण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवसर देगा ।

- 9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय बीवन वीमा निगम को उस सामृहिक बीमा स्कीम के जिसे स्थापना पहले अपना चुकी हैं अधीन नहीं रह जाता हैं पा इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाली किसी राशि से कम ही जाएं तो यह रदद की जा सकती हैं।
- 10. यदि किसी कारणवध उस नियस सारिक के भीतर बीमा निगम नियत करे, प्रीमियम का संदाय करने म³ असफल रहता है और पालिसी को व्यपगक्ष होने विया जाता है तो छूट रदद की जा सकती है ।
- 11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किए गए किसी व्यक्तिकम की दशा में उन मृत सदस्यों के नाम निदिशिक्षतीं या विधिक वारिसों को जो यवि यह छूट दी गई हो तो उक्त स्कीम के अंतर्गत होते, बीमा लाभों के संदाय का उत्तरवारित्व नियोजक पर होगा।
- 12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के अधीन आने वाली किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हकवार नाम नियाजिती/विधिक वारिसी की बीमाकृत राशि का संवाय तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर सनिधिक्त करेगा।

के. ए. दिवर्षणी क्षंत्रीय भीष्**य निर्मि** आयुक्त सं. 2/1959/डी. एल. आई./भाग-1/499--जहा अनुसूची-1 में उल्लिखित नियोक्ताओं ने (जिसे इसमें
इसके परचात् उक्त स्थापना कहा गया है) कर्मचारी भीवच्य निधि
और प्रकर्णि उपबन्ध अधिनियम 1952 (1952 का 19)
की धारा की उपधारा 2 (क) के अंतर्गत छूट के लिए आर्थवन
किया है। (जिसे इसमें इसके परचान् उक्त अधिनियम
कहा गया है)।

चूंकि केन्द्रीय भिवष्य निधि आयुक्त इस बात से संतुष्ट है कि उक्त स्थापना के कर्मधारी कोई अलग अंग्रदान या प्रीमियम की अदायनी किए बिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम की सामृहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं जोकि एसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी निक्षेप सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 के अंतर्गत स्वीकार्य लाभों से अधिक अनुकूल है (जिसे इसमें इसके पहचात् स्कीम कहा गया है)।

अतः उक्त अधिनियम को धारा 17 की उपधारा 2(क) द्वारा प्रवत्त प्रावित्तयों का प्रयोग करते हुए तथा इसके साथ संलग्न अनु-सूची में उल्लिखित यतों के अनुसार केन्द्रीय भिष्ठप्य निधि आयुक्त ने प्रस्थंक उक्त स्थापना को प्रत्यंक के सामने उल्लिखित पिछली तारीख से प्रभावी जिस तिथि से उक्त स्थापना को क्षेत्रीय भिष्ठप्य निधि आयुक्त, उड़ीसा ने स्कीम की धारा 18 (7) के अंतर्गत छील प्रवान की है, 3 वर्ष की अविध के लिए उक्त स्कीम के संचालन की छूट प्रवान कर की है।

अनुसूची 1

किं सं स्थापना का नाम और पता	कोड नं०	छूट भी प्रभावी तिथि	के० भा० नि० अग० फा० नं०
 मै० पोतर लेटेका लि०, प्लाट नं० 3, सोमानाथपुर, इन्डस्ट्रीयल एस्टेट, रेमुना, बालासीर-75 60 19 	मोआर/4784	1-7-98 से 30-6-99	1 1/5/ 98/बीएलआई

अनुसूची-2

- 1. उक्त स्थापना के संबंध में नियोजक (जिसे इसके पदचात् नियोजक कहा गया हैं) संबंधित क्षेत्रीय भविषय निधि आयुंधत, को एेसी विवरणियां भैजेगा और लेखा रखेगा तथा मिरीक्षण के लिए ऐसी स्विधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भविषय निधि आयुक्त समय-समय पर निविष्ट करें।
- 2. नियोजक एसे निरक्षिण प्रभारी का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जी केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2-क) के संब के अधीन समय-समय पर निर्वोग करें।
- 3 सामिशिक बीमा स्कीम के प्रशासन में जिसके अंतर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरिणयों का प्रस्तृत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संवाय, लेखाओं का अंतरण, निरीक्षण प्रभागी का मंदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन निर्याजक द्वारा किया जाएगा।

- 4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार व्वारा अनुमोदित सामृहिक बीमा स्कीम के नियमी की एक प्रति बीर अब कभी उसमें संबोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति सथा कर्मचारियों की बहु-संख्या की भाषा में उसकी मुख्य बाती का अनुवाद स्थापना के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।
- 5. मिव लोर्ड एसा कर्मचारी को भविष्य निष्य या उन्त अधिनियम के अधीन छुट प्राप्त किसी स्थापना की भविष्य निष्य का पहले ही सबस्य हैं, उसकी स्थापना में नियों जित किया जाता है तो नियों जक सामृहिक बीमा स्कीम के सबस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त वर्ज करोगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संबत्त करोगा।
- 6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ बढ़ाये जाते हैं तो नियाजक सामृहिक बीभा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों में सामृहिक रूप से बृद्धि किए जाने की ध्यवस्था करेगा, जिसमें कि कर्मचारियों के लिए सामृहिक बीमा स्कीम के अधीन लाभ उपलब्ध लाभों से अधिक अनुकृत हों जो उक्त स्कीम के अधीन जन्जीय हैं।

- 7. सामृहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यू पर इस स्कीम के अधीन संबंध राशि से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संबंध हो तो अब वह उक्त स्कीम के अधीन होता सो नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिसीं/नाम निवांशितों की प्रिक्तिर के रूए में बोनें राशियों के बराबर राशि का सैवाय करेगा।
- 8. साम्हिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी मंद्योधन संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त के पूर्व अनुमोदन के विमा नहीं किया जायेगा और अहां किसी संद्योधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकृत प्रभाव पड़ने की संभावमा हो वहां क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन बोने के पूर्व कर्मचारियों को अपना दिष्टकीण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अपनर देगा।
- 9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन योमा निगम की उस सामृहिक धीमा स्कीम के जिसे स्थापना पहले अपना चृकी है अधीन नहीं रह जाता या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने बाली किसी राशि से कम हो जाए तो नव्द की जा सकती हैं।
- 10. यदि किसी कारणवश उस नियत तारील के भीतर जीवन बीमा निगम नियस कर प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है और पालिसी को व्यपगत होने दिवा जाता है तो छूट रवद की जा सकती है।
- 11. नियोजक व्वारा शिमियम के संवाय में किए गए व्यक्तिकम की वर्शा में उन मन सदस्यों के नाम निविधितीं या विधिक ब्रारिसीं को यदि यह छूट वी गई हो ता उकत स्कीम के अंतर्गत होते बीमा लाभी के संवाय का उत्तरवाधित्य नियोजक पर होगा।
- 12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कींध के अधीन आने वाले किसी सवस्य की मृत्यू होने पर उसके हकदार नाम निवाधिकों/विधिक वारिसों की बीमाकृत् राशि का संवाय सत्परता से और प्रत्येक वहा में भारतीय जीवृत बीमा निगम से

बीमाकृत राशि नरूरता से और प्रस्थेक <mark>पशा में भारतीय जीवन</mark> बीमा मिशम से बीमाकृत राशि प्राप्त होते के एक माह के भीतर सुनिश्चित करगा ।

> क्षं. ए. दिववेदी क्षंत्रीय भविष्य निधि आयुक्त

सं 2/1959/डी. एल. आई./एक्जम/89/भाग2/506
--जहां अनुसूची-1 में उल्लिखित नियोक्ताओं ने (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापना कहा गया है) कर्मचारी भविष्य निश्च और प्रकीण उपबंध अभिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा 2 (क) के अन्तर्गत छूट के विस्तार के लिए आवेदन किया है। जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है।

चूंकि केन्द्रीय भिक्ष्य निरिध आयुक्त इस बास सं सहमत है कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई असग अंशदान् या प्रीमियम की अदायगी किए दिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम का जाभ उठा रहे हैं जो कि एसे कर्मचारी के लिए कर्मचारी निक्षेप सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 के अन्तर्गत स्वीकार्य लाभी से अधिक अनुकाल हैं। जिसे इसमें इसके पश्चान् स्कीम कहा गया है।

अतः उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2(क) ब्बारा प्रदत्त शिक्तरों का प्रयोग करते हुए तथा श्रम मंत्रालय, भारत सर्कार/केन्द्रीय भविष्य निधि आमृक्त की अधिसृचना सं. तथा विधि जी प्रत्यंक स्थापना के नाम के सामने दर्शायी गयी है के अनुसरण में नथा मंलग्म अनुस्ची-2 के निर्धारिक शर्ती के रहते हुए केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त ने उक्त स्कीम के सभी उपबंधी के संचालन से प्रत्यंक उक्त स्थापना को आगे 3 वर्ष की अविध के लिए छूट प्रवान कर दी है जैमा कि मंलग्न अनुस्ची-1 में उनके नाम के सामने वर्शाया है।

अमुसूची--- 1

कि० स	तं० स्थापनाकानाम् और पता	कोड सं०	सरकारी अधिसूच्या की संव व विनांक जिसके द्वारा छूट प्रदान/विस्तार की गई	खूद समाप्ति. की तिथि	छूट विस् तार की तिथि	के०अ०नि०आ० की फाईल सु
1	2	3	4	5	6	7
1.	मैं अमर उजाला पब्लिकेशनव सिकन्य मार्ग, आगरा-1 82007	रा यूपी/ 337	एस-35014(446) 82-पीएफ- ^{II} दिनोक- 21-12-82	20-12-85	2 1-12-85 स 2 0-12-88 2 1-12-88 से 2 0-12-91 2 1-12-91 मे 2 0-12-94 2 1-12-94 से 2 0-12-97	2/ 6 15/ 81 शेएलआई

1	2		3	4		5
2.	मैं० अत्मरा लेखर बोर्ड (प्रा०) लि०, 5, इन्डस्ट्रियल स्टेट, नगहाई, आगरा-6, यूपी		एस-35014(240)83- पीएफ-11, दिनांक 22-11-83	21-11-86	$22-11-86 \stackrel{\stackrel{?}{\leftarrow}}{{\rightarrow}}} \\ 21-11-89 \\ 22-11-89 \stackrel{\stackrel{?}{\leftarrow}}{{\rightarrow}}} \\ 21-11-92 \\ 22-11-92 \stackrel{\stackrel{?}{\leftarrow}}{{\rightarrow}}} \\ 21-11-95 \\ 22-11-95 \stackrel{\stackrel{?}{\leftarrow}}{{\rightarrow}}} \\ 21-11-98$	
3.	में पी० सी० सोप एण्ड कें मिकल्प, डाक्टर सोप हाउस, 19/9, खाटन। मार्ग, लोहा मंडी, आगरा	यूपी/ 11914		31-8-96	1-9-96से 31-8-99	2/ 9/डीएलअ।ई/ 95
4.	मैं० श्रीराम होंडा पावर इक्यूपमेंटाले०, विक्षेज, पोस्ट भिगवाडा, वाया, किछा, जिला, उधमसिंह नगर, सूपी-—2 63141	यूपो/ 140 60 3	व ही	24-1-96	25-1-96 से 24-1-99	2/5407/98/ यूपी

अनुश्रुची-2

- 1. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक (जिसे इसके पक्चात नियोजक कहा गया है) सम्बन्धित क्षेत्रीय भविषय निधि आयुक्त को एसी विवरणियां भेथेगा और एसा क्षेत्रा-जीखा रखेगा तथा निरिक्षण के लिए एसी मृष्टिधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भविषय निधि आयुक्त समय-समय पर निदिष्ट करें।
- 2. नियोजक एसे निरीक्षण प्रभारी का प्रत्येक मास की समाप्ति के 1'5 दिन के भीतर संवाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2-क) के खण्ड के अधीन समय-समय पर निवर्षा करें।
- 3. सामृहिक बीमा स्कीम के प्रवासन में जिसके अन्तर्गत लेकाओं का रबा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, वीमा प्रीमियम का संवाय, हेकाओं का अन्तरण, निरीक्षण प्रभारी का संवाय आदि भी है, होंगे वाले सभी अपें का वहन नियोजक दुवारा किया जायेगा।
- 4. नियोजक केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमीवित सामृहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की धहु-संस्था की भाषा में उसकी मृख्य बातों का अनुवाद स्थापना के सूचना पटट पर प्रविधित करेगा।
- 5. यदि कोई कर्मचारी जो भविष्य निधि या उक्त अधि-नियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना की भविष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसको स्थापना में नियोजित किया जागा

है तो नियोजक सामृहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करोगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संदत्त करोगा।

- 6. यिव उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ बढ़ायं जाते हैं तो नियोजक सामृहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों में सामृहिक रूप से वृष्ट्रिक किए जाने की व्यवस्था करेगा, जिसमें कि कर्मचारियों के लिए सामृहिक बीमा स्कीम के अधीन लाभ उपलब्ध लाभी से अधिक अनुकर्ल हो जो उक्त स्कीम के अधीन अनुक्रंय हैं।
- 7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यित्र किसी कर्मचारी की मृत्यू पर इस स्कीम के जभीन संदेय राशि उस राशि से कम है जो कर्मचारी को उस दक्षा में संदेय होती जब वह उक्त स्कीम के अभीन होता तो नियोजक कर्मचारी के विभिक्त कारिस/नाम नियंशितों को प्रितिकार के रूप में वानों राशियों के बराबर राशि का संवाय करेगा।
- 8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन संबंधित क्षेत्रीय भिष्ठिय निधि आयुक्त के पूर्व अनुमीदन के जिना सहीं किया जायेगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रसिक्त प्रभाव पड़ने की सम्भावना हो वहां क्षेत्रीय सविद्या निध् आयुक्त अपना अनुमीदन दोने के पूर्व कर्मचारियों को अपना इण्डिकीण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अधसर दोगा।
- 9. यदि किसी कारणवश रथाएना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगश को उस सामूहिक बीमा स्कीम के जिसे स्थापना पहले अपना चुकी हैं अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाली किसी राणि से कम हों जाये तो स्कीम रख्व की जा सकती है।

- 10. यदि किसी कारणवश उस नियत तारील के भीतार की जीवन बीमा निगम नियस कर प्रीमियम का संवाय करने में असफल रहता है और पालिमी को व्यमत होने दिया जोता है तो छन्ट रख्द की जा सकती है।
- 11. नियंजिक व्वारा प्रीमियम के संवाय में किये गये व्यक्तिकम की वशा में उन मृत सबस्यों के नाम निवंधितों या किथिक वारियों को यदि यह छूट न की गर्द होती तो उकत स्कीम के अंतर्गत होने वाले बीमा लाभों के संवाय का उत्तरवायित्व नियोजक पर होगा।
- 12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियंत्रकः इस स्कीम के अधीन जाने वाले किसी सबस्य की मृत्यू होने पर उसके हकदार नाम निवंधिकों/विधिक बारिसों को बीमाकृत राशि का संवाय तस्परता से और प्रत्यंक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर मुनिश्चित करेगा।

के. ए. दिश्येदी क्षेत्रीय भविष्य निधि वायुक्त

रां. 2/1959/डी. एल. आर्ड./एक्जम/89/भाग-2/516 — अहां. अनुसूची-1 में उल्लिखित नियोक्ताओं ने (जिसे

इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापना कहा गया हैं) कर्मचारी भिष्ठिय निधि और प्रक्षीण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा 2 (क) के अन्तर्गत छूट के विस्तार के लिए आवेदन किया है। जिसे इसमें इसके परचात् उक्त अधिनियम कहा गया है।

चूंकि केन्द्रीय भिवष्य निधि आयुक्त इस बात से संस्ट्र है कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई अलग अंशदान या प्रीमियम की अदायगी किए बिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम की सामृहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं जो कि एसे कर्मचारी के लिए कर्मचारी निक्षेप सहबव्ध बीमा स्कीम, 1976 के अन्तर्गत स्वीकार्य लाभों से अधिक अन्करूल है । जिसे इसमें इसके पश्चात् स्कीम कहा गया है।

अतः उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2 (क) द्वारा शदत शिक्तयों का प्रयोग करते हुए तथा श्रम मंत्रालय, भारत सरकार/केन्द्रीय सरकार भविष्य निधि आयुक्त की अधिस्चना मं तथा तिथि जो प्रत्येक स्थापना के नाम के सामने दर्शायी गयो है के अनुसरण में तथा संलग्न अन्सूची-2 के निधिरित शर्ती के रहते हुए केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त ने उक्त स्कीम के सभी उपधंधीं के संचालन से प्रत्येक उक्त स्थापना को आगे 3 वर्ष की अवधि के लिए छुट प्रदान कर दी है जैसा कि संलग्न अनुस्ची-1 में उनके नाम के सामने वर्णाया है।

अनुसूची---1

ऋ० सं०	स्थापनाकानाप और पता	कोड सं०	मरकारी अधिसूचना की सं० य दिनांक जिसके द्वारा छूट प्रदान/विस्तार की गई	छूट समाप्ति की तिथि	छूट विस्तार की तिथि	के० भ०नि०आ० की फाईल सं०
1	2	3	4	5	6	7
आप	ब्रह्मपुर रोजनन मार्केटिंग को ० ० सोसायटी लि०, खजीरिया ब्रह्मपुर जिला गंजम-760008		2/1959/डीएलआई/एकजम/ 89/1380 दिनांक 14-8-97	28-2-97	1-3-9 7 से 2 9-2-2060	1 1/ 9/9 6/ श्रीएलआई

अन्स्ची 🎞

- 1. उक्त स्थापना के संबंध में नियोजक (जिसे इसकें पश्चात् नियोजक कहा गया हैं) संबंधित क्षेत्रीय भविषय निधि आय्क्त को ऐसी विवरणियां भेजेगा और ऐसा लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सृविधाएं प्रवान करेगा जो केन्द्रीय भविषय निधि आयुक्त, समय-समय पर निर्विष्ट करें।
- 2. नियोजक, एसे निरीक्षण प्रभारी का प्रत्येक जास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संवाय करोगा भी केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2-क) के खण्ड के अधीन समक-समय पर निर्देश करें।
 6--59 GI/99
- 3. सामृहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अंतर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तृत किया जाना, वीमा श्रीमियम का मंदाय, लंखाओं का अंतरण, निरीक्षण प्रभारी का संदाय जावि भी है, होने वाले सभी व्ययं का बहुन नियोजक दयारा किया जायेगा।
- 4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार व्यारा अनुमीवित गामृहिक वीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संकोधन किया जाए, तब उसे संबोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहु-संख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद स्थापना के सचनापट्ट एर प्रदिशित करिया ।

- 5. यदि कोई एसा कर्मचारी भी भविष्य निधि या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना को भविष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसकी स्थापना में नियोचित किया जाता है तो नियोजक सामृहिक बीमा स्कीम के मदम्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संबर्ध करेगा।
- 6. यिव उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ बढ़ाये जाते हैं तो नियंजक सामृहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्म-धारियों को उपलब्ध लाभों में सामृहिक रूप से वृद्धि किए जाने की व्यवस्था करोगा, जिसमें कि कर्मचारियों के लिए सामृहिक बीमा स्कीम के अधीन लाभ उपबंध लाभों से अधिक अनुकृत हो जी उक्त स्कीम के अधीन अनुकेय हैं।
- 7. सामृहिक बीमा स्कीम में किसी बारा के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यू पर इस स्कीम के अधीन संबंध राशि से कम है जो कर्मचारी को उस बहा में संबंध हो तो जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो नियोजक कर्मचारी के बिधिक वारिश/नाम निवंधिता के प्रतिकार के रूप में दोनों राशियों के बराबर राशि का संबंध करेगा।
- 8. सामृहिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संसोधन संबंधित कोशीय भविषय निधि आयुक्त के पूर्व अनुमोदन के विनाः नहीं किया आयोग और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकर्ल प्रभाव पड़ने की सम्भावना हो वहां श्रेत्रीय भविष्य निधि कायुक्त अपना उनुमोदन दोने के पूर्व कर्मचारियों को अपना दिव्ह कोण स्पष्ट करने का योक्तयुक्त अवसर दोगा ।

- 9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय धीवम यीमा निगम को उस सामृहिक बीमा स्कीम के जिसे स्थापना पहले अपना चुकी है अधीन नहीं रह जाता या इस स्कीग के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाली किसी राश्चिस कम हो जाए तो रदद की जा सकती हैं।
- 10. यदि किसी कारणवदा उस नियस तारीख के भीतर यीमा निगम नियत कर प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है और पालिसी को व्यय्गत होने दिया जाता है तो छूट रखद की जा सकती है।
- 11. नियोजक व्वारा प्रीमियम के संवाध में किए गए व्यक्तिकम की व्या में उन मृत सदस्यों के नाम निर्वाकिती वा विधिक वारिसों को यदि यह छूट न दी गई हो तो उन्त स्कीम के अन्दर्गत होते, बीमा लाभी के संवाय का उत्तरवायित्व नियोजक पर होगा ।
- 12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के अभीन जाने वाले किसी सवस्य की मृत्यु होने पर उसके हकदार नाम निविधिकों/विधिक वारिसों को बीमाकृत राधि संवाय तस्परता से और प्रत्येक वज्ञा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत राधि तत्परता से और प्रत्येक वज्ञा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत राधि प्राप्त होने के एक माह के भीतर सुनिश्चित करेगा।

के. ए. विवनंदी क्षेत्रीय अविच्य निष्य वायुक्त

STATE BANK OF INDIA CENTRAL OFFICE

Mumbai, the 20th April 1999

SBD. No. 3/1999.—In terms of clause (c) Sub-Section (1) of Section 52 of the State Bank of India (Subsidiary Banks) Act, 1999, (3 of 1959), the State Bank of India hereby nominate Shri D. P. Roy, Dy. Managing Director & Group Executive (Associates & Subsidiary Group) State Bank of India, Central Office, Mumbai, as a director on the Boards of the following Associate Banks w.e.f. 20-4-99 Vice Shri S. R. Iyer;—

- 1) State Bank of Bikaner & Jaipur
- 2) State Bank of Hyderabad
- 3) State Bank of Indore
- 4) State Bank of Mysore
- State Bank of Patiala
- 6 State Bank of Saurashtra
- 7) State Bank of Travancore

G. G. VAIDYA Chairman

MINISTRY OF LABOUR EMPLOYEES' PROVIDENT FUND ORGANISATION (CENTRAL OFFICE)

14, BHIKAJI CAMA PLACE

New Delhi-110 066, the 7th April 1999
No. 2/1959/DLI/Exemp./89/Pt.I/274.—WHEREAS, the employers of the establishments mentioned in Schedule-I

(hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under Sub-Section 2(A) of Section 17 of the Employees' Provident Fund and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) hereinafter referred to as the said Act.

And whereas the Central Provident Fund Commissioner, is satisfied that the employees of the said establishments are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme).

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-Section 2(A) of Section 17 of the said Act in continuation of the Government of India, the Ministry of Labour/C.P.F.C. Notification No. and date shown against the name of each of the said establishments from the conditions specified in schedule-II annexed hereto the Central Provident Fund Commissioner hereby exempt each of the said establishments from the operation of all the Provisions of the said Scheme a further period of 3 years as indicated in attached Schedule-I against their names.

SCHEDULE-I

S. No.	Name & Address of the establishment	Code No.	No. and date of Govt. Notification vide which exemption was granted/ extended	Date of Expiry	Period for exem	C.P.F.C's, file
	M/s Deccan Polypacks Ltd., 142, Bollarum, Narsapur to Medak Distt. A. P.	AP/Hy/19842	2/1954/DLI/Exem/89 Pt-I/537 dated 25-10-96	31-1-98	1-2-98 to 31-1-20)1	2/4593/DL1
3	M/s Vijai Electricals Ltd. Rudraram-502329 Patancheru (Mandal) Medak Dist.	AP/17868	7-4-93	29 -2-9 6	1-3-96 to 28-2 - 99	2/3033/90/DLI
1	M/s Sandilya General Industries 5-6-5, DR Salicswarm Road Maharanipeta, Visakhapatnam-2	AP/I4020	26-10-90	28-2-93	1-3-93 to 29-2-96 1-3-96 to 28-2-99	2/3064/90
1	I/s Sahuwala Cylindors Ltd, O. Block, Plot No. 242, Auto Nagar, Visakhapatnam	AP/16956	9-9-91	30-9-97	1-10-97 to 30-9-2000	2/3334/9 0

- 1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such account and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Govt. may, from time to time, direct under clause (a) sub-Section (2A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, payment of insurance premia, submission of returns, transfer

- of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended alongwith translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to Life Insurance Corporation of India.

- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/Legal heir(s) of the Employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employee. The Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employee to explain their point of view.
- 9. Where for any reason, the employee of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employee under this Scheme are reduced in any manner the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall liable to be cancelled.
- 11. In case of defaults, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said scheme but for the grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme, this life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominec(s) Legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.

K. A. DWIVEDI Regional Provident Fund Commissioner

No. 2/1959/DLI/Exemp./89/Pt.I/284.--WHEREAS, the employers of the establishments mentioned in Schedule-I (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section 2(A) of Section 17 of the Employees' Provident Fund & Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) hereinafter referred to as the said Act.

And whereas the Central Provident Fund Commissioner, is satisfied that the employees of the said establishments are, without making any separate contribution or payment of premium in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme).

Now therefore, in exercise of the powers conferred by subsection 2(A) of Section 17 of the said Act in continuation of the Government of India, the Ministry of Labour/C.P.F.C. Notification No. and date shown against the name of each of the said establishment from the condition specified in Schedule II annexed hereto the Central Provident Fund Commissioner hereby exempt each of the said establishments from the operation of all the provisions of the said Scheme a further period of 3 years as indicated in attached Schedule-I against their names.

SCHEDULE-1

S. No	. Name & Address of the Establishment	Code No.	No. & Date of Govt. Notification vide which Exemption was granted/ Extended		Period for Exemption	C.P.F.C Rifile No.
1	2	3	4	5	6	7
1	1/s Pary's Confectionerys Ltd. P.B. No2040, Dara House Chennai-1 (6 branches)	TN/245B/ 3450	2/19/9/DLI/Exe n/89/Pi Date 17-2-96	31-3-96	1-4-96 to 31-3-99	2/4018/92/EDLJ
2.	M/s Hunamalayar Mill Ltd. Post Box No. 2, Begampur Post Dindigul-624002	TN/1115	1 7 -2 -9 6	6-5-98	7-5-98 to 6-5-2001	2/859/85/ DLI /90
3.	M/s. Pioncer Engineering Industries B-I, Industrial Estate, Madurai-7	TN/4339A	17-7-92	30-9-94	1-10-94 to 30-9-97 & 1-10-97 to 30-9-2000	2/2339/89
4.	M/s. Shri Ramatinga Mills Ltd. 212, Ramaswamy Nagar, Post Box No. 18, Aruppu- kkottau-626101	TN/5252	26-2-90	3-12-91	4-12-91 to 3-12-94 & 4-12-84 to 3-12-97 & 4-12-97 to 3-12-2000	14/166/96/ D L1
5.	M/s Madurai Distt. Co-op. Spinning Mills Ltd. Malur, Madurai Distt. Tamil Nadu	TN/5518	NIL	18-3-95	19-3 -95 to 18 -3-9 8	2/843/82
6,	M/s Sovereign Engineers (P) Ltd. Post Box No. 4415, Industrial Estate, Post Coimbatore 641021	TN/8467	ó-4-93	3∪-11 - 9	30-11-93 to 30-11-96 to 1-12-96 to 30-11-99	&c

1	2	3	4	5	6	7
_ · 7.	M/s Tamil Nadu State Transport Corp. Villupuram-Division-II, Rangapuram Vellore—9	TN/10209	10-11-97	30-11-97	1-12-97 to 30-11-2000	14(11)95
8.	M/s Mak Controls & Systmes Ltd. 122, Appuswamy Road, Red- fields, Coimbatore—641045	TN/10824	6-4-93	31-10-93	1-11-93 to 31-10-96 & 1-11-96 to 31-10-99	2/ 460 6/92
9.	M/s K. C. Hospitals Medical Trust, Govt. Arts College Road, Coimba- tore—18	TN/10901	17-2-96	31-1-97	1-2-97 to 1-1-2000	2/3190/90
10.	M/s U. R. Foundries, PKD Nagar. P. B. No.—1635 Peelamedu, Coimbatore44	TN/11075	21-7-92	31-12-90	1-1-91 to 31-12-93 & 1-1-94 to 31-12-96 & 1-1-97 to 31-12-99	2/4187/92
11.	M/s Shauthi sales Ltd., 304-A Trichy Road, Singanallur Coimbatore—5	TN/17290	29-2-93	31-3-94	1-4-94 to 31-3-97 & 1-4-97 to 31-3-2000	2/4711/92
12.	M/s Snap Natural & Alginate Products Ltd., Plot-I, Sipcot Industrial Complex, Ranipett— 632403	TN/17716	1-11-95	31-3-96	1-4-96 to 31-3-99	2/4370/92
13.	M/s Elgi Ultra Industries, Elgi House Trichy Road, Coimbatore— 641045 (Formerly knows as Elgi Phytex Ltd.	TN/21440	13-1-94	30-4-95	1-5-95 to 30-4-98 & 1-5-98 to 30-4-2001	2/4285/92
14.	M/s Sri Aarvee Hotel, 34-A, Bharathiar Road, Sidhapudhur, Combatore-641406	TN/21501	6-4-93	31-5-94	1-6-94 to 31-5-97 & 1-6-97 to 30-5-2000	2/4616/92
15.	M/s Southern texspare Manufactures, Venkatesapuram, Ganapaty Coimbatore-6	TN/2/691	24- 2- 93	31-5-92	1-6-92 to 31-5-95 & 1-6-95 to 31-5-98 & 1-6-98 to 31-5-2001	2/4286/92
16.	M/s Shri Ramco Spinners, P.B. No127 Krishnapuram Road, Rajapalayam- 626117	TN/24656	26-3-93	31-12-94	1-1-95 to 31-12-97 & 1-1-98 to 31-12-2000	2/ 4897/ED II
17.	M/s Worth Plastics, 48, New Tiruvalam Road, Katpadi, Vellore-7	TN/23535	23-11-95	31-3-96	1-4-96 to 31-3-99	2 /42 7 4/92
18.	M/s R.S.L. Industries Ltd. Footwear Division, Bangalore Road, Vellore-10	TN/23532	23-11-95	28 -2 -9 7	1-3-97 to 29-2-2000	2/43 75/92
19.	M/s Durairaj Mills (P) Ltd, Pathanaikenpalayam, Pangalur P.O. Avanashi-638459	TN/25002	31-1-94	31-1-96	1-2-96 to 31-1-99	2/ 5174/9 3
20.	M/s Coimbatore Urban Leprosy Bradication Scheme, T-V.S. Nagar, Edayarapolayam, Coimbatore-25	TN/25817	30 -9-9 4	30 -9-9 5	1-10-)5 to 30-9-98	2/51 76/9 3
21.	M/s E.I.D. Parry (I) Ltd., Ranipet-632401	TN/344	19-10-95	31-3-96	1-4-96 to 31-3-99	2/ 3956/92
22.	M/s Mount Mottur Pharmaceuticals Ltd. No16, Norton Road, Mandavellipak- kam Chennai-28	TN/ 59 9	21-8-95	30-9-97	1-10-97 to 30- 9-2 000	2/4485/92

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)
23.	M/s. Seecals Ltd., Sipcot, 8 Rutland Gate, 1V Street, Chennai-600006	TN/9817	2-12-96	30-11-96	1-12-96 to 30-11-99	2/1895/88
24.	M/s. Mahee Engineering Co., Ammankulam Road, PN Palayam Coimbatore-18	TN/10649	25-1-94	30-11-93	1-12-93 to 30-11-96 & 1-12-96 to 30-11-99	2/4413/92
25.	M/s. Unique Shell, 89, SIDCO, Coimbatore-21	TN/10896-A	7-5-93	31-394	1-4-94 to 31-3-97 & 1-4-97 to 31-3-2000	2/ 491 1/ 9 3
26.	M/s. Utilisation Dispensary EID Parry (I) Ltd. Ranipet-632401	TN/11083	16-2-96	31-3-96	1-4-96 to 31-3-99	2/ 4017/92
27.	M/s. Vijayaraja & Co., 120, Sengupta Street, Ramnagav, Coimbatore-9	TN/11467	2-12 -9 1	28-2-94	1-3-94 to 28-2-97 & 1-3-97 to 29-2-2000	2/3912/91
28.	M/s. United Machinery Works (P) Ltd., Bharathi Nagaram, Ganapathy Coimbatore-6	TN/11929	27-4-91	28-2-90	1-3-90 to 28-2-93 & 1-3-93 to 28-2-96 & 1-3-96 to 28-2-99	2/3408/92
29.	M/s. Southern Synthetics Ltd, Plot No. 14, Sipcot Industrial Complex Ranipet-632403	TN/12223	1-12-96	30 -9-9 7	1-10-97 to 30-9-2000	2/2584/90
30.	M/s. Ramu Retroaders, Gopal Begh, 317, Avanashi Road, Coimbatore-18	TN/12279	24-2-93	31-5-91	1-6-91 to 31-5-94 1-6-94 to 31-5-97 1-6-97 to 31-5-2000	2/4287/22
31.	M/s. Mak India (P) Ltd., 122 Appuswamy Naidu layout Redfields, Coimbatore-45	T/N/16021	16-12-97	31-10-96	1-11-96 to 31-10-97	14/821/95
32.	M/s. Mak India (P) Ltd., 122 Appuswamy Naidu layout Redfields, Coimbatore-45.	TN/16021-A	16-12-97	31-10-96	1-11-96 to 31-1 0-99	14/1,51/95
33.	M/s. Avanashi Engineernig Co. Cheyur Rnad, Avanashi-632654	TN/16846	10-5-94	31-3-93	1-4-93 to 31-3-96 & 1-4-96 to 31-3-99	2/3453/91
34.	M/s. Filaments & Windings Industries (P) Ltd., 63, SIDCO Industrial Estate Coimbabtore-641021.	TN/17455	17-2-96	31-1-97	1-2-97 to 31-1-2000	2/4710/92
35.	M/s. Coimbatore Rajendra Industries Avaram Palayam Road, Ganpathy (P.C Coimbatore-641006.	TN/17520 D.)	3-3-94	31-12-93	1-1-94 to 31-12-96 & 1-1-97 to 31-12-99	3/3128/90
36.	M/s. G. Plast (P) Ltd. Gopal Bagh, 316, Avanashi Road, Coimbatore-18.	TN/21235	29-3-93	30-4-91	1-5-91 to 30-4-94 & 1-5-94 to 30-4.97 & 1-5-97 to 30-4-2000	2/ 4726 /92

-/1^	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)
(1),						
37.	M/s. Vijay Syntex (P) Ltd. 8, A. T. T. Colony, Coimbatore-18	TN/21341	3 -8-9 3	28-2 -9 3	1-3-93 t 29-2-96 1-3-96 t 28-2-99	& o 2/ 3260/90
38.	M/s. M. M. & Sons Textiles, Sowripalayam, Coimbatore-28	TN/21346	17-2-96	29-2-96	1-3-96 28-2-99	
39,	M/s. Jaya Lakshmi Machine Works, Bharti Nagar, Coimbatore-6,	TN/21425	3-5-91	28-2-90	1-3-90 28-2-93 1-3-93 t 29-2-96 1-3-96 t 28-2-99	& & & & & & & & & & & & & & & & & & &
40.	M/s. Coimbatore Security (P) Ltd., Gopal Bagh, 317 Vanashi Road, Coimbatore-18	TN/21615	9-12-92	31-12-91	1-1-92 31-12-94 1-1-95 to 31-12-97 1-1-98 31-12-200	& & & & & & & & & & & & & & & & & & &
41.	M/s. Universal Brakes (P) Ltd., S. F. No. 270, 1-B,					
	Pollachi Road, Malumichampatti (PO) Coimbatore-21	TN/11448	13-5-97	28-2-97	1-3-97 to 29-2-2000	2/243 7/9 0
42.	M/s. Tamil Nadu Industrial Explosives Ltd. Katpaddi, Vellore-632059.	TN/23108		31 -3-96	1-4-96 to 31-3-99	2/5385/93
43.	M/s. Sundram Motor No. 180 Anna Salai, Chennai-600006.	TN/1135	2-10-97	28-2-97	1-3-97 to 29-2-2000	
4 4.	M/s, Tirunelveli Sarvodya Sangh, 59, South Car Street, Tiruneveli-627006.	TN/2901	2/1959/DLI/ Exem/89/Pt dt. 13-5-94	31-3-93 ,-I,	1-4-93 to 31-3-96 & 1-4-96 to 31-3-99	2/5310/ DLI/93
45.	M/s. Axels India Ltd., Singaporumal Coil Street, Sri Peramudur-602105 alongwith its office at Chennai.	TN/18793	18 -9-89	31-3-89	1-9-89 to 31-8-92 & 1-9-92 to 31-8-95 & 1-9-95 to 31-8-98.	14/433/DLI/98
46.	M/s. Srce Karthikaya Industries Plot No. 87 & 132, SIDCO Industrial Estate, Ranipet-632403	TN/16900	24-11 -9 5	30-11-97	1-12-97 to 30-11-2000	14/1 02/DLI/9 5
47.	M/s. Jai Motors Ltd., No. 10, Smith Road, Chennai-600002 (alongwith its branches)	TN/11920	26-10-97	30-8-96	1-9-96 to 31-8-99	2/2587/DLI/90
48.	M/s. Automotive Ancillary Services, Mahabalipuram Road, Thosaipakkam, Chennai-96.	TN/8567	1-11-95	28-2-97	1-3-97 to 29-2-2000	2/2596/DLI/90
49.	M/s. I.D.A. Scudder School Association Kalinjur Main Road, Kalingur Vellore-632006.	TN/15854	23-11-9 5	31-1-98	1-2-98 to 31-1-2001	2/3690/DLI/91
50.	M/s. India Metals Industrial, C-12. Industrial Centre, Chennai-32.	TN/19277	23-11-95	28-2-97	1-3-97 to 29-2-2000	2/4059/92
51.	M/s. Vellore Co-Op. Sugar Mills Ltd., Vellore Sugar Mills, P.O. 632519. N.A. Distt.	TN/11117	16-2-96	30 -9-9 7	1-10-97 to 30-9-2000	2/697/ 82

- 1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such account and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Govt. may, from time to time, direct under clause(a) sub-section (2A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended alongwith translation of the selient features thereof in the language of the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/Legal heir(s) of the Employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees, his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

- 9. There for any reason, the employee of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, of the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall liable to be cancelled.
- 11. In case of defaults, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/Legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said Scheme but for the grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme, this Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/Legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.

K. A. DWIVED!
Regional Provident Fund Commissioner

No. 2/1959/DLI/Exemp./89/Pt. I/259,—WHEREAS the employers of the establishments mentioned in Schedule-1 (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under Sub-Section 2(A) of Section 17 of the Employees' Provident Fund & Miscellaneous Provisions Act. 1952 (19 of 1952) hereinafter referred to as the said Act.

And Whereas the Central Provident Fund Commissioner, is satisfied that the employees of the said establishments are, without making any separate contribution or payment of premium in enjoyment of benefit under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme).

Now therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-Section 2(A) of Section 17 of the said Act in continuation of the Government of India, the Ministry of Labour/C.P.F.C. Notification No. and date shown against the name of each of the said establishments from the conditions specified in schedule-II Annexed hereto the Central Provident Fund Commissioner hereby exempt each of the said estalishments from the operation of all the provisions of the said Scheme for a further period of 3 years as indicated in attached Schedule-I against their names.

Schedule-I

Sl. No.	Name & Address of the establishment	Code No.	No. and date of Govt. Notification vide which exemption was granted/ extended	Date of expiry	Period for exempti	C.P.F.C's file No. on
1	2	3	4	5	6	7
1.	M/s Sri Venkateswara grameena bank, P.B. No. Chittoor-517001.	AP /132 73 17	2/1959/DLI/Exem/89 Part-II/dated 3-3-94	30-9-95	1-10-95 to 30-9-98 1-10-98 to 30-9-2001	2/1563/86/DLI
2.	M/s G. Pulls Ready Engineering College, Kurnool-518002 (A.P.)	AP/16295	13-8-97	30-9-95	1-10-95 to 30-9-98 1-10-98 to 30-9-2001	2-31-96

							
1	· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·	3	4	5	6 7		
.3	M/s Mulkanoor Co-op Rural Banks Marketing Society Ltd., Mulkanoor, Bheamadevarapalii Karimnegar Distt- 505471 A.P.	AP/3151	7-2-96	28-2-98	1-3-98 to 1/5 9 /96 28-2-2001		
4.	M/s The Dist Co-op. Central Bank Ltd, Mahatma Gandhi Road P.B. 61, Khammam- 5077003.	AP/2635	24-3-93	31-7-94	1-8-94 to 2/4595/92 31-7-97 1-8-97 to 31-7-2000		
5.	M/s. Visaka Industries Ltd. Vishka towers, 1-8-303/ 6913, S.P. Rd. Secunderabad Dist Medak.	AP/17125	27-10-97	31-1-97	1-2-97 2/2137/89 to 31-1-2000		
6.	M/s. Chowgla Matrix Hobs Ltd. 26-AIE Patancheru Medak Dist-502319.	AP/5726	27-10- 9 7	28-2-98	1-3-98 2/31 77/9 0 28-2- 2 001		
7.	M/s. Administrative Staff College of India, Bellavista, Hyderabad 500082.	AP/11420	21-2-97	30-11-98	1-12-98 2/4241/92 to 30-11-2001		
8.	M/s. Hyderabal Connectro- nics Ltd. 241, Sanzeeva Reddy Nagar, Hyderabad-500038.	AP/5865	27-10-97	31-12-97	1-1-98 2/3178/90 to 31-12-2000		
9.	M/s Andhra Bank Formens Service, Co-op. Society Ltd., Kurui Warangal Dist-506105.	AP/5855	3-3-94	30 -9-9 5	1-10-95 2/4113/92/ to EDL1 30-9-98 1-10-98 to 30-9-2001.		

- 1. The employer in relation to each of the said establishments (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such account and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Govt, may from time to time, direct under clause(a) sub-Section (2A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, alongwith translation of the salient feature thereof in the language of the majority of the employees, 7-59 GI/99

- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and hav necessary premium in respect of him to Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the .3 oup Insurance Scheme if on the death of an employee the amount payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall now be liftened to the nominee(s)/Legal heir(s) of the Employee as compensation.

- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees' his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain point of view
- 9. Therefore, any reason the employer of the said establishment dr not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, of the benefits to the employees under this Scheme are reduce in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc., within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominec(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme, this Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/Legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respects.

K. A. DWIVEDI Regional Provident Fund Commissioner No. 2/1959/DLI/Exemp./89/Pt. 1/360,—WHEREAS the Employer of the establishment mentioned in Schedule-I (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under Sub-Section 2(A) of Section 17 of the Employees' Provident Fund and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) hereinafter referred to as the Said Act.

AND WHEREAS the Central Provident Fund Commissioner is satisfied that the employees of the said establishments are without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said scheme).

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-Section 2(A) of the Section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in Schedule-II annexed hereto, the Central Provident Fund Commissioner kereby exempt each of the said mentioned establishments in Schedule-I from the date mentioned against each from which date relaxation order under Para 28(7) of the said Scheme has been granted by the Regional Provident Fund Commissioner, Gujarat from the operation of the said Scheme for a period of 3 years,

SCHEDULE-I

Sl. No.	Name & Address of the Establishment	Code No.	Effective Date of Exemption	C.P.F.C'S File No.
1.	M/s. Marshal Trading Company Aji Industrial Estate, Bhavnagar Road College, Rajkot Nr., NTPC-360003	GJ/4438-В	1-7-91 to 30-6-94 1-7-94 to 30-6-97 1-7-97 to 30-6-2000	4 ₁ 108 ₁ 99 ₁ DLI
2.	M/s. Panchsil Hospital, Nr. Canara Bank, Highway Road, Ramnagar Sabamati, Ahmedabad-5	GJ/23660	1-3-94 to 28-2-97 1-3-97 to 29-2-2000	4/2 2/97/ DLI
3.	M/s. Drishty Communications Pvt. Ltd., Jawahar Road, Rojkot.	GJ/24540	1-3-96 to 28-2-93	4/5/98/DLI

- 1. The employer in relation to each of the said cstablishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such account and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government, may from time to time, direct under clause (a) sub-section (2A) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of account, submission of returns, payment of insurance premia, transfer accounts, playment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended alongwith translation of the salient feature thereof in the language of the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee, who is already a member of the imployees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said scheme.

- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heir(s) of the Employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employee. The Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.
- 9. Where for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, of the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 11. In case of defaults, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said scheme but for the grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme, this life Insurance Corporaton of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee (s)/legal heir (s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.

K. A. DWIVEDI Regional Provident Fund Commissioner

No. 2/1959/DLI/Exemp./89/Pt. 1/369.—WHEREAS the Employer of the establishments mentioned in Schodule-I (hereinafter referred to as the said establishments) have applied for exemption under Sub-Section 2(A) of Section 17 of the Enuployees' Provident Fund and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) hereinafter referred to as the Said Act.

AND WHERFAS the Central Provident Fund Commissioner is satisfied that the employees of the said establishments are without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the employee' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said scheme).

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-Section 2(A) of the Section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in Schedule-II annexed hereto, the Central Provident Fund Commissioner hereby exempt each of the said mentioned establishments in Schedule-I from the date mentioned against each from which date relaxation order under Para 28(7) of the said Scheme has been granted by the Regional Provident Fund Commissioner, Delhi from the operation of the said Scheme for a period of 3 years.

SCHEDULE-1

Sl. No.	Name & Address of the Establishment	Code No.	Effective Date of Exemption	C.P.F.C.S File No.
1	22	3	4	5
1.	M/s New Delhi Y.M.C.A., Jai Singh Road, New Delhi-110001	DL/1155	1-4-89 to 31-3-92 1-4-92 to 31-3-95 1-4-95 to 31-3-98 1-4-98 to 31-3-2001	3/50/98/ D Lt
2.	M/s Prem Brothers 73, Shardha Nand Marg, Delhi-6	DL /1600	1-12-94 to 30-11-97 1-12-97 to 30-11-2000	3/ 77/99/DL I
3.	M/s Everite Agencies Pvt. Ltd., 5, Central Market, Punjabi Bagh (West) New Delhi-26	DL/632 9	1-3-92 to 28-2-95 1-3-95 to 28-2-98 1-3-98 to 28-2-2001	3/ 78/99/DL I

1	2	3	4	5
4	M/s K.I.C. Food Products Ltd., B-12, Lawrance Road, New Delhi-35	DL/6387	1-3-89 to 29-2-92 1-3-92 to 28-2-95 1-3-95 to 28-2-98 1-3-98 to 28-2-2001	3/79/99/DLI
5,	M/s. Matrix Clothing Pvt. Ltd., C-65/1, Mayapuri, Industrial Area, Phase-II, New Delhi-110064	DL/8348	1-3-90 to 28-2-93 1-3-93 to 29-2-96 1-3-96 to 28-2-99	3/23/9 ₈ /DL(
6,	M/s. Encom Engineering Pvt. Ltd., WH-116, Mayapuri Industrial Area, Phase-1, New Delhi-110064	DL/8372	1-1-88 to 31-12-90 1-1-91 to 31-12-93 1-1-94 to 31-12-96 1-1-97 to 31-12-99	3/28/98,DLI

- 1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) sub-section (2A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Centra-Provident Fund Commissioner 45 and when amended alongwith translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/Legal heir(s) of the Employee as compensation
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employee. The Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employee to explain their point of view.

- 9. Where for any reason, the employee of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, for the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall liable to be cancelled.
- 11. In case of defaults, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal beir(s) of deceased member who would have been covered under the said Scheme but for the grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme, this life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/Legal heir(s) of the deccased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.

K. A. DWIVEDI Regional Provident Fund Commissioner

No. 2/1959/DLI/Exemp./89/Pt.I/380.—WHEREAS the employers of the establishments mentioned in Schedule-I (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section 2(A) of Section 17 of the Employees' Provident Fund & Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act).

AND WHEREAS the Central Provident Fund Commissioner, is satisfied that the employees of the said establishments are, without making any separate contribution or payment of premium in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India, in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976, (hereinafter referred to as the said Scheme).

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of Section 17 of the said Act in continuation of the Government of India, the Ministry of Labour/C.P.F.C. Notification No. and date shown against the name of each of the said establishments from the conditions specified in Schedule-II annexed hereto, the Central Provident Fund Commissioner hereby exempt each of the said establishments from the operation of all the Provisions of the said Scheme a further period of 3 years as indicated in attached Schedule-I against their names.

<u>-</u>		SCHEDULE-I				
S. Name & Address of the No. Establishment	Code No.	No. & Date of Govt. Notification vide which Exemption was granted/Extended	Date of Expiry	Period for Exemption	C.P.F.C. File No.	••
1. N/s. Tumus Electric Corpn. Ltd., Poss Box No.4 1, Rewa—486001 (M.P)	MP/3973	2/1959/DLI/Exem./ Pt.1 dt. 4-10-91	31.3.93	1.4-93 to 31-296	2/3312/91	

SCHEDULE-II

- 1. The employer in relation to each of the said establishmens (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such account and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) Sub-Section (2A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended along-with translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act. is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees that the benefits admissible under the said Scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death on an employee the amount payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominec(s)/legal heir(s) of the employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees. The Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employee to explain their point of view.
- 9. Where for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, of the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

- 10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 11. In case of dafault, if any, made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said Scheme but for the grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme, this Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/Legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.

Regional Provident Fund Commissioner

The 9th April 1909

No. 2/1959/DLI/Exemp./89/Pt. 1/392.—Whereas M/s. Bharat Dynamics Ltd. (A Govt. of India Interprises, Kanchanbagh, Hyderabad and its branches 50028 AP/3487 have applied for exemption under Sub-Section (2B) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) hereinafter referred to as the said Act:—

AND WHEREAS the Central Provident Fund Commissioner is satisfied that the employees of the said establishments are without making any seperate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said scheme).

NOW, THEREFORE, in exercise of the power conferred by sub-Section (2B) of Section 17 of the said Act and In continuation of the Government of India in the Ministry of Labour notification 2/1959/DLI/Exem/89/Pt.I dated 28-1-98 and subject to the conditions specified in Schedule-II annexed hereto, to the Central Provident Fund Commissioner, hereby exempt the above said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a further period with effect from 25-9-97 to 24-9-2000 upto and inclusive of the 24-9-2000

- 1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) sub-section (2A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, payment of insurance premia, submission of returns transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishments, copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended alongwith translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund on the Provident Fund of as establishment exempted under the said Act, is employed in hils establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to Life Insurance Conporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.
- 7. Notwithstanding unything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nomnee(s)/Legal heir(s) of the Employee as compensation
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employee. The Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employee to explain their point of view.
- 9. Where for any reason, the employee of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, of the benefits to the employee under this Scheme are reduced n any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall liable to be cancelled.
- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said scheme but for the grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme, this Life Insurance Corporation of

India shall insure prompt payment of the sum assured to the nomineo(s)/Legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.

Regional Provident Fund Commissioner

No. 2/1959/DLI/Exemp./89/Pt.1/386.—WHEREAS the M/s. High Energy Batteries (India) Ltd., Mathur Industrial Estate P.O. Mathur-622515, Pudukottai Diett. Near Trichirapalli ((TIV/16284) have applied for exemption under Sub-Section (2B) of Section 17 of the employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act. 1952 (19 of 1952) hereinafter referred to as the said Act:—

And whereas, I, Central Provident Fund Commissioner, is statisfied that the employees of the said establishments are without making any separate contribution or payment of premium in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme).

Now therefore, in exercise of the powers conferred by subsection 2(B) of Section 17 of the said Act in continuation of the Government of India in the Ministry of Labour/C.P.F.C. Notification No. S-35014(103)86-SS-II dated 10-3-86 and subject to the conditions specified in Schedule II annexed hereto, to the Central Provident Fund Commissioner hereby exempt the above said estt, from the operation of all the provisions of the said Scheme for a further period with effect from 10-3-89 to 9-3-92, 10-3-92 to 9-3-95 and 10-3-95 to 9-3-98 upto and inclusive of the 9-3-98 and subject.

- 1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.
- 2. The employer wshall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) sub-section (2A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, alongwith translation of the salient features thereof in the Language of the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an estit. exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme apportunity if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

- 7. Notwithstanding, anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee (s)/Legal heir (s) of the employees as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employee. The Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employee to explain their point of view.
- 9. Where for any reason, the employee of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where for any reason, the employer falls to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of insurance benefits to the nominee (s)/legal heir (s) of deceased member who would have been covered under the said Scheme but the grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme, this Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/legal heir(9) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of chims complete in all respect.

> K. A. DWIVI'DI Regional Provident Fund Commissioner

No. 2/1959/DLI/Exemp./89/Pt. I/398.—WHEREAS the employer of the establishment mentioned in Schedule-I (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Fund & Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) hereinafter referred to as the said Act.

AND whereas the Central Provident Fund Commissioner. is satisfied that the employees of the said establishments are, without making any separate contribution or payment of premium in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme).

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection 2(A) of Section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in Schedule II annexed hereto the Central Provident Fund Commissioner hereby exempt each of the said mentioned establishments in Schedule I from the date mentioned against each, from which date relaxation order under para 28(7) of the said Scheme has been granted by the R.P.F.C. West Bengal from the operation of the said Scheme for a period of 3 (three) years.

	SCHEDULEI		
SI. Name & Address of the Establishment No.	Code No.	Effective Date of Exemption	C.P.F.C's File No.
 M/s, Dilip Roy (Packaging and Bottling Co., Pvt. Ltd., Dhadka P.O. Kalla C.H. 713340 Asansol W.B. 	WB/16496	1-7-97 to 30-6-2000	16/36/DLI/98
 M/S. Tezpore Tea Company Ltd., Dhunseri House, 4A, Woodburn Park, Calcutta-20. 	WB/33275	1-8-96 to 31 -7-9 9	16/8/ DL I/98

- 1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such account and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) sub-section (2A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of account, submission of return, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, alongwith translation of the salient features thereof in the Language of the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Empleyees' Provident Fund or the Provident Fund of an estt. exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

- 7. Notwithstanding, anything containd in the Group Insurance Scheme, it on the death of an employees the amounts payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employees been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/Legal heir(s) of the employees as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employee. The Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employee to explain their point of view.
- 9. Where for any reason, the employee of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employee under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to the cancelled.
- 10. Where for any reason, the employer falls to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to cancelled.
- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the sald Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme, this Life Insurance Corporation of India shall insure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/legal heir(s) of the deceased member

entified for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.

Regional Provident Fund Commissioner

No. 2/1959/DLI/Exemp./89/Pt. 1/406.—WHERLAS the employers of the establishments mentioned in Schrödule-I (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under Sub-Section 2(A) of Section 17 of the Employees' Provident Fund & Miscellaneous Provisions Act. 1952 (19 of 1952) hereinafter referred to as the said Act.

And Whereas the Central Provident Fund Commissioner, is satisfied that the employees of the said establishments are, without making any seperate contribution or payment of premium in enjoyment of benefit under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme).

Now therefore, in exercise of the powers conferred by subsection 2(A) of Section 17 of the said Act in continuation of the Government of India, the Ministry of Labour/C.P.F.C. Notification No. and date shown against the name of each of the said establishment from the conditions specified in Schedule II annexed hereto the Central Provident Fund Commissioner hereby exempt each of the said establishments from the operation of all the provisions of the said Scheme for a further period of 3 years as indicated in Schedule I against their names.

SCHEDULE-I

SI. No.	Name & Address of the Establishment	Code No.	No. and date of Govt. Notification vide which Exemption was granted/ Extended	Date of Expiry	Period for Exemption	C.P.F.C. File No.
1.	M/S MMTC Core No.1, Scope Complex, Lodhi Road, N. Dolhi-3	DL/1267	1/1959/DLI/ Excm/89 Pt-I dated 1-8-89.	30-9-39	1-10-89 to 30-9-92 1-10-92 to 30-9-95 1-10-95 to 30-9-98	2/1512/85/DL1
2.	M/s Nostle India Ltd., M-5/	A. DL/4398	2/1959/DLI/Exem/89			
	Connaught Place, New Delhi-1		Pt-I/180 dated 25-5-98	3-9-97	4-5-97 to 3-9-2000	2/1334/88/DLI

- 1. The emplyer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such account and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Govt. may, from time to time, direct under clause(a) sub-section (2A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended alongwith translation of the sailent features thereof in the language of the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to Life Insurance Corporation of India.

- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefit available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme
- 7. Notwithstanding, anything containd in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employees the amounts payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employees been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee (s)/Legal heir (s) of the employees as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employee. The Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employee to explain their point of view.
- 9. Where for any reason, the employee of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where for any reason, the employer falls to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s) legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme, this Life Insurance Corporation of India shall insure prompt payment of the sum assured to the notainee(s)/legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.

Regional Frovid at Fund Commissioner

No. 2/1959/DLI/Exemp./89/Pt. I/414.--WHEREAS the employers of the establishments mentioned in Schedule-I (hereinafter referred to as the suid establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Fund & Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) hereinafter referred to as the said Act.

And whereas the Central Provident land Commissioner, is satisfied that the employees of the said establishments are, without making any separate contribution or payment of premium in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of Ind'a in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the lemployees' Deposit Linked Insurance Scheme 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme).

Now therefore, in exercise of the powers conferred by subsection 2(A) of the Section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in Schedule-II annexed hereto, the Central Provident Fund Commissioner hereby exempt each of the said mentioned establishments in Schedule-I from the date mentioned against each from which date relaxation order under para 28(7) of the said Scheme has been granted by the Regional Provident Fund Commissioner, Delhi from the operation of the said Scheme for a period of 3 years.

Sl. No.	Name & Address of the Establishment	Code No.	Effective date of exemption	C. P. F. C'e File No.
(P)]	Prentice Hall of India Ltd., M/97, Connaught cus, New Delhi-110001.	DL/2341	1-7-93 (o 30-6-96 1-7-96 (o 30-6-96	3/70/98 D1.1
C-4	Beekaj Project Consultants (P) Ltd., /43, Safdarjung Development Area, v Delhi-16.	DL/6106	1 6.89 to 31-7-92 1-8-92 to 31-7-95 1-8-95 to 31-7-98	3/41/98/ DLI
	P. S. Bedi & Co. E-43/1, Okhla Indus- l Area, Phase II, New Delhi-20.	DL/10877	1-11-94 to 31-10-97 1-11-97 to 31-10-2000	3/71/98/ DLI
,	Ahleon Public School, Mayur Vihar, se-I, New Delhi-91.	DL/1 25 63	1-1-93 to 31-12-95 1-1-96 to 31-12-98	3/72/98 DL1
	Ahlcon Public School, Mayur Vihar, se-I, N. Delhi-110091.	DL/12564	1-2-93 to 31-12-95 1-1-96 to 31-12-98	3/73/98 DLI
6. M /s 2nd	Mahaan Foods Limited, 18/3, Janpath, I floor, N. Delhi-l	DL/14950	1-1-93 to 31-12-95 1-1-96 to 31-12-98	3/10/96 DLJ

- 1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) sub-section (2A) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended alongwith translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act. is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/Legal heir(s) of the Employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest

- of the employee. The Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employee to explain their point of view.
- 9. Where for any reason, the employee of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall liable to be cancelled.
- 11. In case of defaults, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said scheme but for the grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme, this life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the noimnee(s)/Legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.

K. A. DWIVFDI Regional Provident Fund Commissioner

No. 2/1959/DLI/Exemp./89/Pt. I/426.—WHEREAS the employer of the establishment mentioned in Schedule-I (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Fund & Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) hereinafter referred to as the said Act.

AND WHEREAS THE CENTRAL PROVIDENT FUND COMMISSIONER is satisfied that the employees of the said establishments are, without making any separate contributions or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme).

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-Section (2A) of the Section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in Schedule II annexed hereto, the Central Provident Fund Commissioner hereby exempt each of the said mentioned establishments in Schedule I from the date mentioned against each from which date relaxation order under para 28(7) of the said Scheme has been granted by the Regional Provident Fund Commissioner, Gujarat from the operation of the said Scheme for a period of 3 years.

Sl. No.	Name & Address of the estt.	Code No.	Effective date of Exemption	C.P.F.C's File No.
1	2	3	4	
	Claridges Hotel, 12 Aurangabad	DL/534	1-3-92	3/49/93/DLI
Road, New Delhi110011	·	28-2-95	, , -, -	
		1-3-95		
			28-2-93	
	Nitin Home Appliances Pvt.	DL/7828	1-2-91	3/51/98/DLI
_	B-56, Maya Puri Industrial		31-1-94	77- 7
Area, Phasc-I New Delhi-110064.		1-2-94		
		31-1-97		
			1-2-97	
			31-1-2000	

(1) (2)	(3)	(4)	(5)
3. M/s Cyber Media (India; Ltd.	DL/8413	1-8-90	3/52/98/DLI
708-709, Meghdoot, 94 Nehru		31 -7 -93	
Place New Delhi-110019		1-8-93	
		31-7-96	
		1-8-96	
		31-7-99	
. M/s. Aravali International Ashoka	DL/8475	1-8-91	3/53/98/DLI
Centre, 4B/15, Jhandewalan Extn.	·	31- 7-94	. , ,–
P.B. No. 5719, New Delhi-110055		1-8-94	
1.Di 1(0, 5/15) 1(1) Delini 7-0005		31-7-97	
		1-8-97	
		31-7-2000	

- 1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) sub-section (2A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended alongwith translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employees been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/Legal heir(s) of the Employees as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employee, his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.
- 9. Where for any reason, the employer of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, for the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

- 10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 11 In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said Scheme but for the grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme, this Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/Legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respects.

K. A. DWIVEDI Regional Provident Fund Commissioner

No. 2/1959/DLI/Exemp./89/Pt.I/436.—WHEREAS the Employer of the establishments mentioned in Schedule-I (hereinafter referred to as the said establishments) have applied for exemption under Sub-Section 2(A) of Section 17 of the Employees' Provident Fund and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) hereinafter referred to as the Said Act.

AND WHEREAS the Central Provident Fund Commissioner is satisfied that the employees of the said establishments are without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the employees Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said scheme).

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-Section 2(A) of the Section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in Schedule-II annexed hereto, the Central Provident Fund Commissioner hereby exempt each of the said mentioned establishments in Schedule-I from the date mentioned against each from which date relaxation order under Para 28(7) of the said Scheme has been granted by the Regional Provident Fund Commissioner, Delhi from the operation of the said Scheme for a period of 3 years.

COTTOTAL ST

		SCHE	DULE-I	
Sl.	No. Name & Address of the Establishment	Code No.	Effective Date of Exemption	C.P.F.C's File No.
1.	M/s. Gestethor (India) Ltd., 6, B.S. Zafar Marg, New Delhi-110002.	DL/3548	1-03-91 28-02-94 1-03-94 28 02-97 1-03-97 29-02-2000	3/32/98/ DLI
2.	M/s. Gujral Design Plus Overseas (P) Ltd., 16, Feroz Gandhi Road, New Delhi-1 10024.	DL/14502	1-02-94 31-01-97 01-02-97 31-01-2000	3/33/98/ DLI
3.	M/s. Inalsa Flexanics Ltd., 11th Floor, Surya Kiran, 19, K.G Marg, New Delhi-110001.	DL/18890	01-07-97 30 06-2000	3/34/98/ DLI
4.	M/s. Tribhuwan Injeclables, 8/39. Kirti Nagar Industrial Area, New Delhi-110015.	DL/4451	01-06-91 31-05-94 01 06-94 31-05-97 01-06-97 31-05-2000	3/35/98/ DLI
5.	M/s. Aravali International (P) Ltd. Ashika Centre, 4E/15, Jhandewalan Bxtn., P. B. No. 5719, New Delhi-110055.	DL/8149	01-08-91 31-07-94 01-08-94 31-07-97 01-08-97 31-07-2000	3/36/98/ D LI
6.	M/s. O.P.G. Computer Aided Design Ltd. Indara House, DLF Centre, Greater Kailash II, New Delhi-110048.	DL/8757	01-10-88 30-09-91 01-10-91 30-09-94 01-10-94 30-09-97 01-10-97 30-09-2000	3/37/98/ DLI
7.	M/s. Elcon (India), D.D.A. Shed No. A-121, Okhla Industrial Area, Phase-II. New Delhi-110020.	DL/8162	01-09-89 31-08-92 01-09-92 31-08-95 01-09-95 31-08-98	3/ 9/97/ DLI

- 1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) sub-section (2A) of Section 17 of the Said Act. within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended alongwith translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.

- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an estt. exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.
- 7. Notwithstanding, anything containd in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/Legal heir(s) of the employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees. The Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employee to explain their point of view.
- 9. Where for any reason, the employee of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as arready adopted by the said establishment, of the benefits to the employees under the Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed be lapse, the exemption shall be liable to cancelled.
- 11. In case of default, if any made by the employer is payment of premium the responsibility for payment o

assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme, this Life Insurance Corporation of India shall insure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.

K. A. DWIVEDA Regional Provident Fund Commissioner

The 12th April 1999

No. 2/1959/DL1/Exemp./89/Pt. I/ 449 .—WHEREAS the employers of the establishments mentioned in Schedule-I (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under Sub-Section 2(A) of Section 17 of the Employees' Provident Fund & Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) hereinafter referred to as the said Act.

And whereas the Central Provident Fund Commissioner is satisfied that the employees of the said establishments are, without making any separate contribution or payment of premium in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme).

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection 2(A) of the Section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in Schedule-II annexed hereto, the Central Provident Fund Commissioner hereby exempt each of the said mentioned establishments in Schedule-I from the date mentioned against each, from which date relaxation order under para 28(7) of the said Scheme has been granted by the R.P.F.C. Delhi from the operation of the said Scheme for a period of 3 years.

Sr. No.	Name & Address of the Establishment	Code No.	Effective Date of Exemption	C.P.F.C.'s File No.
1.	M/s Basu Associates (P) Ltd.,	DL/6609	1-3-90	3/25/98/
	Pocket B-2, J Block Market		28-2-93	DLI
	Saket, New Delhi-110017.		1-3-93	
			2 9-2-9 6	
			1- 3-9 6	
			28-2-9 9	
2.	M/s Paushak, C-65/1, Maya Puri,	DL/7164	1-3-90	3/23/98/
	Industrial Area, Phase-II.	·	28-2 -9 3	DLI
	New Delhi-64		1-3-93	
			29-2-96	
			1-3-96	
			28-2 -99	
3.	M/s Aravali Medical Safety	DL/8474	1-8 -9 1	31 29/9 8/
	Appliances Pvt. Ltd., Ashok		31 -7-94	DLI
	Centre, 4E/15 Jhandewalan Ext.		1-8-94	
	P. B. No. 5719, New Delhi-110055.		31-7- 97	

- 1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) sub-section 2(A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended alongwith translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/Legal heir(s) of the Employees as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees' his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

- 9. Where for any reason, the employee of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, of the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall liable to be cancelled.
- 11. In case of defaults, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said scheme but for the grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme, this life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/Legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.

K. A. DWIVEDI Regional Provident Fund Commissioner

No. 2/1959/DLI/Exemp./89/Pt. I/457.—WHEREAS the employer of the establishment mentioned in Schedule-1 (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under Sub-Section 2(A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) hereinafter referred to as the said Act.

AND WHEREAS the Central Provident Fund Commissioner is satisfied that the employees of the said establishments are without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the employee' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said scheme).

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-Section 2(A) of the Section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in Schedule-II annexed hereto, the Central Provident Fund Commissioner hereby exempt each of the said mentioned establishments in Schedule-I from the date mentioned against each from which date relaxation order under Para 28(7) of the said Scheme has been granted by the Regional Provident Fund Commissioner, Kerala from the operation of the said Scheme for a period of 3 years.

SI.	Name & Address of the Establishment	Code No.	Effective Date of Exemption	C.P.F.C'S File No.
1		3	4	5
1.	M/s. B. G. R. Interprise, B.T.H. building Durbar Hall Road, Cochin-682016	KR/10495	1-9-89 to 31-8-92 1-9-92 to 31-8-95 & 1-9-95 to 31-8-98	8/110/98

1	2	3	4	5
2.	M/s. The Fertilisers and Chemicals travancors Ltd. (Fact. Ltd.) Ambalamedu-692303 (ore branches)	KR/KC 3805	1-5-92 to 30-4-95 & 1-5-95 to 30-4-98	8 109/98
3,	M/s. Tatefare, Adivision of tata telecom Ltd. Kanjikode, Palckad Dist678623	KR/KK 11426	1-8-91 to 30-7-94 & 1-8-94 to 31-7-97 & 1-8-97 to 31-7-2000	8/102/98
4.	M/s. Southern Scale Services. Metro House, State Bank Road, Palakkad-678014	KR/KK 4657	1-9-91 to 31-8-94 & 1-9-94 to 31-8-97	8/107/98/DLT
6.	M/s. Enjayes Spices and chemicals oils Ltd., Abantowers 3rd Floor, Pathanamthitta-689645 Kerala.	KR/10903	1-12 -9 5 to 30-11-98	8/50/97/DLI

- 1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such account and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Covernment may, from time to time, direct under clause (a) sub-section 2(A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended alongwith translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, alongwith translation of the salient features thereof in the Language of the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an esti. exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriatly if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.
- 7. Notwithstanding, anything containd in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employees been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominec(s)/Legal heir(s) of the employee as compensation.

- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees', The Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.
- 9. Where for Thy reason, the employee of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, for the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where for any reason, the employer falls to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 11. In case of defaults, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee (s) legal heir (s) of deceased member who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme, this Lite Insurance Corporation of India shall insure prompt payment of the sum assured to the nominec(s)/legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of chains complete in all respect.

K. A. DWIVEDI Regional Provident Fund Commissioner

No. 2/1959/DLI/Exemp./89/Pt. 1/468.—WHEREAS the employer of the establishment mentioned in Schedule-I (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under Sub-Section 2(B) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) hereinafter referred to as the said Act.

AND WHEREAS, the Central Provident Fund Commissioner is satisfied that the employees of the said establishments are without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme).

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section 2(A) of Section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in Schedule II annexed hereto, the Central Provident Fund Commissioner hereby exempt each of the said mentioned establishments in schedule I from the date mentioned against each, from which date relaxation order under para 28(7) of the said Scheme has been granted by the Regional Provident Fund Commissioner, Gujarat from the operation of the said Scheme for a period of 3 years.

SCHEDULE-I

\$1. N	Name & Address of the Establishment	Code No.	Effective date of Exemption	C.P.F.C's File No.
1	2	3	4	5
1.	M/s. Shakti Pathikashram Numbharia Road, Ambaji Distt. Banaskantha.	GJ _/ 1563	1-3-95 28-2-98	4/56/98/DL1
2.	M/s. Ahmedabad Distt. Co-op. Milk Producers' Union Ltd. Sukhramnagar Gomti Pur, Ahmedabad-380021.	GJ/2346	1-2-94 31-1-97 1-2-97 31-1-2000	4/57/98/ DL I
3.	M/s. Kadakia Plastics & Chemicals, 285/1, G.I.D.C, Umbargaon-396171.	GJ/1 607 8	1-10-97 30-9-2000	4/21/98
4.	M/s. Shree Ambeshwar Chemicals, Plot No. 144, G.I.D.C. Ankleshwar-393002.	GJ/18200	1-10-97 30-9-2000	4/30/98/DLI
5.	M/s. Mohan Lal Dayal Prasutigrah & General Hospital Killa Pardi Distt. Valsad.	GJ/8159	1-1-9 6 31-12-98	4/26/97/DLI

- 1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, playment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Netice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Contral Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, alongwith translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.

- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, if employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heir(s) of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employee. The Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employee to explain their point of view.

- 9. Where for any reason, the employee of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 11. In case of defaults, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said scheme but for the grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme, this Life Insurance Corporation of

India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respects.

K. A. DWIVEDI Regional Provident Fund Commissioner

No. 21959/DEL/Exemp./89/Pt. 1/479.—WHEREAS the employers of the establishments mentioned in Schedule-I (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section 2(A) of Section 17 of the Employees' Provident Fund & Miscellaneous Provisions Act 1952 (19 of 1952) hereinafter referred to as the said Act.

AND WHEREAS the Central Provident Fund Commissioner, is satisfied that the employees of the said establishments are, without making any seperate contribution or payment of premium in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme).

Now therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-Section 2(A) of Section 17 of the said Act in continuation of the Government of India, the Ministry of Labour/C.P.F.C. Notification No. and date shown against the name of each of the said establishments from the conditions specified in schedule II Annexed hereto the Central Provident Fund Commissioner hereby exempt each of the said establishments from the operation of all the provisions of the said Scheme a further period of 3 years as indicated is attached Schedule-I against their names.

Schedule-I

SI. No.	Name & Address of the Establishment	Code No.	No. & Date of Govt. Notification vide which Exemption was granted/Extended	Date of Expiry	Period for Exemption	C. P. F. C's File No.
1,	M/s. Bata India Ltd., 6-A, S. N. Banerjee Road, Calcutta-700013.	WB/707 WB/5224	2/1959/DLI/Bxm /89 Pt. I dt. 18-3-92	30-11-94	1-12-94 to 30-11-97	2/2243/89/ DLI
2.	M/s. Ciciko Office Machines Pvt. Ltd., 23, R. N. Mt. herjee Road, Calcutta-70001. along its branches.	WB/5003	2/1959/DLI/Exm./89 Pt. I dt. 7-4-93	31-1 0-95	01-11-95 to 31-10-98	2/3485/DLI
3.	M/s.Durgapur Chemicals Ltd., P. O. Durgapur-15, Distt. Burdwan (W. B.) 713215.	WB /13537	2/1959/DLI/Exm./89 Pt. I dt. 16-2-96	31 -01-9 8	01-02-98 to 31-01-20	2/2379/ 90/ D L I 01
4.	M/s. Kanchan Motals Pvt. Ltd., 38, Strand Road. Calcutta-1 along its branches.	WB/25128	2/1959/DLI/Exm./89 Pt. I dt. 4-9-92	28-02-95	01-0 3-9 5 to 2 8-02-9 8	2/3551/DLI/91
5,	M/s. The Jute Corporation of India Ltd., 1. Shakespeare Sarani, Calcutta-700041.	WB/14467	2/1959/DL1/Exm./89 Pt. T Dt. 11-01-92	26-12-94	27-12-94 to 26-12-9 & 27-12-9' to 26-12-20	7

- 1. The employer in relation to each of the said establishments (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such account and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may from time to time, direct under clause (a) sub-section $2(\Lambda)$ of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, payment of insurance premia, submission of returns, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, copy of the rules of the Group Insurance octome as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended alongwith translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/Lgal heir(s) of the Employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employes. The Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval give a reasonable opportunity to the employee to explain their point of view.

- 9. Where for any reason, the employee of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, of the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall liable to be cancelled.
- 11. In case of defaults, if any made by the employer measurement of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said Scheme but for the grant of this exemption shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme, this Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/Legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respects.

K. A. DWIVEDI Regional Provident Fund Commissioner

No. 2/1959/DLI/Exemp/89/Pt.I/490.—WHEREAS the employer of the establishments mentioned in Schedule-I (hereinafter referred to as the said establishments) have applied for exemption under Sub-Section 2(A) of Section 17 of the Employees' Provident Fund and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) hereinafter referred to as the said Act.

AND WHEREAS the Central Provident Fund Commissioner is satisfied that the employees of the said establishments are without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme).

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-Section 2(A) of the Section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in Schedule-II annexed hereto, the Central Provident Fund Commissioner hereby exempt each of the said mentioned establishments in schedule-I from the date mentioned against each from which date relaxation order under para 28(7) of the said scheme has been granted by the Regional Provident Fund Commissioner, Delhi from the operation of the Scheme for a period of 3 years.

S. No.	Name & Address of the establishment	Code No.	Effective date of exemption	C P. F. C's file No.
1	2	3	4	5
1,	M/s. St. Stephen Hospital Tis Hazari, Dolhi-54.	DL/3413	1-4-88 to 31-3-91 1-4-91 to 31-3-94 1-4-94 to 31-3-97	3/40/98/ DLJ

1	2	3	4	5
,, 2.	M/s Havells India Ltd.	DL/7953	1-9-89	3/42/98/DL1
	i, Raj Narain Marg		'to	
	Civil lines, Delhi-54		31-8-92	
			1-9-92	
			to	
			31-8-95	
			1-9-95	
			to	
			31-8-98	
3.	M/s Bakhtavar Singh Bai	DL/8939	1-8-89	3/43/98/ DL 1
	Kishan Engineers Pvt.		to	•
	Ltd. Booky House, L-8		31-7-92	
	Green Park Extension, N. Delhi-110016.		1-8-92	
			to	
			31-7-95	
			1-8-95	
			to	
			31-7-98.	

- 1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such account and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Cantral Government may, from time to time, direct under clause(a) sub-section 3(A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended alongwith translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/Legal heir(s) of the Employee as compensation.

- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.
- 9. Where for any reason, the employee of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, of the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall liable to be cancelled.
- 11. In case of defaults, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said scheme but for the grant of this exemption, shall be shat of the employer.
- 12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme, this Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/Legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.

K. A. DWIVEDI Regional Provident Fund Commissioner

No. 2/1959/DLI/Exemp./89/Pt. I/499.—WHEREAS the employer of the establishments mentioned in Schedule-I (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under Sub-Section 2(A) of Section 17 of the Employees' Provident Fund & Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) hereinafter referred to as the said Act.

AND WHEREAS, the Central Provident Fund Commissioner is satisfied that the employees of the said establishments are without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme).

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section 2(A) of Section 17 of the said Act and sb-ject to the conditions specified in Schedule II annexed hereto, the Central Provident Fund Commissioner hereby exempt each of the said mentioned establishment in schedule I from the date mentioned against each, from which date relaxation order under para 28(7) of the said Scheme has been granted by the Regional Provident Fund Commissioner, Orissa from the operation of the said Scheme for a period of 3 years.

SCHEDULE-J

S. No.	Name & Address of the Establishment	Code No.	period of Exemption	CPFC File No.
1.	M/s Pollar Latex Ltd., Plot No. 3, Somanath Pur Industrial Estate, Remuna, Balasore- 756019	OR/4784	1-7-96 30-6-99	11/5/98 DLI

SCHEDULE-II

- 1. The employer in relation to each of the said establishments (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct clause (a) sub-section 2(A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, payment of insurance premia, submission of returns, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, alongwith translation of the salient features thereof in the Language of the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an estt. exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriatly if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.
- 7. Notwithstanding, anything containd in the Group Insurance Scheme, it on the death of an employees the amounts payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employees been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee (s)/Legal heir (s) of the employees as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employee. The Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable appertunity to the employee to explain their point of view.
- 9. Where for any reason, the employee of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance

- Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, lapse, the exemption shall liable to be cancelled.
- 10. Where for any reason, the employer falls to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall liable to be cancelled.
- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme, this Life Insurance Corporation of India shall insure prompt payment of the sum assured to the nomunee(s)/legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respects.

Regional Provident Fund Commissioner

No. 2/1959/DLI/Exemp./89/Pt. I/506.—Whereas the employers of the establishments mentioned in Schedule-I (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Fund & Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) hereinafter referred to as 'Ne said Act

And whereas the Central Provident Fund Commissioner, is satisfied that the employees of the said establishments are, without making any separate contribution or payment of premium in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India at the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme).

Now there, in exercise of the powers conferred by Sub-Section 2(A) of Section 17 of the said Act in continuation of the Government of India, the Ministry of Labour/C.P.F.C. Notification No. and date shown against the name of each of the said establishments from the conditions specified in schedule II Annexed hereto the Central Provident Fund Commissioner hereby exempt each of the said establishments from the operation of all the provisions of the said Scheme a further period of 3 years as indicated in attached Schedule-I against their names.

EMPLOYEES PROVIDENT FUND ORGANISATION, NEW DELHI

Sl. No.	I CONTICUE OF I ELECTION OF THE STATE	Codo No,	No. & Date of Govt. Notification Vide Which Exemption was Granted/Extended	Expiry	Period Exemption From		CPFC'S File No./ Remarks
1,	M/s Amar Ujala Publications Sikandara Roal Agra U. P282007	UP/337	S-35014(446)82/PF II Dated 21-12-82	20-12-85	21/12/88 21/12/91	20/12/88 20/12/91 20/12/94 20-12-97	2/615/81/DLI
2.	M/s. Agra Lether Board (P) Ltd. 5 Industrial Estate Nunhai Agra UP-282006	UP/2744	S-35014(240)83/PF II Dated 22-11-83	21-11-86	22-11-86 22-11-89 22-11-92 22-11-95	21-11 -9 5	2/ 9 /83/ DL !
3.	M/s. PEE CEE Scops and Chemicals Doctor Soap House. 19/9 Khatena Road. Lohamandi-Agra,	U P /11914	2-1959/DLI/Part-II Dated 26-12-97	31 -08-9 (5 01-09-96	5 31 -08-9 9	2/9/DLI UP/95
4	M/s. Shriram Honda Powor Equipments Ltd. Village & P. O. Bhigwara, Via Kichha Distt. Udham Singh Nagar UP-263148.	UP/14069	2-1959/DLI/Part-II Dated 26-12-97	24-01-96	25-01-96	24-01-99	2/5407/UP/ DLI

- 1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (A) of sub-Section (2A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of Insurance primia, transfer of accounts payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, alongwith translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees
- 5. Whereas an employee who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heir(s) of the employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employee. The Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employee to explain their point of view.
- 9. Where for any reason, the employee of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where for any reason, the employer fails to play the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.

- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nomine(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said Scheme but for the grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme, this Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nomineo(s) Legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.

K. A. DWIVEDI Regional Provident Fund Commissioner

New Delhi-110066, the 26th March 1999

No. 2/1959/DLI/Exemp./89/Pt.I/516.—WHEREAS the employers of the establishments mentioned in Schedule-I (hereinafter referred to as the said establishment) have ap-

plied for exemption under sub-section 2(A) of Section 17 of the Employees' Provident Fund & Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) hereinafter referred to as the said Act.

And whereas the Central Provident Fund Commissioner, is satisfied that the employees of the said establishments are, without making any separate contribution or payment of premium in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme).

Now therefore, in exercise of the powers conferred by subsection 2(A) of Section 17 of the said Act in continuation of the Government of India, the Ministry of Labour/C.P.F.C. Notification No. and date shown against the name of each of the said establishment the conditions from specified in Schedule II annexed hereto the Central Provident Fund Commissioner hereby exempt each of the said establishments from the operation of all the provisions of the said Scheme for a further period of 3 years as indicated in attached Schedule-I against their names.

SCHEDULE—I

S. No.	Name & Address of the Establishment	Code No.	No. & Date of Govt. Notification Vide which Exemption was granted/ Extended	Date of Expiry	Period of Exemption	C.P.F.C. File No.
1.	M/s. Berhampur Regional Marketing Co-op. Society Ltd. Khajierea Road, Berhampur, Dist. Ganjam- 760008.	·	2/1959/DL1/Exem/Pt. 1/ 89/1380	28.2.97	1-3-97 to 29.2.2000	11 / 9/96 /DL 1

SCHEDULE-II

- 1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under blause (a) sub-section (3A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended alongwith translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an estt. exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

- 7. Notwithstanding, anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employees been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee (s)/Legal heir (s) of the employees as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees. The Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employee to explain their point of view.
- 9. Where for any reason, the employee of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee (s) /legal heir (s) of deceased member who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme, this Life Insurance Corporation of India shall insure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respects.

Regional Provident Fund Commissioner

प्रवास्थक, भारत सरकार मृद्रणालय, फरीयाबाद द्वारा मृद्रित एवं प्रकाशन निवंत्रक, दिल्ली द्वारा प्रकाशित, 1999 PAINTED BY THE MANAGER, GOVERNMENT OF DEMANDATION BELLEY, 1999